हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची • सोमवार • 30.12.2024 • वर्ष : 15 • अंक : 158 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

दक्षिण कोरिया में विमान हादसा, 179 यात्रियों की मौत, दो की बची जान

एजेंसी

मुआन : रविवार को दक्षिण कोरिया में एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ, जब जेजू एयर का बोइंग 737-800 विमान रनवे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान बैंकॉक से लौट रहा था और उसमें 181 लोग सवार थे। स्थानीय समयानुसार सुबह 9:07 बजे, मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान, लैंडिंग गियर में खराबी के कारण विमान रनवे से फिसलकर बाड़ से जा टकराया। इस हादसे में 179 लोगों की मौत हो गई, जबकि केवल दो लोग जीवित बचे हैं। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, अब तक बचाव कर्मियों ने 120 शव बरामद किए हैं।

विमान में 175 यात्री और 6 चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 173 यात्री दक्षिण कोरियाई नागरिक थे, जबकि 2 अन्य यात्रियों के पास थाई पासपोर्ट था। अधिकारियों का कहना है कि विमान पक्षियों के झुंड से टकरा गया था, जिससे लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विमान को रनवे पर फिसलते और आग की लपटों में घिरते हुए देखा जा सकता है। यह भी बताया गया कि विमान ने एक बार लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन असफल रहा। दूसरी बार उतरने के प्रयास के दौरान इसे बेली लैंडिंग की स्थिति में इमरजेंसी में उतारा गया, लेकिन विमान जमीन पर पहुंचते ही टूटकर टुकड़ों में बिखर गया। दुर्घटना स्थल पर धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया।

विमान के टकराने के तुरंत बाद जोरदार धमाका हुआ और यह आग की चपेट में आ गया। हादसे की भयावहता को दिखाने वाले वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि विमान फिसलते हुए एक बाड़ से टकराया और उसमें तुरंत आग लग गई। राहत और बचाव कार्य जारी

है, लेकिन यह हादसा दक्षिण कोरिया के सबसे भीषण विमान दुर्घटनाओं में से एक माना जा रहा है।

जेजू एयर के सीईओ ने हादसे के लिए मांगी माफी

दक्षिण कोरिया में हुए भीषण विमान हादसे को लेकर एयरलाइंस जेजू एयर के सीईओ ने माफी मांगी है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर ये माफी पोस्ट की गई है। जेजू एयर के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) किम ई-बे ने मुआन हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हम भी संबंधित सरकारी एजेंसी की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

सीईओ ने मृतकों और उनके परिवारों के प्रति जताई संवेदना

किम ई-बे ने माफीनामे में लिखा कि 'सबसे पहले, हम उन सभी लोगों से माफी मांगते हैं जिन्होंने जेजू एयर पर भरोसा किया। 29 दिसंबर को सुबह लगभग 9:03 बजे, बैंकॉक से मुआन जाने वाली फ्लाइट 732216 में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय आग लग गई। हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और माफी मांगते हैं। दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, और हमें जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। कारण चाहे जो भी हो, सीईओ के रूप में, मैं इस घटना के लिए गहरी जिम्मेदारी महसूस करता हूं। जेजू एयर इस दुर्घटना को तुरंत संभालने और उसमें सवार लोगों के परिवारों का समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। हम सरकार के साथ मिलकर दुर्घटना के कारण का पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। एक बार फिर हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना करते हैं और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी क्षमा याचना करते हैं।' दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पश्चिम में स्थित मुआन हवाई अड्डे पर रविवार सुबह 181 लोगों को ले जा रहा एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 179 लोगों के मारे जाने की खबर है। पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों की मानें तो बाकी यात्रियों के बचे होने की उम्मीद बहुत कम ही है। 175 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को लेकर यह विमान बैंकॉक से लौट रहा था।

एक नजर

ट्रेलर की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

रांची : राजधानी रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कांची नदी पुल के समीप रविवार को एक ट्रेलर की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी। मृतकों में जमशेदपुर निवासी सुमित कुमार मिश्रा, पुलकीत सिंह और निखिल कुमार हैं। जानकारी के अनुसार, जमशेदपुर से 11 युवकों का ग्रुप बाइक से पिकनिक मनाने दशम फॉल जा रहा था। इसी क्रम में कांची नदी पुल के समीप ट्रेलर के चपेट में आने से तीन युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का नाम शुभम कुमार है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हुई है। एक युवक घायल है।

टीपीसी ने आशीर्वाद कंपनी को दी चेतावनी

रामगढ़ : रामगढ़ के उरीमारी क्षेत्र में नक्सली संगठन टीपीसी एक बार फिर सक्रिय हो गई है। इस कमेटी के तरफ से इस क्षेत्र में काम कर रही आशीर्वाद कंपनी को चेतावनी दी गई है। रविवार को नक्सली दिवाकर के जरिये के जारी किए गए पर्चे में कंपनी को पेड़ कटाव तत्काल बंद करने का फरमान जारी किया गया है। साथ ही यह कहा गया है कि जब तक टीपीसी संगठन के सदस्यों के साथ बातचीत नहीं हो जाती है, तब तक किसी भी तरह का काम नहीं होगा। अगर संगठन से बात किए बिना आशीर्वाद कंपनी पेड़ कटाव का कार्य जारी रखती है, तो नक्सली संगठन पेड़ काटने वाले को ही काट देगी। चाहे वह मजदूर हो या ठेकेदार। नक्सली संगठन के जरिये जारी किए गए इस पर्चे के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। कंपनी के पदाधिकारियों ने इस मामले की सूचना उरीमारी पुलिस को दी है। इस क्षेत्र में आशीर्वाद कंपनी कार्य कर रही है वहां पुलिस ने पहुंचकर जांच भी शुरू कर दी है।

ओडिशा में बस पलटने से 3 की मौत 15 से अधिक घायल

भुवनेश्वर : ओडिशा के कोरापुट जिले के बैपरिगुड़ा थाना अंतर्गत डकरी घाटी के सुकु नाला के पास रविवार को सुबह एक बस पलट कर खाई में गिर गई।इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में छोटे बच्चे भी शामिल हैं। इन सभी को समीप के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने इस हादसे को लेकर दु:ख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों को दो दो लाख रुपये की अनुकंपा राशि प्रदान करने की घोषणा की है ।

कैमरून में फंसे राज्य के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 सुरक्षित वापस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर कैमरून में फंसे झारखंड के 47 प्रवासी श्रमिकों में से 11 श्रमिकों की सुरक्षित वापसी हो गई। सभी श्रमिकों को श्रम विभाग के जरिये उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाया गया। बाकी बचे 36 श्रमिकों की वापसी भी सुनिश्चित की जा रही है।

यह है मामला

सेंट्रल अफ्रीका के कैमरून के एमएस ट्रांस रेल लाइटिंग लिमिटेड में कार्यरत झारखंड के हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह जिलों के 47 श्रमिकों के वेतन भुगतान और कंपनी के जरिये अच्छा व्यवहार नहीं किए जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को प्राप्त हुई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क कर मामले का सत्यापन किया। मामले के सत्यापन के बाद श्रम सचिव मुकेश कुमार और कमिश्नर संजीव कुमार बेसरा के निदेशानुसार संबंधित जिलों के श्रम अधीक्षकों ने नियोजकों, नियोक्ताओं और बिचौलियों (मिडिलमैन) के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराया और फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

श्रमिकों को मिला पारिश्रमिक

कंट्रोल रूम की टीम लगातार ई-मेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों, कंपनी एवं श्रमिकों से संपर्क करते हुए श्रमिकों का कुल 39,77,743 बकाया रुपये का भुगतान कराया गया है। इसके बाद 27 दिसंबर को 47 श्रमिकों में से 11 श्रमिकों के पहले समूह की कैमरून से भारत के लिए सुरक्षित वापसी हुई। झारखंड पहुंचने पर श्रम विभाग के अधिकारियों ने श्रमिकों का स्वागत बिरसा हवाई अड्डे पर किया।

पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल का हार्ट अटैक से निधन

एजेंसी

पटना : पूर्व आईपीएस, अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और पटना के महावीर मंदिर के सचिव आचार्य किशोर कुणाल का रविवार सुबह निधन हो गया। 74 वर्षीय किशोर कुणाल ने पटना के महावीर वत्सला अस्पताल में अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, पूर्व आईपीएस को आज सुबह दिल का दौरा पड़ा था। जिसके बाद आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

आचार्य किशोर की धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में रही महती भूमिका : सम्राट चौधरी

आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी सहित कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। सम्राट चौधरी ने अपने एक्स पर लिखा कि पटना महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष, पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल जी का हृदयाघात से निधन की खबर अत्यंत ही दुःखद है। किशोर कुणाल जी की धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में महती भूमिका रही है। उनकी विदाई से बिहार को गहरा आघात लगा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।

किशोर कुणाल की विदाई से बिहार को गहरा आघात

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने लिखा कि पटना महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष, पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल जी का हृदयाघात से निधन की खबर अत्यंत ही दुःखद है। किशोर कुणाल जी की धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में महती भूमिका रही है। उनकी विदाई से बिहार को गहरा आघात लगा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। ॐ शांति।

ऐसे थे हमारे कुणाल साहब : जीतनराम मांझी

हम के संरक्षक व केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि कुणाल किशोर जी का जाना मेरे लिए कितनी बड़ी क्षति है यह मैं लिखकर बयां नहीं कर सकता। पिछले दिनों जब मैं अयोध्या गया था तो कुणाल साहब ने मुझे अयोध्या से ऐसे रूबरू करवाया जैसे कोई अयोध्यावासी अपने शहर का इतिहास बता रहा हो। उनकी प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा का सबसे बड़ा उदाहरण महावीर कैंसर संस्थान है, जहां की आत्मा किशोर कुणाल साहब में बसती थी। वह हमेशा कहते थें पद आज है चला जायेगा, पैसा आज है चला जायेगा पर आपके द्वारा किये गये कार्यों को जमाना याद रखेगा। ऐसे थे हमारे कुणाल साहब।

आचार्य किशोर ने कई संस्थाओं की स्थापना की, जो समाज के लिए प्रदान करती है महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं

बता दें कि आचार्य किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुजफ्फरपुर के बरुराज गांव से ली। इसके बाद उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से इतिहास और संस्कृत में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। बाद में वह गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी बने और पटना में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। किशोर कुणाल ने गृह मंत्रालय में भी अपनी सेवा दी। इसके बाद 2000 में रिटायर हो गये। रिटायर होने के बाद दरभंगा स्थित संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य किया।

मन की बात : पीएम मोदी ने कहा- संविधान हमारा पथ प्रदर्शक, देशवासियों से की प्रस्तावना पढ़ने की अपील

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 117वीं बार 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। यह 2024 का आखिरी एपिसोड था, क्योंकि इस साल लोकसभा चुनाव के कारण मार्च, अप्रैल और मई में 'मन की बात' का प्रसारण नहीं हो सका था। इससे पहले 116वां एपिसोड 24 नवंबर को प्रसारित हुआ था, जिसमें पीएम मोदी ने डिजिटल अपराध, स्वामी विवेकानंद, एनसीसी और लाइब्रेरी जैसे विषयों पर चर्चा की थी। यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ था और इसका प्रसारण आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों के माध्यम से होता है। 'मन की बात' कार्यक्रम 22 भारतीय भाषाओं, 29 बोलियों और 11 विदेशी भाषाओं में भी सुनाया जाता है। पीएम मोदी ने 'मन की बात' की शुरूआत करते हुए देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 2025 अब नजदीक है, और इस वर्ष 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 साल पूरे हो जाएंगे,

जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने संविधान को हमारे लिए मार्गदर्शक और गाइडिंग लाइट बताया, जिसके कारण आज वह हमसे संवाद कर पा रहे हैं।

क्या कहा पीएम मोदी ने?

मन की बात के 117वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 26 जनवरी 2025 को हमारा संविधान 75 साल पूरे कर रहा है। संविधान हमारा मार्गदर्शक है, हमारा मार्गदर्शक है। इस वर्ष, 26 नवंबर को संविधान दिवस पर, भारत अपने संविधान को अपनाने के 75 वर्ष मनाएगा। इस मील के पत्थर का सम्मान करने के लिए, एक राष्ट्रव्यापी अभियान नागरिकों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ने और अपने वीडियो साझा करने के लिए आमंत्रित करता है, जिससे सामूहिक गौरव और एकता की भावना को बढ़ावा मिलता है। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए एक विशेष वेबसाइट http://Constitution75.com बनाई गई है। आप संविधान को असंख्य भाषाओं में पढ़ सकते हैं और संविधान से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं।

कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल

मन की बात के 117वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। जब हम कुंभ में भाग लेंगे, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेंगे। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के जरिए कुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। कहीं कोई भेदभाव नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, कोई छोटा नहीं है। इसलिए हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी है। श्रद्धालुओं को उनके मोबाइल फोन पर सरकार द्वारा स्वीकृत टूर पैकेज, आवास और होमस्टे की जानकारी दी जाएगी।

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आप बच्चों की पसंदीदा एनिमेशन सीरीज केटीबी-भारत हैं हम के बारे में जानते होंगे और अब इसका दूसरा सीजन भी आ गया है। केटीबी का मतलब है कृष, त्रिश और बाल्टीबॉय। ये तीन एनिमेशन कैरेक्टर हमें उन वीरों और बहादुरों के बारे में बताते हैं, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े पुरुष और महिलाएं जिनके बारे में ज्यादा चर्चा नहीं होती।

इसे दूरदर्शन और दूसरे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। कृष, त्रिश और बाल्टीबॉय की 'भारत हैं हम' रेडियो सीरीज को 12 भाषाओं में आकाशवाणी नेटवर्क पर जरूर सुनें। हर रविवार सुबह 10.30 बजे।

मन की बात के 117वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राज कपूर जी ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की सॉफ्ट पावर से परिचित कराया। रफी साहब की आवाज में वो जादू था जो हर दिल को छू जाता था। भक्ति गीत हों या रोमांटिक गाने, दुख भरे गाने, उन्होंने अपनी आवाज से हर भावना को जीवंत कर दिया। अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू ने तेलुगु सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी फिल्मों ने भारतीय परंपराओं और मूल्यों को बहुत अच्छे से प्रस्तुत किया। तपन सिन्हा जी की फिल्मों ने समाज को एक नई दृष्टि दी।

तालिबानी हमले में मारे गए 19 पाकिस्तानी जवान

एजेंसी

इस्लामाबाद : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। सीमा चौकियों पर हुए भीषण संघर्ष में 19 पाकिस्तानी सैनिक और तीन अफगान नागरिकों की मौत हो गई।

कभी एक दूसरे के गहरे दोस्त रहे तालिबान और इस्लामाबाद रविवार को सैन्य झड़पों तक पहुंच गए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, टोलोन्यूज ने राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के एक सूत्र के हवाले से बताया कि पाकिस्तान की सीमा से लगे पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त और पक्तिका प्रांतों में भीषण झड़पें जारी हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगान सीमा बलों ने खोस्त प्रांत के अली शिर जिले में कई पाकिस्तानी सैन्य चौकियों में आग लगा दी। वहीं पक्तिका प्रांत के दंड-ए-पाटन जिले में दो पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया। सूत्र ने बताया कि दंड-ए-पाटन जिले में पाकिस्तानी सैनिकों की तरफ से दागे गए मोर्टार के गोले के कारण तीन अफगान नागरिकों की जान चली गई। यह झड़पें पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक के बाद हुई हैं। हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 51 लोग मारे गए। कभी दोस्त माने जाने वाले पाकिस्तान और अफगानिस्तान आज एक दूसरे के सामने खड़े हैं। इस्लामाबाद और काबुल के बीच दुश्मनी की सबसे बड़ी वजह तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी या पाकिस्तानी तालिबान) बना है।

टीटीपी का उद्देश्य पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और राज्य के खिलाफ आतंकवादी अभियान चलाकर पाकिस्तान सरकार को उखाड़ फेंकना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार को हटाकर इस्लामी कानून की अपनी व्याख्या के आधार पर एक कट्टरवादी शासन की नींव रखना चाहता है। हाल के दिनों में, इस्लामाबाद ने बार-बार अफगान सरकार पर सशस्त्र समूहों, विशेष रूप से टीटीपी को पनाह देने का आरोप लगाया है। टीटीपी के बारे में उसका दावा है कि वह पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सीमा पार से हमले करता है। हालांकि काबुल इस्लामाबाद के दावे को खारिज करता रहा है। वहीं काबुल इस्लामाबाद के आरोपों को खारिज करता रहा है।

अनिता को न्याय दिलाने के लिए लोगों ने निकाला कैंडल मार्च और मशाल जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जब रक्षा करने वाला ही रक्षक बन जाए तो सड़क पर उतरना ही पड़ेगा इस भावना के साथ रविवार को बुढ़वा महादेव प्रांगण से एक ऐतिहासिक कैंडल मार्च और मसाल जुलूस निकाला गया। शहर के विभिन्न चौक चौराहों से गुजरते हुए झंडा चौक पहुंचकर समाप्त हुआ जहां पर अनिता कुमारी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर सभी ने उन्हें नमन किया। यह आयोजन एसडीएम अशोक कुमार की धर्मपत्नी अनिता कुमारी को न्याय दिलाने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग को लेकर किया गया। इस घटना ने न केवल हजारीबाग बल्कि पूरे क्षेत्र को

झकझोर कर रख दिया है। जुलूस का नेतृत्व सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया। चतरा विधायक जनार्दन पासवान भी मौजूद रहे,भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह,मंडल अध्यक्ष, सैकड़ों कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक इस मार्च में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और उसे फांसी की सजा की मांग की। 26 दिसंबर को सुबह करीब 7.30 से 8.00 बजे के बीच हजारीबाग एसडीएम आवास पर अनिता कुमारी जलने की घटना हुई। गंभीर हालत में उन्हें पहले शहर के निजी अस्पताल ले जाया गया, फिर बोकारो और अंततः रांची के देवकमल अस्पताल में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान 27 दिसंबर की रात 3:30 बजे अनिता कुमारी ने दम तोड़ दिया। इस घटना से पूरे शहर में आक्रोश फैल गया। शनिवार को रांची में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने हजारीबाग में संबंधित थाने में आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों के साथ-साथ हजारीबाग की जनता ने भी इस घटना को महिला सम्मान और न्याय से जुड़ा मामला मानते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए आवाज बुलंद की। रविवार को आयोजित कैंडल मार्च और मसाल जुलूस में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। सभी ने भावुक होकर शहर की बहू-बेटी के साथ हुए इस अमानवीय अत्याचार पर गहरी संवेदना और आक्रोश व्यक्त किया। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा यह केवल अनिता कुमारी के परिवार का मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की बेटी का सम्मान और सुरक्षा का सवाल है। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने तक यह संघर्ष जारी रहेगा। यह सिर्फ अनिता कुमारी का मामला नहीं है, यह पूरे समाज की बहू-बेटी के सम्मान और सुरक्षा का सवाल है। जब तक दोषियों को फांसी नहीं दी जाती, हम चैन से नहीं बैठेंगे, सड़क से लेकर सदन तक इस बात को बुलंद किया जाएगा।

सदर एसडीओ अशोक कुमार को तत्काल गिरफ्तार करे पुलिस : पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के पूर्व सांसद और सी पी आई के वरिष्ठ नेता भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने अपने आवास पर प्रेस वार्ता आयोजित किया। इस प्रेस वार्ता में सी पी आई एम के के जिला सचिव गणेश कुमार सीटू, सी पी आई के सहायक जिला सचिव निजाम अंसारी, वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू कुमार और खतीयानी परिवार के मोहम्मद हकीम भी शामिल थे। सर्वप्रथम उन्होंने विश्व के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनने के पहले केंद्र सरकार के आर्थिक सलाहकार, योजना आयोग के सदस्य, आरबीआई के गवर्नर रहने के बाद उन्होंने देश के वित्त मंत्री बने और 2004 में वामपंथियों के

सहयोग से बनी सरकार मैं देश के प्रधानमंत्री बने। इस सरकार ने कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत मनरेगा, आरटीआई, फूड सिक्योरिटी एक्ट जिसके तहत आज मोदी सरकार 80 करोड लोगों को फ्री अनाज दे रही हैं, जंगल के जमीन पर बसे आदिवासी और गैर आदिवासी को 10 एकड़ जमीन मिले इसके लिए वन अधिकार अधिनियम और 1894 में बने जमीन अधिग्रहण कानून के बदले नया जमीन अधिग्रहण कानून 2013 बनाया। हजारीबाग शहर में एक बड़ी घटना घटी है हजारीबाग सदर के अनुमंडल अधिकारी के सरकारी आवास में उनकी पत्नी गंभीर रूप से जल गई थाने को बिना सूचना दिए वें अपनी पत्नी को लेकर शहर स्थित आरोग्यम अस्पताल और फिर वहां से बोकारो स्टील सिटी का अस्पताल और फिर वहां से रांची के मेडिका और उसके बाद राँची के ही देव कमल अस्पताल ले गए। इस दरमियान एसडीओ ने कहीं पर भी अपनी पत्नी का बयान पुलिस को दिलवाना उचित नहीं समझे और अंत में 70% जली उनकी पत्नी की मौत अस्पताल में हो जाता है तब राँची पुलिस शव को अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्डम करवाता है। इस मामले को लेकर एसडीओ के साले राजू कुमार गुप्ता ने लोहसिंघना थाना में अपनी बहन की हत्या जलाकर करने का एक केस किया है बावजूद उसके आज तक थाने द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया है। थाने में मामला दर्ज करवाने के लिए भी राजू कुमार गुप्ता को काफी मस्कत करनी पड़ी यहाँ तक कि शव को लेकर थाने के सामने धरना देना पड़ा। सदर एस डी ओ का व्यवहार से ऐसा लगता है कि इन्होंने जानबूझकर अपनी पत्नी को मारने के लिए जला दिया और अपने बचने के लिए इन्होंने बुझाने का नाटक करते हुए अपने हाथ को भी जला लिया। यह बहुत ही खतरनाक बात है और इसका प्रभाव समाज में बहुत ही गलत पड़ेगा।

जमीन विवाद में हमले का आरोप, पीड़ित ने थाना में की शिकायत

बरही : बरही थाना क्षेत्र के कोनरा निवासी सह पत्रकार दयानंद चौरसिया ने जमीन विवाद को लेकर ब्रह्मदेव यादव समेत अन्य 15-20 लोगों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए बरही थाना में आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि वह अपने भाई महेश चौरसिया के साथ अपनी जमीन देखने गए थे, जहां उक्त लोग पोकलेन मशीन से जमीन पर खुदाई शुरू कर दी थी। विरोध करने पर सभी लोगों ने लाठी-डंडों से हमला किया। जिससे मुझे व मेरे परिवार के सदस्यों को गंभीर चोटें आईं है। दयानंद चौरसिया का आरोप है कि ब्रह्मदेव यादव ने जान से मारने की धमकी दी है, सारी घटना को वीडियो में रिकॉर्ड भी किया गया है। पीड़ितों का प्राथमिक उपचार बरही अनुमंडलीय अस्पताल में हुआ, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। पीड़ित पत्रकार दयानंद चौरसिया ने न्याय की मांग करते हुए उक्त लोगों पर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसियों ने जताया शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में महान अर्थशास्त्री तथा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने की। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने अपना गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत गणराज्य के 13 वें प्रधानमंत्री थे। लोकसभा 2009 चुनाव में मिली जीत के बाद वे जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिनको पांच वर्षों का कार्यकाल सफलतापूर्वक करने के बाद लगातार दुसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। इन्हें 21 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्तमंत्री की जिम्मेवारी मिली जो उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और एतिहासिक सुधारों के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी ये उनके योगदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा। उन्होंने कहा कि डॉ.मनमोहन सिंह एक शिक्षाविद, कुशल प्रशासक और विनम्र व्यक्तित्त्व के धनी थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण की अद्भुत मिशाल है। उनके निधन से कांग्रेस की जो क्षति हुई है जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नही। शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति तथा इस कठीन घड़ी मे इनके परिजनों को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। दिनांक : 02 जनवरी को डॉ. मनमोहन सिंह जी के आत्मा की शांति के लिए सर्वधर्म सभा का आयोजन जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ में किया जाएगा।

बिजली विभाग ने हाईवा मालिक पर लगाया आर्थिक जुर्माना, थाने में मामला दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : होरम गांव में हाईवा वाहन के चालक ने 26 दिसंबर लगभग 11:50 बजे रात्रि को 58 पोल और तीन ट्रांसफार्मर तथा कई पेड़ को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसे लेकर बड़का गांव बिजली विभाग के कनीय अभियंता प्रभास कुमार ने बड़कागांव थाने में आवेदन देकर वाहन मालिक के ऊपर केस दर्ज कराई है। भारी नुकसान को देखते हुए बिजली विभाग ने वाहन मालिक के ऊपर 894540 का आर्थिक जुर्माना लगाया है। होरम गांव में पिछले चार दिनों से बिजली बाधित है। हालांकि बिजली विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य किया जा रहा है। आगामी नए वर्ष को देखते हुए बिजली विभाग ने जोर-शोर से काम कर रही है।संभवत आज सोमवार

शाम तक गांव में बिजली बहाल हो सकती है। बिजली विभाग के कनीय अभियंता प्रभास कुमार ने बताया कि हाईवा वाहन जेएच 02 एवी - 3217 के मालिक के ऊपर बड़कागांव थाने में केस दर्ज कराया गया है। 894540 का आर्थिक जुमार्ना लगाया गया है। जोर-शोर से बिजली मरम्मती कार्य किया जा रहा है। संभवत आज शाम तक होरम गांव में पूर्ण रूप से बिजली पहुंचाने का प्रयास रहेगा।

कांग्रेस पार्टी का आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत ही पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी : कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को हजारीबाग प्रवास के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने सौल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और स्थानीय नेताओं से संवाद करते हुए संगठन को सशक्त बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत ही पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले

जाएगी। जबकि मुन्ना सिंह ने इस मुलाकात को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि इस तरह की बैठकों से कार्यकताओं में नया उत्साह आता है और संगठनात्मक एकता को बल मिलता है। भेंट के बाद मुन्ना सिंह और प्रदेश अध्यक्ष डुमरोन पंचायत स्थित डुमरोन गांव पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस की प्रदेश ओबीसी मोर्चा की प्रदेश सचिव रेणु देवी के दादा ससुर के दौवादशा कार्यक्रम में शिरकत की और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। इसके बाद वे चंम्पा नगर पंचायत के तिलरा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने इंटक के जिला अध्यक्ष अनिल उपाध्याय के पिता के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाग लिया और परिवार को सांत्वना दी। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकताओं के साथ मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मौके पर मुख्य रूप से हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक, रियाज अहमद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश सिंह शाशी मोहन सिंह, महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, ठरवक जिला अध्यक्ष अभिषेक राज, युवा कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता रितेश, तिवारी, कटकमदाग प्रखंड प्रमुख कुमारी विनिता, उप प्रमुख रविकांत सिंह, सदर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि गणेश मेहता, चानो मुखिया पप्पू यादव नरसिंह प्रजापति, सरजु यादव, सखिया मुखिया इम्तियाज, रविन्द्र कुशवाहा, गोवर्धन गंझु, सरपंच मुकेश कुमार सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

सांसद प्रतिनिधि ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

बड़कागांव : सांसद प्रतिनिधि अनिल मिश्रा ने बड़कागांव प्रखंड के सांढ पंचायत अंतर्गत नदिया पार संडही गढ्डा में ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया। किसानों व कार्यकताओं की मांग पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी के संयुक्त प्रयास से उपलब्ध करवाया गया। उद्घाटन के बाद मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र में जितने भी समस्याएं हैं उसके समाधान के लिए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल सदैव तत्पर है जिसको लेकर आप कभी भी समस्याओं से अवगत करा सकते हैं। उक्त ट्रांसफार्मर से सांढ, होरम, शिवाडीह गांव के सैकड़ों किसान लाभान्वित होते है। मौके पर मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, जयनारायण प्रसाद, कैलाश साव, उमेश दांगी, पूर्व मुखिया कार्तिक महतो, राजू रंजन, कृत्यानंद महतो, दीपक कुमार, जीतन साव, पपू कुमार रंजन, करम महतो, जुगल महतो, नाथू महतो, सुबासो देवी, पुष्पादेवी, मालो देवी समेत दर्जनों महिला-पुरुष मौजूद थे।

खनन विस्थापित ग्राम विकास समिति की हुई बैठक

बड़कागांव: बड़कागांव लंगातु गांव के अन्नपूर्णा मंदिर के सामने खनन विस्थापित ग्राम विकास समिति की बैठक की गई। बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता गोविंद महतो व संचालन रामचंद्र साव ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से निम्न बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया प्रथम बिंदु प्रदूषण भत्ता मिलना चाहिए, द्वितीय कट अप डेट, तृतीय लोकल लोगों के माध्यम से ट्रांसपोर्टिंग किया जाए। और स्थानीय विस्थापित प्रभावित लोगों को रोजगार से जोड़ा जाए हर गांव में ग्राम सभा करके विस्थापन प्रक्रिया किया जाए। साथ में विस्थापन कार्ड भी दिया जाए। बैठक में मुख्य रूप से बरकत अली, बलदेव महतो, अनवर अली, पदुम साव, साबिर अली, सोनू कुमार साव, विनोद कुमार, हरदयाल राम, तारकेश्वर महतो, गोदनाथ महतो, कार्तिक महतो, रामेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, शंकर कुमार, वीरेंद्र ओझा, मनोज शाह, निर्मल शाह, बैजनाथ शाह, श्याम महतो, प्रकाश साव एवं विभिन्न गांव से सैकड़ो विलेज मोबिलाइजर उपस्थित थे।

सुख दुःख के साथी हैं मनोज यादव : उदय राणा

चौपारण : प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा ने ग्राम गंगाआहार में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। राणा ने कहा कि बढ़ते ठंड को देखते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव के द्वारा जरूरतमंदों के लिए कंबल उपलब्ध कराया गया था। मालूम हो कि बीते कुछ दिन पूर्व ही गंगाआहार में ठंड और बीमारी से अलग अलग परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। सूचना पाकर शनिवार को गंगाआहार पहुँचे विधायक ने शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना प्रकट की थी और कंबल देने की बात कही थी। उदय राणा ने कहा कि मनोज यादव सुख दु:ख के साथी है। वे हमेशा जनता से जुड़े रहे है। इधर कंबल पाकर ग्रामीणों में खुशी की लहर थी। मौके पर प्रभु चद्रवंशी, रमेश भुइँया, कपील साव, लालजी साव, महेश भुईया, प्रदीप राम, ललित भुईया सहित अन्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

सिकरी में मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

बड़कागांव : सिकरी शिव मंदिर निर्माण हेतु सिकरी के ग्रामीणों की एक आम बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता कैलाश पांडेय व संचालन फुलचंद् गिरी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य मंदिर के कार्य की प्रगति को बढ़ाने व मंदिर के छत की ढलाई जल्द से जल्द पूरी करने के उद्देश्य से किया गया। साथ ही मंदिर निर्माण के लिए एक कमेटी का निर्माण किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए बसंत नारायण सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए कैलाश पांडेय, भोला महतो, बंसी राम, संतोष कुमार, नारायण महतो, सचिव पद के लिए फूलचंद गिरी, उपसचिव पद के चंद्रनाथ महतो, रमेश कुमार, धनेश्वर राम, अनुज राम, तुलसी राणा, कोषाध्यक्ष पद के लिए अशोक गुप्ता, उपकोषाध्यक्ष पद के लिए शंकर गुप्ता, राजेश गुप्ता, पृथ्वीराज व नरेश गुप्ता, संयोजक पद के लिए स्वरूप नारायण सिंह, सत्येंद्र पासवान बजरंग गुप्ता व नरेश गुप्ता, मीडिया प्रभारी अशोक शर्मा, हरिश्चंद्र प्रसाद, अरुण गुप्ता संरक्षक पद के लिए प्रभु महतो, जय नारायण सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह, कृष्ण सिंह, महावीर साव, रामप्रसाद महतो, संजय सिंह, अर्जुन पांडेय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

गरजामु में 25 लाभुकों के बीच कंबल वितरित पूर्व जिप प्रतिनिधि मो कयूम हुए शामिल

बरही : बरही डपोक पंचायत के ग्राम गरजामु में पंचायत समिति सदस्य आयशा खातून के नेतृत्व में सरकार की ओर से 25 जरूरतमंद लाभुकों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष सह पूर्व जीप सदस्य मो. कयूम, रमजान अंसारी, हनीफ मियां, अफजल अंसारी, धुपाल दास, और गुडान दास उपस्थित रहे। मोहम्मद कयूम ने इस अवसर पर कहा कि सरकार की इस पहल का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में कंबल वितरण से जरूरतमंदों को राहत मिलेगी और ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। कंबल वितरण में लाभ पाने वालों में कुंजिल रविदास, मसोमात पार्वती, मसोमात देवली, तेजनी मसोमात, सुकनी मसोमात, राधिया मसोमात, मूर्ति मसोमात, रोहणी मसोमात, विष्णी मसोमात, जब्बार मियां, बांधनी मसोमात, वोगनी मसोमात, पचीया मसोमात, चमेली मसोमात, सफीना खातून, आमना खातून, मेहरून खातून, लीला मसोमात, नसीबन खातून, सालेहा खातून, और बसरली मियां सहित अन्य जरूरतमंद शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने इस प्रयास की सराहना की और समाज के प्रति पंचायत समिति की सक्रियता को महत्वपूर्ण बताया।

एसडीओ ने ही जलाया पत्नी अनिता को : बीपी मेहता

हजारीबाग : हजारीबाग एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी की मौत के मामला अब और तूल पकड़ने लगा है। इस संबंध में हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने रविवार को पत्रकारों बातचीत करते हुए हुए कहा कि एसडीओ ही अपनी पत्नी को जलाकर मारा है। यदि खुद जलती तो एसडीओ अशोक परिजनों को इसकी जानकारी देता। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं सबसे पहले आरोग्यम अस्पताल हजारीबाग, उसके बाद बोकारो, फिर मेदांता रांची तब जाकर देवकमल में भर्ती कराया। पत्नी के जल जाने की खबर ना हजारीबाग, ना बोकारो और ना रांची में किसी अधिकारी को दी। इससे साफ जाहिर होता है कि एसडीओ ही अपनी पत्नी को जलाकर मार दिया है। मेहता ने यह भी कहा कि घटना के दो दिन पूर्व एसडीओ दोनों बच्चों को अपने घर भेज दिया था। तब जाकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना के बारे यह भी कहा कि यदि इस तरह की घटना आम लोगों के जरिये किया जाता तो उसे प्रशासन के जरिये करवाई तुरंत कर दिया जाता है। लेकिन एसडीओ के कारण अब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं मैं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूं कि पत्नी के हत्यारे एसडीओ की अभिलंब गिरफ्तारी हो और उसे जेल भेज दिया जाए। साथ ही साथ हजारीबाग एसपी से भी एसडीओ की गिरफ्तारी की मांग मेहता ने की है। मौके पर गणेश वर्मा ,निजाम अंसारी और मो हकीम सहित कई मौजूद थे।

ट्रक अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराया तीन घायल

कोडरमा : कोडरमा थाना के कोडरमा घाटी में रविवार की सुबह छड़ लदे एक ट्रक के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से ट्रक का चालक, उपचालक और ट्रक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार छड़ लोड ट्रक बंगाल से उत्तर प्रदेश के बलिया जा रहा था। इस दौरान ट्रक कोडरमा घाटी नौवा माइल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बिहार के गोपालगंज निवासी चंद्र मोहन कुमार (20), सलमान खान (30) और सफी आलम (25) घायल हो गए। जिन्हें पेट्रोलिंग पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

तिलकुट की सौंधी खुशबू से महकने लगा बाजार

हजारीबाग : तिलकुट की सौंधी खुशबू से पूरा शहर महकने लगा है। मकर संक्राति के नजदीक आते ही ठंड में भी तिलकुट का बाजार गर्म है। बिहार के कारीगरों के जरिए तिलकुट तैयार किया जा रहा है। इन दिनों यहां के बाजारों में तिलकुट की सौंधी खुशबू से वातावरण महक उठा है। मेन रोड, इन्द्रपुरी चौक, कल्लू चौक सहित कई स्थानों में तिलकुट बनाने का काम किया जा रहा है। दरअसल मकर संक्राति पर चूड़ा - दही के साथ तिल खाने की परंपरा है। ऐसे में हर सनातन धर्म के लोग यहां संक्राति को लेकर तिलकुट की खरीदारी करते हैं। तिलकुट व्यापारी मानकी साव ने बताया कि यहां तिलकुट की थोक और खुदरा का व्यापार किया जाता है। 175 रुपए से लेकर पांच सौ रुपए तक का तिलकुट उपलब्ध है। हर साल की तरह इस बार भी शुगर के मरीजों को ख्याल में रखते हुए शुगर फ्री तिलकुट बनाया गया है। तिलकुट के अलावे बादाम पट्टी, लड्डू बादाम भी उपलब्ध है। हमारे दुकान की तिलकुट चतरा, सिमरिया, कोडरमा, बडकागांव सहित कई क्षेत्रों में बिक्री की जाती है। यहां हॉलसेल से लेकर रिटेल तक की सुविधा उपलब्ध है।

एक नजर

अमन गिरोह के मयंक ने भारतमाला प्रोजेक्ट पर गोलीबारी की ली जिम्मेदारी

रांची : अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने भारतमाला प्रोजेक्ट पर शनिवार दोपहर को हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि बर्बरीक प्रोजेक्ट में जो घटना हुई है, वह उसने कराया है। कंपनी को उसकी ये आखिरी चेतावनी है। कंपनी को क्या लगता है, उसको बिना मैनेज किए आप काम करके नहीं निकल पायेंगे। मयंक सिंह ने लिखा है कि हमको इग्नोर किये। इसलिए आज आपके कान का पर्दा खोलने के लिए दिवाली मनाये हैं। अगली बार होली खेलेंगे, वो भी खून की। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र स्थित गोला-चारु पथ के बरियातू के समीप शनिवार दोपहर आपराधिक गैंग ने पांच राउंड फायरिंग की थी।

जेएमएम ने 8 कार्यकर्ताओं को 6 सालों के लिए पार्टी से किया निष्कासित

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पूर्वी सिंहभूम ज़िला के 8 जेएमएम कार्यकर्ता पर कार्रवाई करते हुए 6 सालों के लिए निष्कासित किया है। इनपर आरोप लगा है कि इन लोगों ने लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी काम किया है। जिन लोगों पर कार्रवाई हुई है उनमें निम्न लोग शामिल हैं कालू गोराई, पूर्वी सिंहभूम, राज लकड़ा, पूर्वी सिंहभूम, अरविन्द कुमार, पूर्वी सिंहभूम, सूरज गौड, पूर्वी सिंहभूम, अमृत प्रसाद श्रीवास्तव, पूर्वी सिंहभूम, सोनु सिंह, पूर्वी सिंहभूम, दान्दु राम बेसरा, पूर्वी सिंहभूम, बैजनाथ सोरेन, पूर्वी सिंहभूम ।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने 140 जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तृतीय चरण में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर, पुंदाग में 140 असहाय, निर्धन एवं जरूरतमंदों के बीच ठंड से राहत के लिए कंबल बांटे गये। इस अवसर पर रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री विनोद कुमार जैन ने कहा कि सर्दी के मौसम में गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करने से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य का कार्य नहीं है। कहा कि संस्था जरूरतमंदों को राहत दिलाने में सदैव तत्पर रहती है। मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि सम्मेलन द्वारा निरंतर जन सेवा के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। मौके पर जिला मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष पवन पोद्दार, विनोद जैन, सुरेश अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, विजय अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, ललित पोद्दार, अजय डीडवानिया अशोक लाठ, प्रदीप बाजोरिया, सुनील पोद्दार, मीना अग्रवाल समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

प्रदीप वर्मा भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी नियुक्त

रांची: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने झारखंड के चुनाव अधिकारी और सह चुनाव अधिकारी की घोषणा की है। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा को झारखंड का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है जबकि प्रदेश मंत्री गणेश मिश्र, सुनीता सिंह एवं दुर्गा मरांडी को सह चुनाव अधिकारी बनाया गया है। इस संबंध में रविवार को पत्र जारी किया किया गया है।

खादी मेले के दसवें दिन 24 हजार लोगों ने लिया महोत्सव का आनंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव के दसवें दिन लगभग 21 हजार टिकट बिके। मेले में 24 हजार से अधिक लोगों ने महोत्सव का आनंद लिया। हालांकि पूर्व निर्धारित प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित रहे, फिर भी आगंतुकों का उत्साह कम नहीं हुआ। रविवार को एनसीसी के 2 झारखंड एयर विंग कैडेट्स ने महोत्सव का भ्रमण किया. वे कोकून से रेशम, लाह से चूड़ियां, पुनी से सूती वस्त्र और मिट्टी से बर्तन बनाने की जीवंत प्रदर्शनी देखकर अभिभूत हुए। साबरमती आश्रम का मॉडल रहा आकर्षण का केंद्र साबरमती आश्रम का मॉडल भी आकर्षण का केंद्र रहा। हस्तकरघा रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशालय के स्टॉल पर भागलपुर, असम, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के हैंडलूम कपड़े और ब्लॉक प्रिंटिंग की साड़ियों, सूटों, दुपट्टों और फैब्रिक्स की भारी मांग रही. झारखंड माटी कला बोर्ड के स्टॉल पर मिट्टी के आकर्षक बर्तन, टेराकोटा ज्वैलरी और हैंगिंग बेल लोगों को खूब पसंद आए। महोत्सव में बुजुर्गों के लिए मुफ्त ई-रिक्शा और छोटे बच्चों के लिए बेबी फीडिंग रूम की व्यवस्था की लोगों को पसंद आई। महोत्सव परिसर में चलंत एटीएम भी उपलब्ध था। सुरक्षा के लिए मेला परिसर को कैमरे की निगरानी में रखा गया है। सुरक्षाकर्मी मेले की सुरक्षा को लेकर मुस्तैद दिखें।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने पत्नी संग की मां दिउड़ी की पूजा-अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास मंत्री, तकनीकी शिक्षा, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने आज अपनी धर्मपत्नी के साथ ऐतिहासिक मां दिउड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विकास कुमार मुंडा भी मौजूद रहे। इस दौरान मंत्री ने मां दिउड़ी से झारखंड की उन्नति, समृद्धि और शांति के लिए आशीर्वाद मांगा। इस पवित्र अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।राज्य की समृद्धि और जनता के कल्याण के लिए मांगा आशीर्वाद मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि मां दिउड़ी से जुड़ा हर क्षण अत्यंत पवित्र और प्रेरणादायक होता है। झारखंड की समृद्धि और जनता के कल्याण के लिए मां का आशीर्वाद सदैव मार्गदर्शक रहेगा। वहीं, इस मौके पर स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा ने भी राज्य की तरक्की के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।बता दें कि पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर प्रबंधन ने अतिथियों का स्वागत किया और मंदिर के विकास संबंधी योजनाओं पर चर्चा की। इस धार्मिक यात्रा ने क्षेत्रीय जनता के साथ जनप्रतिनिधियों के संबंधों को और मजबूत किया। मंदिर के पुजारी मनोज पंडा ने पूरे विधि विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराया। नये साल के पूर्व और रविवार की छुट्टी होने के कारण आज मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ है।

पुलिस ने नशे के धंधेबाजों पर की कार्रवाई, ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के लाह कोठी अमरूद बगान मैदान के पास अवैध नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री हो रही है। इसकी जानकारी ररढ ने सिटी रढ को दी। जिसके बाद कोतवाली ऊरढ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। मिली जानकारी के आधार पर गठित टीम ने लाह कोठी अमरूद बगान के पास छापेमारी की। ऐसे में पुलिस बल को देख कर कुछ लोग भागने लगे। इनमें से 2 लोगों को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस द्वारा पकड़े गए व्यक्तियों में बाबा हॉस्पीटल गली रातू रोड के बुढी सेन्टर गली निवासी विक्रम यादव के 19 वर्षीय पुत्र हिमांशु यादव उर्फ लालु यादव और चुड़ी सेन्टर गली के रहने वाले 21 वर्षीय सुशान्त यादव उर्फ विक्की यादव शामिल हैं। पुलिस ने पकड़े गए युवकों की तलाशी ली। पुलिस को इस तलाशी में हिमांशु के पास से 01 प्लास्टिक के पुड़िया में सिल्वर फाईल में लपेटा हुआ कुल 11 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया, जिसका वजन करीब 1.20 ग्राम है। इसके अलावा हिमांशु के पास से पुलिस ने लोहा का देशी पिस्तौल, 1300 नकद और एक नीले रंग का रियलमी कंपनी का स्मार्टफोन बरामद किया है। वहीं, पुलिस को पकड़ाये एक अन्य व्यक्ति सुशान्त यादव से 01 प्लास्टिक की पुड़िया में सिल्वर फाईल में लपेटा हुआ 9 पुडिया ब्राउन शुगर मिला है, जिसका वजन करीब 0.70 ग्राम है। पुलिस की पकड़ में दोनों आरोपियों ने जब्त किये गये पुड़िया में नशीला पदार्थ ब्राउन शुगर होने की बात स्वीकारी है। उन्होंने बताया कि वो ब्राउन शुगर को किसी भाभीजी से सासाराम से खरीद-बिक्री करने का काम किया करते थे। इस सबंध में दोनों युवकों पर सुखदेवनगर थाना में आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज की है और मामले की जांच की जा रही है।

छात्रवृत्ति और राशन पर बाबूलाल ने सरकार को घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बच्चों की छात्रवृत्ति और गरीबों के राशन मामले पर राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट साझा किया है। बाबूलाल मरांडी ने अपने पोस्ट में लिखा है कि झारखंड में 34 लाख दलित, आदिवासी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति पिछले 9 महीनों से नहीं मिली है। इससे लाखों बच्चों की पढ़ाई पर संकट मंडरा रहा है। साथ ही ग्रीन राशनकार्ड धारकों का अनाज 7 महीने से बकाया है, जिससे गरीब परिवार भूखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं। बाबूलाल ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, राज्य सरकार मंईयां सम्मान योजना के भुगतान के लिए बच्चों की छात्रवृत्ति, बुजुर्गों की पेंशन और गरीबों के राशन जैसी बुनियादी सुविधाओं को छीनने पर मजबूर हो गई है। दूसरी ओर, विभागों की राशि सरेंडर करा कर विकास योजनाओं को रोक दिया गया है, जिससे राज्य में विकास की गति पूरी तरह ठहर गई है। इस दौरान बाबूलाल ने कहा कि यह मुख्यमंत्री के आर्थिक कुप्रबंधन और प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है, जो झारखंड के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। समाज के एक वर्ग को संतुष्ट करने के लिए बाकी सारे वर्ग के अधिकारों की बलि चढ़ा देना कतई उचित नहीं है। उन्होंने सीएम से बच्चों की छात्रवृत्ति और गरीबों के राशन का ससमय भुगतान सुनिश्चित करें।

समाज को दिशा देती है पत्रकारिता : बैजनाथ मिश्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जिस तरह दधिचि ने अपनी हड्डी का दान कर अपने राज की रक्षा की थी, उसी तरह पत्रकार अपना सर्वस्व देकर समाज को दिशा दिखाने का काम करते हैं। ऐसे पत्रकारों का सम्मान समाज का सम्मान होगा। यह कहना था वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व सूचना आयुक्त बैजनाथ मिश्र का। आज रांची प्रेस क्लब में झारखंड जर्नलिज्म अवाड्र्स 2024 की घोषणा करते हुए उन्होंने उक्त बातें कही। उन्होंने बताया कि झारखंड बनने के बाद पहली बार रांची प्रेस क्लब और आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के तत्वावधान में झारखंड जर्नलिज्म अवाड्र्स देने का निर्णय लिया गया है, जो सराहनीय है। तीन कैटेगरी में दिया जाएगा पत्रकार सम्मान रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने बताया कि कुल तीन कैटेगरी- लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, बेस्ट रिपोर्टर अवार्ड और बेस्ट फोटोग्राफी अवार्ड दिया जाएगा। जूरी मेंबर रिटायर्ड आईएएस रणेंद्र कुमार ने कहा कि पूरी पारदर्शिता से चयन किया जाएगा। आरबीएस वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष नित्यानंद शुक्ला ने बताया कि पत्रकारों का सम्मान कार्यक्रम से जुड़कर ट्रस्ट आह्लादित है।

15 जनवरी तक कर सकते हैं नॉमिनेशन

प्रेस क्लब के सचिव अमरकांत ने बताया कि झारखंड जर्नलिज्म अवाड्र्स के लिए आज से 15 जनवरी तक रांची प्रेस क्लब में नॉमिनेशन किया जा सकता है। तीनों अलग-अलग कैटेगरी के लिए अलग-अलग आवेदन जमा करने होंगे। आवेदन का प्रारुप रांची प्रेस क्लब के वेबसाइट से डाऊनलोड कर सकते हैं या रांची प्रेस क्लब से हासिल किया जा सकता है।

नए साल में अपने दुर्गुणों पर विजय पाने का लें संकल्प : पवित्रानन्द

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के योगदा सत्संग आश्रम में वर्ष के अंतिम रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए स्वामी पवित्रानन्द ने योगदा भक्तों से कहा कि जीवन एक यात्रा है और इस यात्रा में नया वर्ष हमारे लिए एक नया अवसर लेकर आता है। यह नये अवसर को पाकर हम अपने जीवन यात्रा को और बेहतर बना सकते हैं तथा स्वयं को जागृत कर उस ब्रह्मांड के सार को जान सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत में पड़ कर कभी वर्तमान को न भूलें। वर्तमान ईश्वर के द्वारा दिया गया अनमोल उपहार हैं। जिसका हम फायदा उठाकर बेहतर स्थिति में आ सकते हैं अर्थात ईश्वर को पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ईश्वर प्राप्ति में हमारे गुरु परमहंस योगानन्द जी हमें बेहतर स्थिति में लाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। जब माया हमें प्रभाव में लेने की कोशिश करती हैं तो उस माया से बचाने का काम अपने गुरुजी का ही हैं। इसलिए हमें अपने गुरु से सदैव प्रेम करना सीखना चाहिए। हम बेहतर स्थिति में हो, इसके लिए हमें गुरु के प्रति प्रेम व भक्ति हर हाल मे रखनी होगी। उन्होंने कहा कि जब गुरु जी का जन्मदिन आता हैं तो आपने देखा होगा कि हर भक्त अपने-अपने ढंग से गुरु के प्रति प्रेम प्रदर्शित करता हैं। वो अपने-अपने तरीके से गुरु को प्रसन्न करने के लिए नाना प्रकार के फल-फूल और उपहार गुरु को समर्पित करते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि गुरुजी को इन सभी से अलग आपके अंदर जो छुपी बुराई हैं, जो पाप हैं। वो उन्हें चाहिए, ताकि वे अपने प्रभाव से आपके अंदर छुपी बुराई और पाप को भस्मीभूत कर दें और आपको रत्नाकर से वाल्मीकि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा दें। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने तो हम सब से वादा किया है कि जो कोई भी योगदा के पाठ को पढ़ेगा और उसी प्रकार जीवन यात्रा जारी रखेगा, वे उसके हर समस्याओं का निदान करेंगे। उसके ईश्वर पाने की जो लालसा है। उसे पूरी करने में उसकी मदद करेंगे। बशर्ते उसकी ध्यान व साधना में कोई रुकावट न हो, वह इसका अभ्यास करना कभी नहीं छोड़ें। पवित्रानन्द ने कहा कि जो भी कोई ध्यान व साधना को नहीं छोड़ता, वो धीरे-धीरे स्वतः परमहंस योगानन्द जी की सहायता से ईश्वर के निकट चला जाता है। जो क्रियावान हैं, उनके लिए तो यह कार्य सहज व सरल है। क्योंकि क्रिया योग से ईश्वरीय चेतना को पाना बहुत ही आसान है। उन्होंने कहा कि एक बार जब वे योगदा आश्रम में टहल रहे थे। तभी एक युवा ने हमसे आकर पूछा कि क्या आप हर प्रकार से मुक्त हो चुके हैं। उसके इस प्रश्न से वे हतप्रभ रह गये। क्योंकि हर प्रकार से मुक्त हो जाना इतना आसान नहीं, जितना समझा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले अपनी सोच को ठीक करना पड़ता है। अपने दृष्टिकोण को बदलना होता है। अगर दृष्टिकोण गलत हैं तो फिर ईश्वरीय चेतना से आप दूर हो गये, माया आपको प्रभाव में ले लेगी। लेकिन अगर आपका दृष्टिकोण सही हैं तो फिर आप ईश्वरीय चेतना से ओत-प्रोत होते जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए आपको सबसे पहले संकल्पित होना पड़ेगा। बिना संकल्प के कुछ भी संभव नहीं। एक संकल्प आपके जीवन को परिवर्तित कर सकता है। फिर आप इस संकल्प के माध्यम से अगर आप प्रतिदिन ध्यान करना शुरू करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के दलित आदिवासी मूलवासी समाज के साथ धोखा, मुख्यमंत्री संज्ञान लें : विजय शंकर नायक

रांची : रविवार को आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने राज्य मे निर्धारित बजट की राशि कम खर्च किये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही। इन्होने आगे कहा की निर्धारित बजट की राशि का पुरा खर्च नही किया जाना झारखंडी समाज को विकास से दुर रखने की साजिश है। श्री नायक ने उदाहरण देते हुए बताया कि निम्नलिखित विभाग ने आधी भी राशि खर्च नही कि जब 9 माह में खर्च नहीं हुआ तो क्या गारंटी है कि 3 माह में कंडकित पूर्ण बजट की राशि खर्च कर लिया जायेगा।

आदिवासियों की पहचान रुढ़िवादी प्रथा से होती है : संदीप उरांव

रांची: पांचवी अनसूची क्षेत्र में क्रिश्चियन समाज का कोई स्थान नही है। क्योंकि धर्मांतरित ईसाई लोग पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं। ये बात जनजाति सुरक्षा मंच समेत अन्य आदिवासी संगठनों ने रविवार को धुर्वा स्थित सरहुल पूजा स्थल धुमकुड़िया भवन में प्रेस वार्ता में कहा। लोगों ने कहा कि पेसा कानून को पी पेसा कानून बताया जा रहा है। कहा कि आदिवासी समाज को उलझाया जा रहा है। भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। पेसा नियमावली/कानून में बदलाव लाने का प्रयास है। पेसा कानून में पी पेसा कहीं भी जिक्र नहीं है। 24 दिसम्बर को आदिवासी बुद्धिजीवी मंच नहीं बल्कि ईसाई बुद्धिजीवी मंच ने पेसा कानून को लेकर प्रेस वार्ता किया था। जिसमे ईसाई आदिवासी विधायक और मंत्री भी शामिल हुए थे। पेसा कानन को पी पेसा बनाया जा रहा है। जोकि आदिवासी समाज को उलझाने का प्रयास कर रहा है। धर्मांतरित ईसाई पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं। जवजाति सुरक्ष मंच के लोगों ने कहा कि धर्मांतरित ईसाई पेसा कानून से बाहर हो चुके हैं। क्योंकि ये लोग आदिवासी समाज का पंरपरा और संस्कृति को नही मानते हैं। ईसाई मिशनरी चाहता है राज्य में छठी अनुसूची क्षेत्र लागु हो। जो स्वशासी जिला परिषद तथा का प्रावधान है। इसमें निर्वाचन तथा नामांकन के प्रक्रिया से ही चुने जाते हैं। निर्वाचित सदस्यों को आदिवासियों के सामाजिक रीति रिवाज और परंपराओं आदि से संबंधित कानून बनाने का अधिकार है। जबकि पांचवी अनुसूची क्षेत्र में पारंपरिक और रूढ़िवादी व्यवस्था है। जहा पर क्रिश्चियन समाज के लिए स्थान नहीं है। इसलिए ईसाई बुद्धिजीवी मंच छठी अनुसूची को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गया था। जिसे खारिज किया जा चुका है। आदिवासियों की अपनी सांस्कृतिक पहचान है जनजाति सुरक्षा मंच का संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि पंचायत के उपबंध अधिनियम 1996 धारा 4 और में कहा गया है। पंचायत पर जो भी कानून बनाया गया है वह रुढ़िवादी, सामाजिक, धार्मिक प्रथाओं और समुदाय के संसाधनों की परंपरागत प्रबंध पद्धतियों के अनुकूल होगा। प्रत्येक ग्राम सभा जनता की समस्या से अवगत होंगे। आदिवासियों की पहचान परंपराओं और रुढ़िवादी प्रथा से होती है। उनकी अपनी सांस्कृतिक पहचान है। झारखंड पंचायत राज अधिनियम 2001 एवं पेसा 1996 को संवैधानिक वैध मानी गई है। समिति ने कहा है कि चर्च मिशनरी आदिवासी/जनजातियों का हितैषी बनकर आदिवासियो का मूल जड़ और पहचान को समाप्त कर रहा है।

रेखा बहन के सत्संग में जुटे श्रद्धालु

रांची : रविवार को श्री योग वेदांत सेवा समिति और युवा सेवा संघ के तत्वाधान में पूज्य संत श्री आसाराम जी बापू की कृपा पात्र साध्वी शिष्या रेखा बहन का सत्संग डोरंडा शिव मंदिर महावीर मंदिर धर्मशाला में दीप प्रज्वलित के बाद 12 बजे प्रारंभ हुआ। दीप प्रज्वलित श्री योग विधानसभा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी और ऋषि प्रसाद के बिहार झारखंड के संचालक संदीप भाई ने किया। गुरु भाई और बहन रांची के साथ-साथ नगड़ी, खूंटी, जरियागढ़, गोमो, सिमडेगा, धनबाद, हजारीबाग आदि, जगहों से भी लोगों ने हिस्सा लिया। साध्वी रेखा बहन ने गुरु महिमा का बखान वेदों के अनुसार किया उन्होंने कहा की गुरुदेव आज जोधपुर के जेल मंदिर में 13 वर्षों से है। पर भक्तों की श्रद्धा निष्ठा कम नहीं हुई। अलग-अलग जगह की परिक्रमा की चर्चा सभी जानते हैं जैसे पांचकोसी परिक्रमा, नर्मदा परिक्रमा, गोवर्धन की परिक्रमा आदि लेकिन आज कलयुग में जोधपुर जेल मंदिर की परिक्रमा अनूठी है। आसाराम बापू जी के साधक शिष्य भक्ति प्रतिदिन करते हैं। जोधपुर जेल गेट पर दीप आरती, पूजन वर्षों से होते आ रहे हैं। गुरु के प्रति निष्ठा, यही भक्ति की परिभाषा है। मंत्र जप की महिमा सरल शब्दों में साध्वी रेखा बहन ने बताया। भक्तों ने तुलसी पूजन भी की तुलसी पूजन की महिमा के बारे में उन्होंने बताया की हर घर में तुलसी की पूजा होती है। तुलसी की पूजा से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है तुलसी को जल देना, दीपक जलाना, धूप जालना इससे वातावरण में शुद्धता आती है। साथ ही साथ तुलसी की महिमा ऐसी है कि तुलसी संग नारायण भी विराजमान होते हैं। आज के युवाओं बच्चों के लिए उन्होंने कहा की संस्कार परिवार से खत्म हो रहे हैं। लेकिन बापू के भक्त अपने परिवार के लोगों को सुबह उठकर सूर्य नमस्कार, मंत्र जाप, तुलसी पूजन करना इन संस्कारों के बारे में ज्ञान देते हैं।

गुरुसिंह सभा ने डॉ मनमोहन सिंह की याद में की शोकसभा

रांची : मेन रोड स्थित गुरुद्वारा में रविवार को गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा के तत्वावधान पर दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की शोकसभा आयोजित की गई। मुख्य रूप से शामिल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह न केवल एक विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे, बल्कि आज देश में बह रही आर्थिक सुधारों के जनक भी थे। पहले बतौर वित्त मंत्री और उसके बाद प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने देश में गिरती हुई अर्थव्यवस्था को ही नहीं संभाला, बल्कि कई अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार कर नई योजनाएं शुरू की। देश में बढते राजस्व घाटे को उन्होंने रोक कर उसमें नई जान फूंकी। सिख फेडरेशन ने सजाया विशेष दीवान इस अवसर पर झारखंड सिख फेडरेशन की ओर से विशेष दीवान सजाया गया था। धन्यवाद ज्ञापन अल्पसंख्यक आयोग, के उपाध्यक्ष एवं फेडरेशन के महासचिव ज्योति सिंह मथारु ने दिया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मनमोहन सिंह ने सूचना, शिक्षा, भोजन का अधिकार, मनरेगा तथा आधार कार्ड जैसे पांच क्रांतिकारी कार्यक्रम शुरू किया। सभा में गगनदीप सेठी, परमजीत सिंह टिंकू ने भी अपने विचार रखा। संचालन प्रो हरविंदर वीर सिंह ने किया। मौके पर फेडरेशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह धूरा, गोल्डी सिंह, जयदीप चड्ढा, रंजीत सिंह, ऋषि छाबड़ा, त्रिलोचन अकाली, कुलवंत सिंह, राजेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं व अन्य मौजूद थे।

डीएसओ ने चंद्रपुरा के राशन दुकानों का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बार बार राशन कार्डधारियों से प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए रविवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो ने चंद्रपुरा प्रखंड के घटियारी पंचायत के पिपराडीह स्थित जन वितरण प्रणाली दुकान लाइसेंस संख्या 39/84 का औचक निरीक्षण किया। मौके पर बीडीओ एवं सीओ चंद्रपुरा समेत प्रखंड प्रमुख उपस्थित थे। निरीक्षण क्रम में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद द्वारा आवंटन माह का मात्र 302 राशनकार्ड धारियों को ही खाद्यान्न वितरण किया गया था। जबकि, 188 कार्डधारियों का खाद्यान वितरण नहीं किया गया था। बावजूद जविप्र दुकान में मात्र 75 किलो चावल एवं 65 किलो गेंहू ही उपलब्ध था। खाद्यान्न कहां है, इसका जवाब जविप्र डीलर के पुत्र देने में असमर्थ थे। उन्होंने बताया कि दुकान के अलावा अन्यत्र कहीं खाद्यान्न नहीं है। जबकि, तीन घंटे तक चले कार्रवाई में एक बार भी डीलर मो. शमीम अहमद दुकान पर उपस्थित नहीं हुएं। वहीं, कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न वितरण का भी मामला उजागर हुआ। जांच क्रम में टीम ने 36 कार्डधारियों के खाद्यान्न उठाव का जांच किया। जिसमें 9 कार्डधारी ऐसे मिलें, जिन्हें खाद्यान्न वितरण निर्धारित मात्रा से कम किया गया था। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने राशन वितरण में कालाबाजारी को लेकर डिलर की लाइसेंस को अगले आदेश तक के लिए निलंबित करने की कार्रवाई शुरू की है। जांच में मामला प्रकाश में आया कि 15 दिसंबर को खाद्यान्न जविप्र डीलर को उपलब्ध कराया गया है। 20 दिसंबर को डीलर द्वारा प्राप्त किया गया है एवं 23 दिसंबर से वितरण शुरू किया गया है। इस प्रक्रिया में डीलर द्वारा बेवजह विलंब किया गया है, जो गंभीर मामला बनता है। वहीं, दिसंबर माह में हुए आवंटन के विरूद्ध 1190 किलो चावल एवं 745 किलो गेहूं एवं नवंबर माह में आवंटित खाद्यान्न के विरुद्ध 984 किलो चावल एवं 658 किलो गेहूं दुकान में उपलब्ध नहीं मिला। कुल 3,577 किलो खाद्यान्न कालाबाजारी का मामला है। डीएसओ ने मामले में जविप्र डीलर मो. शमीम अहमद के विरूद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए लाइसेंस रद्द करने एवं दूसरे जविप्र से टैग करने का अनुशंसा सीओ सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को करने का निर्देश दिया है। उधर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय समीप प्रखंड स्तरीय गोदाम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्यान्न उठाओं करने वाले वाहनों में लगे जीपीएस की जांच की स्टॉक पंजी का मिलान किया।

एक नजर

नए वर्ष पर पुलिस का स्पेशल ड्राइव, ड्रिंक एंड ड्राइव पर लगेगी रोक

बोकारो : नए वर्ष को लेकर पुलिस प्रशासन ने शहर के कई जगहों पर स्पेशल ड्राइव चलाया। पुलिस ने डरवाने के लिए लाठियां भी चटकाई। पुरे इस अभियान का नेतृत्व सिटी डीएसपी अलोक रंजन ने खुद की। शराब पीने वाले युवाओं बुजुर्गों को हिदायत देते हुए उन्होंने कहा कि सभी से आम जनता को चेतावनी देते हुए कहा कि ड्रिंक एंड ड्राइव ना करें खुले में जो भी शराब का सेवन करते है वो ना करें। उन्होंने कहा की इस तरह के अभियान हमेशा से बोकारो पुलिस चलाते आ रही है और आगे भी जारी रहेगी। खुले में शराब का सेवन गैर कानूनी है। उन्होंने मिडिया के माध्यम से लोगों को मैसेज भी दिया कि वे खुल्ले मे शराब का सेवन ना करें।

विधायक की अमर्यादित भाषा पर पुलिस एसोसिएशन ने जताया रोष

बेरमो : स्थित सीसीएल आवास को लेकर जिस तरह से डुमरी विधायक जयराम महतो ने पुलिस महकमे के साथ अमर्यादित भाषाओं का इस्तेमाल कर अपमान किया गया है इसको लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन बोकारो की शाखा कार्यालय में आहुत बैठक रखी गई जिसमें सचिव अनिल कुमार सिंह ने कहा कि जिस तरह से हमारे पुलिस कर्मी को अपमानित किया गया इससे पुलिस महकमा आहत है मै विधायक जयराम महतो से कहना चाहता हूँ कि वो अपनी भाषा को लेकर खेद प्रकट करे नहीं तो हमलोग पूरे झारखंड स्तर पर हमारा एसोसिएशन आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक

बोकारो : सर्वोदय मंडल के जिला अध्यक्ष अदीप कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनके निधन से देश को हुई अपूर्णीय क्षति की भरपाई नहीं हो सकती है। वे राष्ट्रसेवा व बेदाग राजनीतिक जीवन गांधी जी के मार्गदर्शन पर चलते हुए सदा याद रहेंगे। वे वैश्विक आर्थिक संकट से देश को निकाला जिससे देश के विकास दर को मजबूती मिली। गांधी विचार के अनुरुप ग्रामीण भारत के विकास में खादी एवं ग्रामोद्योग को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने एक बार बिना मांगे सहायता के रूप में सेवाग्राम आश्रम को पांच करोड़ की राशि दी थी परंतु सेवाग्राम आश्रम ने अपनी नीति सरकारी सहायता न लेने की नीति के अनुसार इसे वापस कर दिया। वे आजीवन सत्य, अहिंसा, शांति, सद्भावना, सादगी, इमानदारी पर चलते रहे। शोक व्यक्त करने वालों में सर्वोदय मंडल के जिला मंत्री महावीर कुमार, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मनोज भारतीय, लोक सेवक अरूण किशोर, रमाकांत वर्मा, शिक्षिका अंजली पंडित, विजय कुमार, राजीव भूषण सहाय, अमृत बाउरी, राजेश कुमार आदि शामिल हैं।

सादगी की प्रतिमूर्ति थे मनमोहन सिंह : धर्मवीर

बोकारो : राष्ट्र भक्त समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं कुश्ती संघ के जिला अध्यक्ष धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में आज सेक्टर 5 लाइब्रेरी मैदान में सभी सदस्यों एवं मार्निंग वॉक ग्रुप ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दो मिनट मौन रहकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया इस अवसर पर धर्मवीर सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह जी एक बेहतरीन इंसान थे और बेहद सौम्य शालिन मृदुभाषी तथा बेहद ईमानदार प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने आर्थिक रिफार्म कर भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह किया। एक अर्थशास्त्री के रूप में,एक प्रशासक के रूप में,एक वित्त मंत्री के रूप में,एक राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में उनका जीवन बेहद ईमानदार और गरिमामय निश्कलंक रहा।

विकास एवं समस्याओं पर चैंबर आफ कॉमर्स ने ढुलु महतो को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के तत्वाधान में विकसित बोकारो एक परिचर्चा संगोष्ठी का आयोजन हंस रीजेंसी के सभागार में किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित माननीय ढुलु महतो सांसद धनबाद लोकसभा क्षेत्र ने दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। बोकारो के विकास एवं समस्याओं के विषय में माननीय सांसद को एक ज्ञापन चैंबर की तरफ से संरक्षक संजय बैद ने दिया तथा सांसद महोदय से मांग किया की पूर्व में बोकारो रेलवे स्टेशन पर वाशिंग लाइन कार्यरत थी लेकिन बाद में से तोड़ दिया गया जिसकी वजह से ट्रेनों का विस्तार बोकारो तक नहीं हो पा रहा है। हटिया एवं पुणे एक्सप्रेस हटिया यशवंतपुर एवं हटिया लोकमान्य तिलक का विस्तार बोकारो तक करवाया जाए एवं उनके फेरे में वृद्धि की जाए। चास रेलवे स्टेशन एवम बोकारो इस्पात नगर रेलवे स्टेशन को विकसित कर यहां से पैसेंजर ट्रेन चलवाई जाए। बोकारो में बढ़ते रेलवे यातायात को देखते हुए प्लेटफार्म की संख्या बढ़वाई जाए यात्राओं के सुविधा को देखते हुए बोकारो रेलवे स्टेशन को आद्रा मंडल से हटकर रांची रेलवे मंडल में लाया जाए। अध्यक्ष मनोज चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि चैंबर सिर्फ व्यापारियों की समस्याओं की बात नहीं करता है बल्कि समाज के सभी वर्गों की आवाज उठाता है। बोकारो इस्पात संयंत्र में निर्मित स्टील गाजियाबाद में सस्ता एवं बोकारो मांगा मिलता है जिसके कारण बोकारो में इस्पात आधारित उद्योग स्थापित नहीं हो पा रहा है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाए। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा उत्पादित सेकेंडरी प्रोडक्ट को प्राथमिकता के आधार पर बोकारो जिले के उद्यमीयो को उपलब्ध करवाया जाए।

द्वारिका मेमोरियल में कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : रविवार को द्वारिका मेमोरियल फाउण्डेशन एकेडमी, बिशुनपुर, धनबाद में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद विधायक राज सिन्हा, विशिष्ट अतिथि शामिक कुमार सहायक आयुक्त, डॉ. पी.के. सिंह, प्राध्यापक, आईआईटी आईएसएम धनबाद, निदेशक डॉ. उमेश प्रसाद सिंह, प्राचार्य मदन कुमार सिंह ने प्रदर्शनी का उदघाटन किया। कार्यक्रम की शुरूआत में छोटे बच्चों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। विज्ञान से जुडे गीत पर भी पंचम वर्ग के छात्रों ने अपने मोहक प्रस्तुति दी। विद्यालय के बाल वैज्ञानिकों ने लर्निंग बाय डूइंग क्रिया द्वारा जीवन की समस्या को अपने वर्किंग मॉडल एवं प्रोजेक्ट के द्वारा दिखाया। किसानों की समस्या पर आधारित प्रोजेक्ट किसान मित्र, बोरवेल रेस्क्यू रोबोट, रेलवे स्टेशन प्रोटेक्शन सिस्टम, लाइट कम्यूनिकेशन सिस्टम, ट्रैफिक अलर्ट सिस्टम, सोलर एनर्जी सिस्टम, सेक्यूरिटी एन्ड ऑटोमेशन इलेक्ट्रिकल पोल सेफ्टी, क्रॉप प्रोटक्शन डिवाइस, कैटल रेस्क्यू फॉर्म, वाटर लेवल कन्ट्रोलर, अर्थक्वेक डिटेक्टर डिवाईस, फायर अलार्म इत्यादि कई वर्किंग मॉडल द्वारा बच्चों ने अपनी क्रिएटिविटी एवं इनोवेटिव आईडिया को प्रस्तुत किया। कला प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनाए गये चंद्रयान 3, न्यू पॉलियामेंट हाउस, इंडिया गेट, ताजमहल ,कुतुब मीनार, कोल माइंस, अयोध्या मंदिर, केदारनाथ मंदिर, प्रेम मंदिर ने सभी अभिभावकों एवं अतिथियों को आकर्षित किया। क्राफ्ट संकाय में बच्चों द्वारा बनाए गए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट को अत्यधिक सराहना मिली। मुख्य अतिथि राज सिन्हा ने बच्चों के द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट और मॉडल की प्रशंसा की एवं सभी प्रतिभागियों को ऐसे उत्कृष्ट प्रोजेक्ट के लिए बधाई दी।

रंगदारी नहीं मिलने पर लूट की घटना को दिया था अंजाम, आरोपी गिरफ्तार

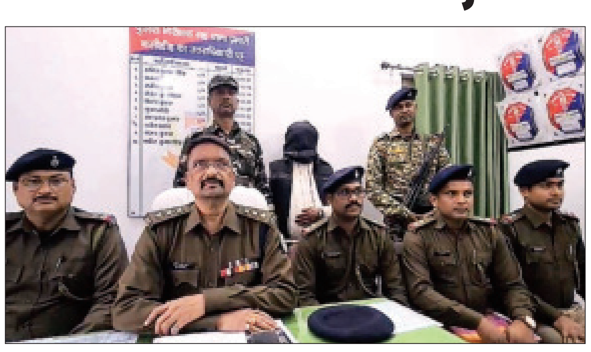

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के बालीडीह पुलिस ने बड़ी कारवाई की है। पुलिस ने लूटे गए 4 टन स्क्रैप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना को रंगदारी नहीं देने के कारण अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार आरोपी का नाम राहुल राज चौधरी उम्र 35 वर्ष सेक्टर 1 बी आवास संख्या 1245 निवासी बताया जा रहा है। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर लिया गया है। इस बाबत मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता ने बताया की मनमोहन को ऑपरेटिव कालोनी निवासी राकेश पांडेय के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया था कि 28 दिसंबर को उनका 407 गाड़ी पर चार टन स्क्रैप लोड किया गया था जिसे दिनदहाड़े लूट लिया गया था।

फैक्ट्री में छुपाकर रखे गए लुटा हुआ स्क्रैप

पुलिस ने त्वरित करवाई करते हुए 407 तो बरामद कर लिया था किंतु लोड स्क्रैप उतार लिए गए थे। अपराधियों ने स्क्रैप को उतारने के बाद सामान को फैक्ट्री में छुपाकर रखा गया था। पुलिस ने कारवाई जारी रखते हुए एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने कारवाई करते आरोपी हुए राहुल राज चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद

इसके साथ ही पुलिस ने घटना में प्रयुक्त अपाची बाइक तथा मोबाइल को भी बरामद कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी ने बताया कि इस घटना को रंगदारी नहीं देने के कारण अंजाम दिया गया था जिसका पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। घटना में शामिल अन्य अपराधियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

चिन्मय विद्यालय के छात्रों की चार्टर्ड एकाउंटेंट में ऐतिहासिक सफलता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो के छात्रों ऋतिक जैन, उमंग बंसल,एवं नेहा बुधिया एवं दीपा रानी ने चार्टड एकाउंट की अत्यंत कठिन परीक्षा को अपने कठिन लगन, मेहनत और एकाग्रता से पास कर ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि ऋतिक जैन, उमंग बंसल एवं नेहा बुधिया ने यह शानदार सफलता प्रथम प्रयास में ही प्राप्त कर लिया। ऋतिक जैन ने 2019 में 95.80 प्रतिशत से, उमंग बंसल ने 2020 में 94.40 प्रतिशत से, नेहा बुधिया ने 2019 में 97.75 प्रतिशत से एवं दीपा रानी ने 2017 में 12वी की परीक्षा 95.8%से पास कर विद्यालय सहित झारखंड का नाम रोशन किया था। ऋतिक,उमंग एवं नेहा बुधिया चार्टड एकाउंट की फाउंडेशन, इंटरमीडिएट एवं फाइनल की परीक्षा प्रथम प्रयास में ही पास के इतिहास रच दिया। ऋतिक जैन, उमंग बंसल, नेहा बुधिया एवं दीपा रानी ने कहा कि चार्टड एकाउंट की परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए एकाग्रता और अनुशासित रूप से लगातार मेहनत करने से ये सफलता हासिल हुई है। विद्यालय सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी सफल छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि जब विद्यार्थी अपनी मेहनत, लगन और एकाग्रता से लगातार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है तो उसे सफल होने से कोई भी रोक सकता है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी। सफल छात्रों ने अपनी इस अनोखी उपलब्धि के लिए अभिभावकों, शिक्षकों एवं अपनी एकाग्रता को दिया।

कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई चौकीदार पद पर नियुक्ति की परीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा रविवार को जिले के खालसा हाई स्कूल बैंक मोड़, डीएवी हाई स्कूल दरी मोहल्ला, डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, अपग्रेडेड हाई स्कूल लोवाडीह, एसएसएनएमएस इंटर कॉलेज सिजुआ, एसएसएलएनटी महिला कॉलेज धनबाद, बीएसएस महिला महाविद्यालय धनबाद, डीएवी पब्लिक स्कूल कोयला नगर, सरस्वती विद्या मंदिर भूली, पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज सरायढेला एवं अभय सुंदरी गर्ल्स स्कूल धनबाद में आयोजित की गई।

परीक्षा संपन्न होने के बाद एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री पीयूष सिन्हा ने कहा कि सभी सेंटरों पर कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा के लिए 5080 में 4517 परीक्षार्थी उपस्थित हुए एवं 563 अनुपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सुबह 9:00 बजे से पुराने समाहरणालय स्थित ट्रेजरी से प्रश्न पत्र लेकर प्रतिनियुक्त टीम अपने-अपने सेंटर के लिए रवाना हुई और समय पर सेंटर पहुंची। परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिका लेकर सभी टीम समाहरणालय पहुंची। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षार्थियों की अच्छे से जांच की गई। उनके एडमिट कार्ड के साथ उनके चेहरे का मिलान किया गया। एडमिट कार्ड एवं कलम के अलावा मोबाइल फोन सहित अन्य सभी प्रतिबंधित वस्तुओं को सेंटर से बाहर रखा गया। डेढ़ घंटे की परीक्षा सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की गई। सभी सेंटरों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट, गश्ती सह उड़न दस्ता दंडाधिकारी के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारियों व पुलिस फोर्स मौजूद रहे। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार के प्रभार में जिला नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहा। कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर परिक्षेत्र में परीक्षा अवधि तक धारा-163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा जारी की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

न डिस्को जाएंगे न क्लब जाएंगे, नया साल हम बाबा के साथ मनाएंगे

धनबाद : नव वर्ष का आगमन जब अपनी जोरो से आगाज दे रहा है, उस समय श्री श्याम मंडल, धोवाटांड़ द्वारा नववर्ष का स्वागत खाटू वाले श्री श्याम प्रभू की पूजा अराधना द्वारा किया जा रहा है। वर्ष के अन्तिम दिन 31 दिसंबर को श्री श्याम प्रभू की किर्तन समिति के सदस्यों द्वारा शाम 7:00 से श्री श्याम प्रभू की ज्योति जलाकर किया जाएगा। भजन संध्या में भजन गायक मुख्य रूप से झरियानिवासी मोनू अग्रवाल, भजन गायक संजय संघई, एवं ताली कीर्तन के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। श्री श्याम प्रभू को रुचि अनुसार छप्पन भोग, खीर-चुरमा भोग, बुंदिया भोग, पेड़ा भोग, तीलकुट भोग आदि नाना प्रकार के व्यन्जनों का भोग लगाया जाएगा, किर्तन के अंत में महाप्रसाद की व्यवस्था है। ईस कार्यक्रम में लगभग 3000 श्याम प्रेमियों का आगमन होगा और नाच-गान के साथ श्याम प्रभू को रिझाया जाएगा। पुनः वर्ष के प्रथम दिन लगभग 800-1000 श्याम प्रेमी अपने हाथों में निशान लेकर प्रातः 6:00 बजे अम्बे विला अपार्टमेंट धोवाटाड़, शास्त्री नगर से श्री श्याम मंदिर झरिया तक पैदल यात्रा करेंगे। रास्ते में जगह-जगह पर निशान यात्रियों के लिए चाय-पानी एवं रुकने की व्यवस्था की गई है। निशान अर्पण पश्चात प्रसाद की व्यवस्था अग्रवाल 'धर्मशाला झरिया में की गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरे धोवाटाड़ समेत पूरे धनबाद के श्याम प्रेमी शामिल है। बैठक में मुख्य रूप से मनमीत सिंह,गौरव गर्ग , विशाल मित्तल, प्रभात सुरोलिया, जितेंद्र अग्रवाल, राजेश केजरीवाल, राकेश केजरीवाल, विकास अग्रवाल,अशोक मित्तल, श्याम शाह, अभिषेक कुमार, सोनू अग्रवाल, अनीश कुमार,गोपाल अग्रवाल,संजय सिंह, जयप्रकाश गोयल, आजाद कृष्ण अग्रवाल,विनोद अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,सिद्धार्थ अग्रवाल इत्यादि लोग मौजूद थे।

बांसजोड़ा के ग्रामीणों ने संवेदक व विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

धनबाद : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद मद से नावागढ़ डीपीएलएम प्लस 2 उच्च विद्यालय परिसर में लाखों रुपये की लागत से कम्प्यूटर कक्ष व प्रयोगशाला भवन के निर्माण कार्य मे बाघमारा जेई का आदेशो का खुला खुलम उलंघन किया जा रहा है। पांच दिन पूर्व ही ग्रामीणों की शिकायत पर जेई राजेश मोहली ने जांच कर बंगला भट्ठा ईटा से बने भवन को हटाकर चिमनी ईटा से निर्माण का निर्देश संवेदक को दिया गया। मगर संवेदक द्वारा खाना पूर्ति कर आदेश का नजर अंदाज किया गया। निगरानी कर रहे बांसजोड़ा ग्रामीणों व विद्यालय प्रबंध समिति सदस्यों ने शुक्रवार को निर्माण कार्य में अनदेखी व घोर अनियमितता के विरोध में प्रदर्शन किया। लोगो ने विभागीय अधिकारी व संवेदक के विरोध में जमकर नारेबाजी की। इस दौगो ने हो रहे निर्माण कार्य पर रोक लगा दिया। प्रदर्शनकारी ग्रामीण मौके पर विभाग के वरीय अधिकारी को बुलाने की मांग कर रहे थे।

वेस्टर्न फॉर्म में मारपीट, पुलिस ने शाहनवाज अहमद को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बोकारो : वेस्टर्न फॉर्म में 27 दिसंबर की रात्रि में अपराधियों द्वारा हुए उत्पात व मारपीट को लेकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयरी के आदेश पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में एसआईटी टीम गठित कर मारपीट में शामिल शाहनवाज अहमद को अभियुक्त बनते हुए आज जेल भेज दिया गया। वही सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि शाहनवाज पहले से 22 मामलों में अभियुक्त है इस पर पहले के केश में सीसीए भी लगाया गया है इस घटना में और भी शामिल अपराधी की खोज पुलिस के द्वारा किया जा रहा है जल्द ही अन्य अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा । वहीं अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा ने कही कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधी शाहनवाज अहमद को गिरफ्तार किया गया है बोकारो के सभी होटल ,रेस्टोरेंट, इवेंट पैलेस पर सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी लगाया जा रहा है ताकि किसी भी तरह का अपराध नहीं हो।

राष्ट्रीय मीडिया नीति बनाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएगा बीएसपीएस : संजय सिंह

बोकारो : भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह ने आज यहां कहाकि देश में एक राष्ट्रीय मीडिया नीति बनाने को लेकर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया और बीएसपीएस द्वारा संयुक्त रूप से केंद्र सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल स्तरीय बातचीत के एजेंडे पर कार्य कर किया जा रहा है। पत्रकार हित में एक समान नीति बनाएं। उन्होंने कस्बाई पत्रकारों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि पत्रकारों की मदद को सरकारों को आगे आना चाहिए, और पत्रकारों को कोऑपरेटिव बना कर जिले स्तर पर आवास देना सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है। श्री सिंह पहली बार झारखंड के बोकारो जिले में बीएसपीएस के महासचिव और अपने साथी जितेन्द्र पांडेय के माता जी के देहावसान के बाद परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे थे। उनके आगमन के पश्चात संघ के राष्ट्रीय सचिव सह झारखंड प्रभारी संतोष पाठक के नेतृत्व में बोकारो जिले के पत्रकारों द्वारा होटल हिलटॉप में स्वागत किया गया। साथ ही आगामी मार्च में रांची में होने वाले बीएसपीएस के राष्ट्रीय महासम्मेलन पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर संघ के महासचिव जितेंद्र पांडे, डॉक्टर संघमिता सिंह, निर्मल महाराज, आशीष सिन्हा, रवि वर्मा ,ओंकार तिवारी, अरविंद कुमार इत्यादि सहित बीएसपीएस से जुड़े पत्रकार मौजूद थे ।

एक नजर

राहे प्रखंड में हथियों का आतंक चरम पर

सिल्ली : शनिवार को राहे प्रखंड के होटलो पंचायत के कापीडीह, चंदनडीह, चिरुड़ीह, कपिडीह, महुवाडीह गांवों में गोविंद कोइरी, कैलाश चंद गंझू, मनसा महतो, पदो महतो, भूता गंझू,राजू महतो, फणीभूषण महतो, हरिपद महतो, रामकृष्ण महतोके खेत में गन्ना, आलू, प्याज, धान समेत कोई प्रकार के फसल को हाथियों के द्वारा को नष्ट और बर्बाद किया गया है। नष्ट फसल का जायजा लेने जिप सदस्य राहें बादल महतो, झमुमो छात्र नेता राजू कुमार, पशुपति अहीर, गौर सिंह लोहरा पहुँचे ओर जायजा लिया साथ ही सबंधित वन विभाग के पदाधिकारी से बात कर जल्द से जल्द मुवावजा देने का आग्रह किया।

बोलेरो की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

चैनपुर: चैनपुर थाना क्षेत्र के सरखी मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा में पैदल चल रहे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान अतिज प्रीतम किंडो पिता अजय किंडो गांव केडेग के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि प्रीतम पैदल चल रहा था तभी तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो ने उन्हें धक्का मार दिया। और वहां से फरार हो गया। इस हादसे में प्रीतम किंडो गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क के किनारे जा गिरा। राहगीरों ने घटना की जानकारी ली और चैनपुर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल प्रीतम किंडो को उठाया और एंबुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल भेजा। पुलिस ने बोलेरो वाहन का पता लगाना शुरू कर दी है और आरोपी बोलेरो के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

बोकलादह मेला समिति की हुई बैठक

मुरी/सिल्ली: बोकलादह मेला को लेकर हरीडीह,हाकेदाग एवं पीपरदाग के ग्रामीणों के बीच रविवार को सुबह 7 बजे मेला को सफल बनाने हेतु लखीचरण बेदिया की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखें तथा मेला का संचालन हेतु सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया गया। मेला का संरक्षक बानेश्वर महतो, अध्यक्ष लखीराम बेदिया, उपाध्यक्ष उपेन बेदिया, कोषाध्यक्ष तारकेश्वर गोराई, उपकोषाध्यक्ष मृत्युंजय बेदिया, सचिव अजय कुमार महतो, उप सचिव अजीत बेदिया को बनाया गया। इस मौके पर गोपाल मंडल, अनुज कुमार महतो, गिरधर महतो, देवचरण गोराई, विश्वनाथ बेदिया, कुलदीप महतो, कपिल साहु, ढाकुरदास बेदिया, लखीदास बेदिया, कामेश्वर बेदिया, धीरेंद्र बेदिया, दीपक महतो, प्रमोद बेदिया, सृष्टि धर महतो,हरे नारायण बेदिया, श्रीपद बेदिया, दीनबंधु महतो, लंबोदर महतो, भुनेश्वर महतो, गुप्तेश्वर महतो समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

सिल्ली पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया

सिल्ली: सिल्ली पुलिस ने रांची पुरुलिया मुख्य मार्ग पर रविवार के दिन थाना के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया। गुजरने वाले दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की इंश्योरेंस, आरसी बुक, ड्राइविंग लाइसेंस एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र की जांच अवर निरीक्षक रवि कुमार वर्मा कर रहे थे। जिन वाहनों का कागजात सही पाया गया उन्हें मौके पर छोड़ दिया गया एवं जिनके कागजात अधूरे पाए गए उनके वाहनों को थाना लाया गया। इस संबंध में सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि अभियान अभी लगातार चलता रहेगा ताकि सड़क दुर्घटना में कमी लाया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील किया कि सभी वाहन मालिक अपने समुचित कागजात साथ लेकर चले एवं वाहन चलाते समय यातायात नियमों का संपूर्ण पालन करें।

झुंड से बिछड़े हाथी ने युवक को सूंड से उठाकर पटका, इलाज के दौरान मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिले के कर्रा प्रखंड में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। देर रात एक हाथी के गांव में घुसने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हाथी ने युवक को सूंड से उठाकर जमीन पर फेंक दिया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान 36 वर्षीय सोहराई उरांव के रूप में की गई, जो छाता पंचायत के केदली गांव का निवासी था। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने तत्काल

परिजनों को 20 हजार रुपये की मदद दी और कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद मुआवजे का वादा किया। जानकारी के अनुसार, कर्रा प्रखंड के विभिन्न गांवों में इन दिनों हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। हालांकि वन विभाग की टीम ने झुंड को कॉरिडोर की दिशा में भेजने में सफलता प्राप्त की है, फिर भी दो से चार हाथी अब भी क्षेत्र में घूम रहे हैं। ये हाथी किसानों के खलिहानों में रखे धान और मडुआ को खा रहे हैं। रात के समय, जब हल्की बारिश हो रही थी, सोहराई उरांव अपने खेत में रखे मडुआ को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल से ढकने गया था। तभी उसका सामना अचानक एक हाथी से हो गया। हाथी ने उसे सूंड से उठाकर जमीन पर पटक दिया और फिर जंगल की ओर भाग गया। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और घायल सोहराई को कर्रा अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

डीडीसी ने सीनियर लीग जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में रविवार से सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्यतिथि डीडीसी सतीश चंद्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब बनाम कंबाइंड इलेवन वन के बीच खेला गया। डीडीसी ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें शुभकामना दी। मौके पर जेएससीए डिस्ट्रिक्ट सब कमिटी चेयरमैन चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, मछुआ सोसाइटी अध्यक्ष अशोक चौधरी, डॉ तुफैल अहमद, जय किशन शर्मा, राकेश गुप्ता, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा व टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा, राकेश रंजन, चंदन, व अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय साहिबगंज में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने किया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उसके बाद सभी कांग्रेसजनों ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से देश ने एक महान अर्थशास्त्री और संवेदनशील नेता को दिया है। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता और नीतियों से भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। बेहद सादगी और

ईमानदारी से देश की सेवा करते हुए अपने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए सूचना का अधिकार, गरीबों को भूखमरी से बचाने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, गरीबों के रोजगार के लिए मनरेगा जैसे कई कानून बनाकर प्रत्येक भारतीयों के जीवन के उत्थान के लिए पूरे समर्पण से कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का व्यक्तित्व, उनका आचरण और उनकी कार्यशैली हमारे लिए हमेशा अनुकरणीय रहेगी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे। शोक सभा में अन्य कई कांग्रेसजनों ने अपनी बात रखी। शोक सभा में मुर्शाद अली, मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, नित्यानंद गुप्ता, सरफराज आलम, अनिल पाण्डे,अजमत हुसैन, महेंद्र पासवान, अली कुरैशी, बीबी नूरजहाँ, जामुन दास, सतीश पासवान, सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिला की मौत के बाद प्रशासन ने पहुंचाया तिरपाल और कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहलः साहिबगंज जिले के राजमहल थाना क्षेत्र की मोकिमपुर पंचायत के चंडीपुर गांव में रविवार की सुबह एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी। परिजनों ने ठंड से मौत होने का दावा किया है। उन्होंने इसकी सूचना अंचल अधिकारी एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों को फोन पर दी। इसके साथ ही लिखित आवेदन अंचल कार्यालय (राजमहल) को दिया गया है। मृतका का नाम पुनिया देवी (35 वर्षीय) है। मृतका के पति राम प्रसाद मंडल दिव्यांग हैं। इस कारण वे कोई कार्य नहीं कर पाते हैं। ऐसे में मृतका ही मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती थी। खाना बनाने के लिए मृतका पुनिया देवी घर के अगल-बगल से लकड़ी चुनकर लायी। खाना बनाने के बाद बच्चों को खिलाकर सुला दी। उसके बाद आधी रात को ठंड से ठिठुरने लगी। सुबह होते-होते उसकी मौत हो गयी। परिजन,

ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधियों ने ठंड से मौत होने का दावा करते हुए प्रशासन को लिखित आवेदन दिया है। करीब 2 बजे अंचल अधिकारी मो यूसुफ पहुंचे और परिजनों से बातचीत की। परिजनों ने कहा कि ठंड से पुनिया देवी की मौत हुई है। सीओ के माध्यम से त्रिपाल और कम्बल मृतका के आश्रितों को दिया गया। मृतका अपने पीछे दिव्यांग पति, दो पुत्र करण कुमार (12 वर्ष) और अर्जुन कुमार (9 वर्ष) एवं पुत्री प्रियंका कुमारी (7 वर्ष) छोड़ गयी है। परिजनों ने मृतका का अंतिम संस्कार कर दिया है। राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के निर्देश पर झामुमो नेता अजय दास और विकास यादव ने मृतका के परिजनों को आर्थिक सहयोग किया। राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा मृतका के परिजनों से मिलने पहुंचे। राज्य सरकार आवास को लेकर ढिंढोरा पीट रही है। लेकिन यहां गरीबों को आवास तक नसीब नहीं है। राजमहल के सीओ मो युसूफ ने कहा कि ठंड से मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। यह डॉक्टर की रिपोर्ट से ही साबित हो सकता है। फिलहाल तिरपाल और कंबल उपलब्ध कराया गया है। आर्थिक मदद भी की गयी है। मृतका के आश्रित को अंबेडकर आवास जल्द ही उपलब्ध कराया जाएगा।

सारण्या फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को दिया मकर त्यौहार का तोहफा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा पंचायत के आगुईडांगरा सामुदायिक भवन परिसर में सारण्या फाउंडेशन जमशेदपुर के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रीय त्यौहार मकर संक्रांति को देखते हुए जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र का वितरण किया। ताकि त्योहार के दिन सभी रंग बिरंगे वस्त्र पहनकर त्यौहार को उल्लास के साथ मना सके। जानकारी देते हुए फाउंडेशन के धवल सेठ ने बताया कि ग्रामीणों के बीच सेवा के भाव से कई स्थानों ने वस्त्र संग्रह करके उसके ठीक ढंग से पेकिंग करवाकर मकर त्यौहार के पहले वितरण किया गया। इस कार्य में संस्था के साथ कई समाजिक कार्यकर्ताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।आगे भी ये अभियान जारी रहेगा। मेडिकल कैंप लगाकर भी ग्रामीणों को सेवा देने का हमारा प्रयास है। ताकि उनके समस्या का ग्राम स्तर पर ही समाधान हो सके। इस दौरान पंचायत के मुखिया परमेश्वर सिंह,ग्राम प्रधान बाघंबर सिंह, खगेन महतो समाजसेवी पूर्ण सिंह, राकेश दास, सूर्या राव,पूर्णेन्दु आचार्य, आशीष कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सोलर पोल चोरी करते दो गिरफ्तार

साहेबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते रात्रि गोड़ाबाड़ी हटिया से सोलर पोल को चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। जिसके आरोप में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 211/24 दिनांक- 29/12 /24 धारा 303(2)/305(ई)/317(2) बीएनएस अंकित करते हुए कांड के प्राथमिक अभियुक्त मो० शाहिद हुसैन पिता मो० सोनी, दिलफराज आलम पिता मो० कौसर सकीम अंजुमन नगर थाना जिरवाबाड़ी जिला साहिबगंज के रहने वाले को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संगम स्थल की प्राकृतिक छटा पर्यटकों को देती है दिली सुकून व खुशी : अंकित कुमार पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : गुमला जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चैनपुर प्रखंड के लावा व शंख नदी का संगम स्थल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस संगम स्थल की प्राकृतिक छटा पर्यटकों को काफी सुकून व खुशी देती है। नववर्ष के आगमन से पूर्व ही शंख नदी में सैलानियों की आवाजाही शुरू हो गई है। सैलानियों की सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस की गश्ती यहां बढ़ा दी गई है। इस पर्यटक स्थल पर सुबह से शाम तक पर्यटक रह सकते हैं लेकिन रात में रुकने की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां निजी वाहन से पहुंचा जा सकता है। गुमला जिला के चैनपुर प्रखंड

अपने प्राकृतिक सौंदर्य और आकर्षक दृश्य वाले पिकनिक स्पॉट के जरिए एक अलग पहचान बनाने लगी है। यहां कई ऐसे मनमोहक पिकनिक स्थल है जो बाहें फैलाकर अपने सैलानियों का स्वागत करती है। इनमें शंख नदी व लावा नदी का संगम स्थल पहले स्थान पर है। यहां की छटा ही निराली है। स्थानीय लोगों की माने तो उक्त संगम स्थल की किवदंती ही कुछ अलग है। कहा जाता है कि अपने समय में राजा और रानी अपने सैनिकों के साथ वनविहार करने के लिए निकले थे। इस दौरान राजा रानी को नौका विहार करने का ख्याल आया। जब वे नौका विहार के समय शंख व लावा नदी के संगम स्थल पर पहुंचे तो नदी में अचानक बाढ़ आ गई और वे लोग डूब गए। काफी खोजबीन के बाद भी राजा रानी का पता नहीं चल सका। परंतु उक्त संगम स्थल पर लगभग 30 से 35 फीट ऊंची पहाड़ की चोटी बन गई। वहीं, नाव के आकार का एक पत्थर भी है। स्थानीय लोगों का मानना है कि 30 से 35 फीट ऊंची पहाड़ की चोटी ही राजा रानी का समाधि स्थल है। इसके अलावा वहां पर कल कल बहती नदी की धारा और घने जंगल भी लोगों को अपनी ओर काफी आकर्षित करती है।दिसम्बर माह से ही सैलानियों का आना जाना लगा रहता है और नए साल के दिन चैनपुर, जारी, गुमला सहित काफी जगहों से हजारों की संख्या में यहां लोग पिकनिक का मजा लेने पहुंचते है।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी गया जेल

सरिया(गिरिडीह) : सरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की नवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा के साथ किए गए दुष्कर्म के मामले में सरिया पुलिस ने आरोपी को गिरिडीह जेल भेज दिया। बताते चलें कि शनिवार की सुबह लगभग 9 :00 बजे उक्त पीड़ित नाबालिग को कथित आरोपी ट्रैक्टर चालक के द्वारा जबरदस्ती सुनसान जंगल में ले जाया गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। विरोध करने पर आरोपी द्वारा नाबालिग के साथ मारपीट भी की गई।इस बीच पीड़िता भाग कर अपने घर आई। जहां घटना की जानकारी परिजनों को दिया गया। इस बीच परिवार के लोग उक्त ट्रैक्टर चालक को पकड़कर सरिया पुलिस को सुपुर्द कर दिए।वहीं पीड़िता के पिताजी के द्वारा सरिया थाना में उक्त आरोपी युवक के विरुद्ध एक आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इस संबंध में सरिया थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन के आलोक में थाना कांड संख्या 235/24 पोक्सो एक्ट 4 /6 बीएनएस की धारा 65 (1) 351 (2) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरिडीह जेल भेज दिया गया।

सऊदी अरब से उमरा हज करके अपने वतन को लौटे जायरीन

मुरी: सिल्ली अजहरी उमरा ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा चार सदस्यों का दल हज उमरा करने सऊदी अरब के मक्का शहर पहुंचे जहां पर सभी हाजियों ने काबा शरीफ की तोवाफ की सफा मरवा का दौड़ लगाया और उमरा मुकम्मल की ।उसके बाद सभी हाजियों ने मक्का शहर के अराफात मैदान की जियारत की उसके बाद सभी हाजी मक्का से मदीना के जियारत के लिए निकले और मदीना शरीफ में अल नबवी में नमाज अदा की जन्नतुल बकि जंग गए बदर की जियारत की। मक्का और मदीना शरीफ में सभी हाजियों ने अपने वतन अपने गांव की खुशहाली के लिए दुआएं की।सभी हाजियों के चेहरे में खुशी से साफ झलक रही थी। मदीना शरीफ से अपने वतन को लौटे सभी हाजी । जद्दा एयरपोर्ट से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली पहुंचे जहां से झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस से सभी हाजी मुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे मुरी स्टेशन पहुंचते ही सभी हाजियों गुलाम सरवर फातिमा बीबी मकसूद आलम वहीदा बेगम को मुरी स्टेशन पर फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत किया गया।

अज्ञात स्कॉर्पियो चालक स्कूटी को धक्का मारकर हुआ फरार

साहिबगंज/तालझारी: राजमहल थाना क्षेत्र के कल्याणचक सबदारा फाटक के समीप एक अज्ञात स्कार्पियो चालक ने स्कूटी चालक को धक्का मार कर फरार हो गया। राजमहल प्रखंड के जदुआ टोली निवासी जोसेफ टुडू अपने दोस्त के साथ कल्याणचक चुड़ा कुटाने मिल आया था। चुड़ा कुटा कर वापस कल्याणचक से तालझारी के रास्ते जदुआ टोली अपने घर जा रहा था की राजमहल थाना क्षेत्र के कल्याणचक फाटक के समीप विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात स्कॉर्पियो चालक ने स्कूटी चालक जोसेफ टुडु 15 और उसका साथी किशुन हेम्ब्रम 16 को जोरदार टक्कर मार कर तीनपहाड़ की ओर फरार हो गया। दुर्घटना के बाद दोनो सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो कर सड़क पर ही गीर गया और स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सुचना सड़क सुरक्षा नेक नागरिक प्रजापति प्रकाश बाबा के द्वारा राजमहल थाना प्रभारी को दी गई। सड़क पर चल रहे राहगीर ने 108 एम्बुलेंस को घटना की सुचना देते हुए सड़क सुरक्षा नेक नागरिक प्रजापति प्रकाश बाबा को दी। घटना की खबर पाते ही बाबा घटनास्थल पर पहुंच, एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक एनएम संगिता कुमारी एवं ड्रेसर रोहित कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया और बाबा के द्वारा परिजन को घटना की सुचना दी गई। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लीए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन को हिदायत भी दिया गया की नाबालिग बच्चे से वाहन चलवाना खतरनाक है और सड़क सुरक्षा नीयमों की अवहेलना है। बाबा ने जोसेफ के मां को दो मोबाइल, स्कूटी का चाभी एवं अन्य सामान जो दुर्घटना स्थल से मिला था दे दिया गया। तालझारी, महराजपुर एवं कल्याणचक की सड़कों में दिसंबर महीने में दुर्घटना ज्यादा हुई है। दुर्घटना का मुख्य कारण नशे में गाड़ी चलाना है।

सीनियर जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 90 रनों से दर्ज की जीत

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में कंबाइंड इलेवन वन ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। वहीं नार्थ कॉलोनी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 .4 ओवर में 228 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सौरभ कुमार ने 37, मतीउर रहमान अजहर ने 24, आनंद मोहन ने 22 व सतीश कुमार हरिजन ने 85 रनों की पारी खेली। कंबाइंड के इलेवन वन के गेंदबाज शहादत शेख ने 3 व राकेश कुमार ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी कंबाइंड इलेवन वन की टीम 28 .5 ओवर में 138 रन बना कर ऑल आउट हो गई। नॉर्थ कॉलोनी के गेंदबाज अंकित, अमित ने 3-3 व मतीउर रहमान ने 2 विकेट लिए। नॉर्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब ने 90 रनों से जीत दर्ज की। नार्थ कॉलोनी क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज सतीश कुमार हरिजन को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि सुधीर राणा ने सतीश को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग अशफाक आलम व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग केएस सौरभ ने किया।

झारखंड शेरशाहवादी सोसाइटी की प्रखंड कमेटी का हुआ पुनर्गठन

बरहरवा: प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रविवार को श्रीकुंड हाई स्कूल मैदान में कामरेड इकबाल की अध्यक्षता में झारखंड शेरशाहवादी सोसायटी के प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन हेतु एक बैठक किया गया। जिसमें निम्न व्यक्तियों को कमेटी में सर्वसम्मति से शामिल किया गया। प्रखंड कमेटी का अध्यक्ष मो० आजमाइल, उपाध्यक्ष नूर नबी, सचिव शाहीन अख्तर, उपसचिव मुस्ताफेजुर रहमान, कोषाध्यक्ष शकील अहमद एवं मिडिया प्रभारी मोक्तादा हसन वो इंतेखाब आलम को पदभार दिया गया और निम्न व्यक्तियों को प्रखंड कमेटी के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जो निम्न प्रकार है अब्दुर रहमान, मसूद आलम, सोयेब अख्तर, सनाउल्लाह, मनिरुल इस्लाम, सैफुल इस्लाम, परवेज आलम, रबिउल इस्लाम, तोफाइल इस्लाम, मिजानुर रहमान को शामिल किया गया। उद्देश्य के साथ ही आगे के कार्यक्रम पर प्रस्ताव लिया गया। जिसमें निम्न व्यक्तियों ने बैठक में मुसा, कैफुल इस्लाम, मुखिया इस्तियाक आलम, रफिकुल इस्लाम एवं दिगर शेरशाहवादी सोसायटी के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शाह बानो के आंसू रुलाते ही रहेंगे कांग्रेस को

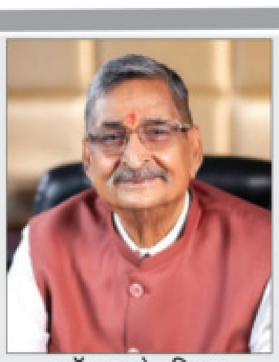

-डॉ. आर.के. सिन्हा

दरअसल शाह बानो केस भारत की राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाह बानो इंदौर की एक मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन, उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया।

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाह बानो भारत में मुसलमान औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में 1980 के दशक में सामने आईं थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूल रहा है, तब ही उनकी फिर से किसी न किसी रूप में चर्चा प्रारंभ हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाह बानो मामले का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, " सुप्रीम कोर्ट से शाह बानो को हक मिला था। राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को, नकार दिया। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की खातिर संविधान की भावना को बलि चढ़ा दिया। " यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपनी बहुमत के बल पर आनन फानन में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था।

दरअसल शाह बानो केस भारत की राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाह बानो इंदौर की एक मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन, उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत, तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में एक राजनीतिक भूचाल सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव करने का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाह बानो के हक में खड़े होने के लिए तैयार नहीं थे। शाह बानो एक बुजुर्ग औरत थीं। उसका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खड़ा नहीं हुआ। उन्होंने उसे अपनी हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में एक अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उनके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड जैसे महा भ्रष्ट संगठन ने किसकी किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना। जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया।

शाह बानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत भी कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर एक नई बहस छेड़ दी। शाह बानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हदतक समझौता कर सकती है। बेशक, शाह बानो केस भारतीय इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाह बानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।

कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाह बानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से नाराज सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी।

आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्म ग्रंथों के विद्वान एवं एक स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति के रूप में रही है। वे मुस्लिम होने के बावजूद कट्टर नहीं हैं। बल्कि उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे।

राजीव गांधी के तुष्टिकरण ने शाहबानो की रूह को बुरी तरह कुचल दिया था सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था। इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था : कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। और अर्थ था : संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता। बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उसमें भी ज्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वो संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के? मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा महिलाओं के गुजारा भत्ते के?

बड़ी मुश्किल डगर है एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई, किधर जाएगी कांग्रेस? सच यह है कि वक्त आने पर मुसलमान औरतों के हक में तीस्ता सीतलवाड़ से लेकर वे तमाम लेखक और कैंडल मार्च निकालने वाले बुद्धिजीवी भी नदाराद रहते हैं, जो बात-बात पर दीन-हीन मुसलमान औरतें के हक में सोशल मीडिया पर लिखते-बोलते रहते हैं।

दूसरी तरफ, भाजपा को हर वक्त बुरा-भला कहने वाले यह भी जान लें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही अपने कार्यकाल में अभी तक मुसलमान औरतों के हक में तमाम बड़ी योजनाएं लागू की हैं। मोदी सरकार की ही पहल पर मुसलमान औरतों को तीन तलाक से मुक्ति मिली। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया। इसने मुसलमान औरतों को तीन तलाक की बर्बर कुप्रथा से मुक्ति दिलवा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने' इस दौरान तीन तलाक पर रोक लगा दी। हालांकि, कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन ट्रिपल तलाक को जारी रखने की पुरजोर वकालत कर रहे थे। यह वही लोग थे, जिन्होंने शाह बानो की लड़ाई का विरोध किया था।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार

भारत की 'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार, लगातार 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे, कई 'मील-पत्थर' योजनाओं के सूत्रधार, महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह दिवंगत हो गए। उन्होंने 92 साल की भरी-पूरी जिंदगी जी और देश को 'दूसरी आजादी' दिलाई, इससे ज्यादा एक जिंदगी में और क्या किया जा सकता था? लिहाजा उनका देहावसान उनकी पार्थिव नियति ही है। भारत आजाद देश था, लेकिन औसत भारतीय के स्वप्न और आर्थिक आयाम अपेक्षाकृत आजाद नहीं थे। हम एक गरीब और कर्जदार देश थे। बहरहाल आज विकासशील देश हैं और 'विकसित' बनने का लक्ष्य तय किया है। 1991 के दौर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र एक अरब डॉलर रह गया था, लिहाजा आयात का घोर संकट था। तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार को पेट्रोलियम और उर्वरक के आयात के लिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए 46.91 टन सोना इंग्लैंड और जापान के बैंकों में गिरवी रखना पड़ा था। उस दौर में कांग्रेसी प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और उसी के साथ आर्थिक उदारीकरण ने भारत की 'दूसरी आजादी' का अध्याय लिखना आरंभ कर दिया। हालांकि डॉ. सिंह के पहले बजट के मसविदे को प्रधानमंत्री राव ने खारिज कर दिया था। उनकी उम्मीदें लीक से हटकर थीं। डॉ. सिंह के सामने आर्थिक चुनौतियां रखी गईं और बहुत थोड़े से वक्त में उन्होंने ऐसा बजट तैयार किया, जिसने भारत के 'आर्थिक भाग्य' को ही संकटों और अभावों से मुक्त कर दिया। अर्थव्यवस्था खोल दी गई। विदेशी निवेशकों और कंपनियों के लिए देश के दरवाजे खोल दिए गए। डॉ. सिंह कहा करते थे-भारत किसी से, क्यों डरे? हम विकास के ऐसे चरण में पहुंच चुके हैं, जहां विदेशियों से डरने के बजाय हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हमारे उद्यमी किसी से कमतर नहीं हैं। हमें अपने उद्योगपतियों पर पूरा भरोसा है।' अंततः 24 जुलाई, 1991 के उस बजट ने आर्थिक उदारीकरण का जो दौर शुरू किया, उसके दो साल के भीतर ही विदेशी मुद्रा भंडार 10 अरब डॉलर, यानी 10 गुना अधिक, हो गया। लाइसेंस और इंस्पेक्टर राज का दौर समाप्त हुआ और 34 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का ऑटोमैटिक रूट तैयार कर दिया गया। कंपनियों पर कई पाबंदियां उठा ली गईं।

दिल्ली में हिचकोले खाती केजरीवाल की चुनावी नैया

कृष्णमोहन झा

अगले साल की पहली तिमाही में विधानसभा के चुनाव हेतु सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ ही कांग्रेस और भाजपा की भी अपनी तैयारियां चरम पर पहुंच चुकी हैं और यह तो तय है कि आम आदमी पार्टी ने 2015 एवं 2020 में संपन्न विधानसभा चुनावों में प्रचंड जीत हासिल कर जो इतिहास रचा था उसे आगामी विधानसभा चुनावों में भी दोहराने के लिए वह कोई कसर बाकी नहीं रखेगी है लेकिन वह खुद भी इस हकीकत से अच्छी तरह वाकिफ है कि दिल्ली में इस समय जो राजनीतिक माहौल है वह पिछले दो? विधानसभा चुनावों से काफी अलग है। इन चुनावों में एक ओर जहां उसे भाजपा कड़ी चुनौती देने के लिए कमर कसकर तैयार हो चुकी है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस उसकी चुनावी संभावनाओं को धूमिल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है । गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही यद्यपि विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं परन्तु दिल्ली विधानसभा की सभी 70 पर दोनों दल अपने अलग-अलग उम्मीदवार खड़े करने का फैसला कर चुके हैं। भाजपा के लिए यह स्थिति निश्चित रूप से फायदेमंद है जिसने दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनावों में उसकी जीत की संभावनाओं को निश्चित रूप से बलवती बना दिया है। गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा विधानसभा के चुनावों में भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कोई गठजोड़ नहीं किया था। पंजाब में तो आम आदमी पार्टी एक तरफा जीत हासिल कर सरकार बनाने में कामयाब हो गई परन्तु हरियाणा में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार खड़े हो जाने से कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं को इस कदर प्रभावित किया कि सत्ता में वापसी की आस लगाए बैठी कांग्रेस को दस साल बाद भी सदन के अंदर विपक्ष में बैठने पर मजबूर होना पड़ा ।यह निःसंदेह आश्चर्यजनक है कि दोनों पार्टियां हरियाणा के चुनाव परिणामों से कोई सबक लेने के लिए तैयार नहीं हैं । यह हकीकत दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के द्वारा एक दूसरे के खिलाफ जारी बयानबाजी से उजागर हो चुकी है। पिछले काफी समय से दोनों पार्टियों के नेता एक दूसरे के खिलाफ जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं उससे तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे उनकी भाजपा से कोई प्रतिद्वंदिता नहीं है। जाहिर सी बात है कि दोनों पार्टियों की आपसी लड़ाई दिल्ली में भाजपा की ही जीत का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। गौरतलब है कि गत लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सात सीटों के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने चुनावी समझौता किया था परन्तु सात में से एक भी सीट पर आम आदमी पार्टी अथवा कांग्रेस को जीत का स्वाद चखने को नहीं मिला और तभी से उनके बीच दूरियां बनने का सिलसिला शुरू हो गया था जो यहां तक आ पहुंचा कि दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर दोनों पार्टियों ने अपने अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर दी । आम आदमी पार्टी ने 2015 में उसने 70 में से 67 सीटों पर और 2020 में उसने 70 में से 62 सीटों पर शानदार जीत हासिल की थी लेकिन अगर कांग्रेस दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने का फैसला कर चुकी है तो उसका यह साहस निःसंदेह आश्चर्यजनक है क्योंकि दिल्ली विधानसभा के लिए 2015 और 2020 में संपन्न चुनावों में उसे 70 में से एक भी सीट परंतु जीत का स्वाद चखने को नहीं मिला था। इस सबके बावजूद कांग्रेस जो चुनावी रणनीति अपना रही है उसे देखकर तो ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी दिलचस्पी अपनी चुनावी संभावनाओं को बेहतर बनाने में नहीं बल्कि आप की संभावनाओं को धूमिल करने में है। दरअसल दिल्ली में असली मुकाबला आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच ही होने जा रही है। कांग्रेस पार्टी तो आप के विरुद्ध नित नयी बयानबाजी करके चुनाव में बस अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है और कांग्रेस नेताओं के द्वारा की जा रही बयानबाजी से आप इस कदर उत्तेजित हो उठी है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना और आप सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस पर भाजपा के साथ मिली भगत का आरोप लगाने में भी कोई संकोच नहीं किया। संजय सिंह ने तो यहां तक कह दिया कि दिल्ली विधानसभा के लिए कांग्रेस के प्रत्याशियों की सूची देखकर ऐसा लगता है कि उसके पीछे भाजपा की मदद करने की मंशा है। आप ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध लगाए गए आरोपों पर सख्त नाराजगी जताते हुए इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने भी आप सरकार पर दिल्ली की जनता से वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। आगामी विधानसभा चुनावों में नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार घोषित किया है जहां उनका मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से होने जा रहा है। आप को यह चिंता सता रही है कि आगामी चुनावों में कांग्रेस अगर मुस्लिम, दलित और पूर्वांचल के मतदाताओं को आकर्षित करने में सफल हो जाती है तो चुनावी संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है।

दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव हेतु भाजपा संभवतः वही रणनीति अपना सकती है जो गत वर्ष संपन्न मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनावों में बेहद कारगर साबित हो चुकी है। दिल्ली में भी उसी रणनीति को अमल में लाते हुए भाजपा अगर राष्ट्रीय स्तर के दिग्गजों को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला करती है तो उसमें अचरज की कोई बात नहीं होगी। ऐसे दिग्गजों में पूर्व केंद्रीय मंत्री डा हर्षवर्धन के अलावा पूर्व सांसद रमेश विधूड़ी और प्रवेश वर्मा के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं। भाजपा ने विगत दिनों, घोटाले पर घोटाला, केजरीवाल ने दिल्ली को बनाया भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला शीर्षक से आम आदमी पार्टी के विरुद्ध जो आरोप पत्र जारी किया है उसके माध्यम से दिल्ली के मतदाताओं को आकर्षित करने में उसे सफलता मिली है।

चिंतन-मनन

मानव जीवन की गरिमा

नालंदा तक्षशिला जैसे अनेक विश्वविद्यालय इस देश में थे। देश की शिक्षा व्यवस्था की पूर्ति तो स्थानीय गुरुकुल ही कर लेते थे। उच्च स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था का प्रबंध यह विश्वविद्यालय करते थे। देश-देशांतरों की भाषाएं वहां पढ़ाई जाती थीं, जिनमें पारंगत होकर अपने को विश्व सेवा के लिए समर्पित करने वाले महामानव विश्व के कोने-कोने में पिछड़े क्षेत्रों को पिछड़े वर्ग को हर दृष्टि से ऊंचा उठाने के लिए अपनी अहैतुकी सेवा भावना की अजस्त्र वर्षा करते थे। न केवल धर्म और अध्यात्म वरन कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, शिल्प उद्योग, नौकायन, चिकित्सा, वास्तु, रसायन आदि भौतिक विज्ञान की अनेकानेक धाराओं से संसारवासियों को परिचित प्रवीण कराने के लिए अथक परिश्रम किया गया। फलतः मानव जाति को अपनी पिछड़ी हुई, अभावग्रस्त एवं विपन्न स्थिति से छुटकारा मिला। अन्न, वस्त्र निवास और शिक्षा की आरंभिक आवश्यकताएं पूरी होने पर प्रगति के अन्यान्य मार्ग खुले।

मनुष्य जीवन की गरिमा दो पहिये के रथ पर चढ़कर गतिशील होती है। एक पहिया है आत्म निर्माण, दूसरा लोक-निर्माण। यही दो लक्ष्य भारतीय संस्कृति के दो अविछिन्न अंग रहे हैं। गुण, कर्म, स्वभाव की दृष्टि से इस देश के निवासी निरंतर प्रयत्नशील रहे कि उनका व्यक्तित्व सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों से परिपूर्ण हो। उसे आदर्श और अनुकरणीय माना जाए। यहीं थी उन दिनों व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक महात्वाकांक्षा। भौतिक दृष्टि से हर व्यक्ति समुन्नत, सुव्यवस्थित और साधन संपन्न जीवन जीता था और उत्कृष्ट चिंतन और आदर्श कर्त्तव्य हर किसी के लिए प्रगति का मापदण्ड बना हुआ था। भारतीय जीवन का दूसरा लक्ष्य था- लोक निर्माण। वह मनुष्य क्या जो अपनी उपलब्धियों से केवल अपने शरीर और परिवार को ही लाभान्वित करे. पीड़ा और पतन के गर्त से गिरे हुए- पिछड़े हुए और असमर्थ लोग जिससे कुछ भी प्रकाश एवं सहयोग प्राप्त न कर सके.

उन दिनों यही लोक मान्यता थी कि हर समुन्नत व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति एवं विभूतियों को एक बड़ा भाग समाज की उन्नति में-सुख शांति की अभिवृद्धि में लगाना चाहिए. आत्मोष्कर्ष की तरह लोक कल्याण भी मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. प्राचीन काल में प्रत्येक भारतवासी की वैसी मान्यता, निष्ठा और रीति-नीति थी।

नया साल सिर्फ.जश्न नहीं, आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी...

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार-चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ खास नहीं-यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में ज़िया जाता है-जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरूआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है...

एक नया साल एक नई शुरूआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की जरूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना जरूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं।

नया साल सिर्फ.जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम जरूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीजें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वजन कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ. कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, ₹वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया?₹ एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतजार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरूआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह कीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही खत्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी कलम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाजे से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरूआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मजाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाजा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे खास बनाएँ! नई शुरूआत के जादू के लिए चीयर्स!

-प्रियंका सौरभ

बांग्लादेशियों ने निगमकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

महिला सुपरवाइजर को खींचा, मेयर भड़कीं तो निगम ने 50 झोपड़ियां तोड़ीं

लखनऊ । रविवार सुबह बांग्लादेशियों ने निगमकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पर्स और मोबाइल लूट लिए। महिला सुपरवाइजर को पकड़ कर खींचा, कपड़े फाड़ दिए। बवाल की सूचना मिलते ही मेयर सुषमा खर्कवाल मौके पर पहुंचीं। मेयर ने कहा- बांग्लादेशी नगर निगम के कर्मचारियों को पीटेंगे और पार्षद प्रतिनिधि पर डंडों से हमला होगा तो मेरे मेयर रहने का क्या मतलब? जेसीपी साहब इनके खिलाफ कार्रवाई करो, नहीं तो धरने पर बैठूंगी। भले ही मेरी सरकार है। इसके बाद निगम की टीम ने इंदिरा नगर थाने के पीछे खाली प्लॉट में बनी 50 झुग्गियां को 2 घंटे में तोड़ दीं। इन झुग्गियों में रहने वाले अपना सामान निकालकर गाड़ियों से ले गए। मौके पर बवाल न हो, इसलिए भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। इससे पहले, नगर निगम टीम सुबह 7 बजे इंदिरा नगर में जोन-7 में घोड़े वाले मंदिर के पास मानस एन्क्लेव के सामने अवैध ठेलों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी। ठेलों को हटाने के दौरान विवाद हो गया। अचानक 200 लोग जुट गए और टीम पर हमला कर दिया। निगमकर्मियों ने भाग कर जान बचाई। इस दौरान लोगों ने एक पार्षद प्रतिनिधि को भी डंडों से पीटा। मेयर ने लखनऊ कमिश्नर और डीएम को फोन करके मामले की जानकारी दी। पीएसी भेजने के लिए भी कहा। इस पूरे मामले में भारतीय किसान यूनियन अवध अराजनीतिक से जुड़े राजू गुप्ता ने कहा कि हमारा संगठन इस कार्रवाई का विरोध करता है। नगर निगम के अधिकारियों की शिकायत का पत्र हमने पहले दिया था। लखनऊ नगर निगम कर्मचारियों और बांग्लादेशियों के बीच मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि पुलिस भी मौके पर मौजूद है, इसके बावजूद बांग्लादेशियों ने मारपीट की। वे लाठी और डंडे लेकर वहां पहुंचे। पहले निगम कर्मियों के साथ बहस हुई। इसके बाद मारपीट की गई। अवैध झुग्गियों का बिजली कनेक्शन काटने पहुंचे बिजली विभाग के अधिकारी को भी मेयर सुषमा खर्कवाल ने फटकार लगाई। उन्होंने अधिकारी को तारों का जंजाल दिखाया और कहा कि इस तरह से आपका विभाग काम करता है। इस पर बिजली अधिकारी कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। मेयर सुषमा खर्कवाल ने खुद खड़े होकर इन झुग्गियों की बिजली कटवा दी। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यहां प्री-पेड कनेक्शन चल रहा था। जबकि मौके पर अवैध तरीके से कटिया फंसाकर बिजली चोरी की जा रही थी। यहां की झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मोनू हुसैन झुग्गियां टूटने के बाद अपना सामान पिकअप पर लादकर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भाई आशियान इलाके में रहता है, अब वहीं जा रहे हैं। नगर निगम की टीम ने अवैध तरीके से बनाई गई करीब 50 झुग्गियों को तोड़ दिया है। सुबह की घटना के बाद इन झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया गया। मौके पर झुग्गियों को हटाने का काम किया जाना है। इसलिए यहां पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। शांति और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल यहां पर बढ़ाया गया। यहां रहने वाले युवक ने बताया कि यहां की महिलाएं झाड़ू-पोंछा करने का काम करती हैं। यह लोग कूड़ा उठाते हैं। जानकारी मिली है कि सुबह किसी बात को लेकर यहां पर लड़ाई हुई है। स्थानीय निवासी फूलचंद ने बताया कि प्लॉट में जगह-जगह पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इसी गंदगी के बीच यहां पर लोग रहते हैं। यह लोग भी कूड़ा उठाने का ही काम करते हैं। इसी को लेकर सुबह बवाल हुआ। नगर निगम के कर्मचारी मणि भूषण उपाध्याय ने बताया कि हम लोग सुबह अवैध ठेलों को हटाने पहुंचे। हम पूछताछ कर रहे थे, तभी उन लोगों ने फोन करके कई लोगों को बुला लिया। वे लोग अपना ठेला लेकर भागने लगे तो हम उनके पीछे गए। जब यहां पहुंचे तो 100-200 लोग खड़े थे। हम कुछ कर पाते, इससे पहले ही उन्होंने लाठी-डंडे से हमला कर दिया। हमारी महिला सुपरवाइजर को खींच ले गए। हमारा पर्स, मोबाइल लूट लिया। हमें भी मारा है। देखिए चोट लगी है। पूर्वी विधानसभा से भाजपा विधायक ओपी श्रीवास्तव और जॉइंट सीपी अमित वर्मा भी मौके पर पहुंचे। विधायक ने कहा कि नगर निगम द्वारा अतिक्रमण और कब्जे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। इसी बात को लेकर उन्होंने मारपीट की है। इनका एक लीडर है, जिसका नाम नसीम है। वही सबको भड़काता है। उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। शहर में जितने भी बांग्लादेशी रह रहे हैं, उन्हें चिह्नित करके कार्रवाई हो। उनकी अवैध झुग्गियां भी तत्काल हटाई जाएं।

मशाल जुलूस देता है राष्ट्रीयता का संदेश: उमेश पांडेय

संवाददाता

कुशीनगर। शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की स्मृतियों को जीवंत रखने और देशभक्ति का जज्बा जगाने के उद्देश्य से आयोजित 19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर इसमें भाग लेने वाले मशाल धावकों का सम्मान किया गया। पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के राजमालती स्टेडियम में आयोजन समिति ने मशाल धावकों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर उनकी भूमिका को सराहा। शहीद चौक, कसया से मशाल लेकर आयोजन स्थल तक पहुंचे 351 धावक- धाविकाओं ने देशप्रेम और एकता का संदेश दिया। वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी

उमेश पांडेय ने इस अवसर पर कहा मशाल जुलूस के माध्यम से धावक राष्ट्रीयता का संदेश देते हैं। यह आयोजन शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की स्मृतियों को संजोने का एक आदर्श उदाहरण है।यह पहल आने वाली पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना को प्रबल बनाए रखने का प्रयास है। धावकों को श्री पांडेय के साथ ही वरिष्ठ पत्रकारगण सतीश पांडेय, आद्या सिंह,विनय तिवारी व आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह ने भी मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मशाल यात्रा कसया के शहीद चौक से प्रारंभ होकर सपहा, तुर्कपट्टी होते हुए शहीद के पैतृक गांव भेलया चन्दौटा पहुंची, जहां धावकों ने शहीद की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पटहेरवा और काजीपुर होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंचकर अमर जवान ज्योति प्रज्वलित की गई। सम्मानित होने वालों में नेहा कुमारी, प्रियंका चौहान, मानवी पासवान, पायल सिंह, प्रतिमा यादव, नगमा खातून, अभिषेक यादव, रवि गुप्ता, सूरज गुप्ता, विवेक चौहान, आदित्य यादव, गोलू प्रजापति, बब्लू प्रसाद, फैजल सहित अन्य धावक शामिल रहे। उनके चेहरे पर खुशी स्पष्ट दिखाई दी। इस आयोजन ने देशभक्ति का जोश और राष्ट्रीय एकता का भाव जागृत करते हुए, शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी के बलिदान को यादगार बना दिया।

रोटरी क्लब कुशीनगर: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ट्री गार्ड किया भेंट

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साकार करते हुए रोटरी क्लब कुशीनगर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया में लगे पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भेंट किए। सीएचसी अधीक्षक डॉ. मार्कंडेय चतुर्वेदी ने रोटरी क्लब संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य अनुकरणीय हैं। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि पौधारोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्री-गार्ड के माध्यम से पौधों को संरक्षित किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूर्ण होता है। इस अवसर पर चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष पाण्डेय, दंत चिकित्सक डॉ रितेश कुमार, रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, सार्जेंट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, सह कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक अमित श्रीवास्तव, डॉ जेके पटेल, हेमंत गर्ग, अमरेन्द्र नारायण सिंह, विजय सिंह, सरवरे आलम, शिव जी जायसवाल उपस्थित रहे।

प्रभात पांडेय के ब्रह्मभोज में पहुंचे अजय राय

गोरखपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपने गृह जनपद में होते हुए भी पीड़ित परिवार से मिलने नहीं आए। उन्होंने कहा, ह्वाराणसी में भाजपा नेता के निधन पर मुख्यमंत्री पहुंचे, लेकिन आम जनता के प्रति उनकी यही संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई देती? अजय राय रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता मृतक प्रभात पांडेय के ब्रह्मभोज में शामिल होने गोरखपुर पहुंचे थे। उनके साथ पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ता भी ब्रह्मभोज में शामिल हुए। उन्होंने प्रभात पांडेय को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके पिता दीपक पांडेय

से मुलाकात कर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। अजय राय ने परिवार के साथ कुछ समय बिताया और इस दुखद घड़ी में उनका मनोबल बढ़ाया। अजय राय ने यह भी बताया कि कांग्रेस नेतृत्व ने सीडब्ल्यूए बैठक में प्रभात पांडेय के परिवार के एक सदस्य को कांग्रेस शासित राज्य में नौकरी देने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी स्वर्गीय पांडेय को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

बरेली से हनीट्रैप में शामिल शातिर महिला अरेस्ट

बरेली। पुलिस ने हनी ट्रैप में शामिल शातिर अपराधी रीना सागर को गिरफ्तार कर लिया है। ये महिला पिछले 8 महीनों से फरार चल रही थी। बताया जा रहा है, पुलिस से बचने के लिए ये महिला दिल्ली और पंजाब में रह रही थी। मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि रीना बरेली आई हुई है। इसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और शातिर महिला को धर दबोचा। पुलिस की गिरफ्त में यही वो शातिर महिला है जो अब तक 25 से ज्यादा लोगों को हनी ट्रैप में फंसाकर मोटी रकम वसूल चुकी है। बारादरी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मिनी बाईपास से एक निजी हॉस्पिटल के पास से रीना सागर को गिरफ्तार किया है। रीना बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र के डोहरा गोटिया की रहने वाली है। रीना शादीशुदा है।

इससे पहले पुलिस हनी ट्रैप की सरगना मधु उर्फ ममता दिवाकर को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी इस मुकदमे में शामिल सत्यवीर और 3-4 अज्ञात लोग फरार चल रहे है। रीना सागर पर आरोप है कि इसने गैंग के साथ मिलकर एक ग्राम प्रधान को अपना शिकार बनाया था। उससे फोन पर बातचीत करके अपने जाल में फंसाया और फिर बरेली बुलाकर उससे 5 लाख रुपए वसूल लिए थे। इतना ही नहीं ये गैंग ग्राम प्रधान को लगातार ब्लैकमेल कर रही थी। उनसे लगातार और पैसों की डिमांड की जा रही थी। इसके बाद ग्राम प्रधान ने बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। 3 अप्रैल को बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। हनी ट्रैप गैंग में शामिल लोग अब तक डॉक्टर, इंजीनियर, राजनेता और पुलिसकर्मियों को अपना शिकार बना चुके है। बारादरी थाने के इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि मुखबिर की सुचना पर हनी ट्रैप में शामिल रीना को गिरफ्तार किया गया है। मेरे पास अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाली ने अपना नाम ममता उर्फ मधु बताया। उसने कहा कि वह दोस्ती करना चाहती है। मैंने थोड़ी देर बात करने के बाद फोन काट दिया। इसके बाद ममता सुबह से लेकर शाम तक हर रोज फोन करने लगी। उसने मुझे प्रपोज किया। उसने मुझे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। हम लोग मिलने लगे। अप्रैल में ममता ने मुझे एक मकान में बुलाया। यहां मुझे नशीला पदार्थ खिला दिया। जब मैं बेहोश हो गया तो मेरी अश्लील क्लीपिंग बना ली।

क्रिकेट मैच में दिल्ली चैलेंजर्स पहुंची फाइनल में

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के पावानगर महावीर इण्टर कालेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 19 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दिल्ली चैलेंजर्स दिल्ली की टीम ने क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के टीम को 45 रनों से हराकर फाइनल में पहुंच गई। दिल्ली के खिलाड़ी मोनू शुक्ला को उनके बेहतर गेदबाजी के लिए मैन आफ द मैच चुना गया। रविवार को दस बजे से शुरू हुए इस प्रतियोगिता में लखनऊ के कप्तान करण सिंह ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरूआत काफी खराब रही उसके तीन खिलाड़ी 10 रनों के स्कोर पर पवेलियन लौट चुके थे। चौथे विकेट की मजबूत साझेदारी ने टीम को मजबूती दिया और दिल्ली निर्धारित 30 ओवरों के मैच में 29वें ओवर में सभी विकेट गंवाकर 205 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसमें दीपेश बाल्यान 36 गेंदों में पांच छक्के, छः चौकों के मदद से 63 रन, पंकज जायसवाल 31 गेंदों का सामना करते हुए चार छक्के, दो चौकों के मदद 41 रन, शिवम शर्मा 22, कैफ अहमद और विजन पंचाल ने 26 व 16 रनों का योगदान दिया। लखनऊ के तरफ गेंदबाजी करते हुए अतीफ साजिद ने छः ओवर मे तीस रन देते हुए चार विकेट, रोहित द्विवेदी ने तीन विकेट, हसन अख्तर दो तथा सत्यम पाण्डेय ने एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत तो बेहतर रही लेकिन मध्यक्रम के

बल्लेबाज जल्दी जल्दी में एक एक कर आउट होते गए। लखनऊ की टीम ने 26वें ओवर के अंतिम गेंद में सभी विकेट गंवाकर 160 रन ही बना सकी। जिसमें हिमांशु सिंह ने चार चौकों के मदद से 24 रन, हसन अख्तर 20 रन, प्रियांशु पाण्डेय 18 रन, अविरल कनौजिया 17, अभय दुबे ने 15 रनो का योगदान दिया। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए मोनू शुक्ला चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट, आईपीएल खिलाड़ी अनुरीत सिंह, मोहम्मद आशिफ मसूरी ने दो- दो विकेट तथा गौरव तोमर ने एक विकेट लिया। दिल्ली के खिलाड़ी मोनू शुक्ला को उनके किफायती गेदबाजी करते हुए चार महत्वपूर्ण विकट लेने पर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय व रिटायर्ड आरटीओ आरपी द्विवेदी ने ट्राफी और पांच हजार रुपए का नगद प्रदान किया। इसके पहले मैच का शुभारंभ रिटायर्ड आरटीओ आरपी द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच का अम्पायरिंग यूपीसीए पैनल के अंपायर सतीश पाण्डेय व संतोष कुमार सिंह ने किया। जबकि थर्ड अंपायर अशोक शर्मा रहे। स्कोरिंग यूपीसीए पैनल के स्कोरर भूषण मिश्रा ने किया।मैच के रेफरी पवन यादव रहे।मैच का कमेंट्री मुहम्मद आलम तथा गुड्डू पाण्डेय के साथ अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी कमेंटेटर सुमित मिश्रा गुलाम हुसैन रिजवी जीओ सिनेमा ने किया। मैच का लाइव प्रसारण सचिन यादव और उनके टीम द्वारा किया जा रहा है।इस दौरान आयोजन समिति के संरक्षक तथा उत्तर प्रदेश फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष अजय त्रिपाठी, आलोक रंजन त्रिपाठी,डा.रामानुज पांडेय, शक्ति प्रकाश दीक्षित,शहीद मेजर के पुत्र लेफ्टिनेंट कुशाग्र त्रिपाठी उर्फ आयुष त्रिपाठी, शासकीय अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, टीएन राय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल,डा.अजय शाही, पंकज पांडेय,सीओ जोश, डॉ केपी सिंह,डा.संजय मणि , डा. कन्हैया शर्मा, मनीष तिवारी, नागेंद्र गुप्ता,सुबोध त्रिपाठी, राकेश पाठक,ओमप्रकाश वर्मा, रजनी रंजन त्रिवेदी ,डा. विनय पाण्डेय, स्मिता त्रिपाठी, जेसी जोश, सुनील त्रिपाठी सुमन,राजन शुक्ला, विनीत कुमार बंटी, मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह, आजाद अंसारी, उदयभान सिंह, मंजूर आलम, वैभव पाण्डेय, प्रदीप सिंह, गुड्डू चौहान, सुनील सिंह, मनोज चौबे, गणेश त्रिपाठी, गोविन्द यादव, कविंद्र सिंह, खुर्शीद आलम, चन्दन दुबे, सत्यम त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, भास्कर राय, पंकज ओझा, पिंटू सिंह, गुड्डू सिंह, पिंटू राय आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

शहर से लेकर गांव तक सड़कों का होगा निर्माण: पीएन पाठक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विधायक कुशीनगर पीएन पाठक के लिखित मांग पर शासन ने कसया सपहा मार्ग के एक किलोमीटर पांच सौ मीटर शहरी भाग के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के लिए तीन करोड़ चौहत्तर लाख चौंतीस हजार रुपए शासन ने धन स्वीकृत किया है जिसको लेकर शहरी लोगों ने दर्जनों बार लिखित रूप से विधायक पीएन पाठक से मांग किया था धन स्वीकृत होते ही लोगों में हर्ष व्याप्त है शहर के लोगों ने इसके लिए विधायक पीएन पाठक को धन्यवाद ज्ञापित किया है। बता दें कि उक्त सड़क निर्माण कार्य के लिए बहुत दिनों से स्थानीय लोगों ने मांग कर रहे थे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी तो कुछ दिन पूर्व विधायक पीएन पाठक के आवास पर शहर के लोगों ने सड़क के निर्माण कार्य के लिए लिखित रूप से अवगत कराया तो इस काम की गम्भीरता पूर्वक लेते हुए विधायक पीएन पाठक ने एक पत्र लोकनिर्माण विभाग को लिखा और कारवाई की मांग किया तो शासन ने इस सड़क निर्माण कार्य और सुदृढ़ीकरण के लिए धन स्वीकृत किया है। जिसकी जानकारी होते ही उक्त मार्ग पर रहने वाले लोगों ने विधायक पीएन पाठक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हम सभी के शान है। लोक प्रिय विधायक पीएन पाठक विधायक पीएन पाठक ने कहा कि शहर से लेकर गांव तक कि सड़कों की जाल बिछाया जाएगा। इसके लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। पूरे विधान सभा क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध है।

स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की पुण्यतिथि आज

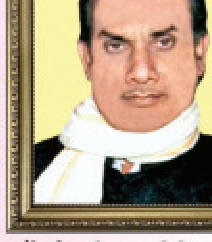

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में 30 दिसंबर दिन सोमवार को समाजसेवी रहे स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की आठवीं पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। उक्त सूचना एक विज्ञप्ति के माध्यम से स्व0 श्री सिंह के छोटे भ्राता अजय प्रताप नारायण सिंह ने देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्षों की भांति पुण्यतिथि पर विविध कार्यक्रम का आयोजन है जिसमें श्री राम चरित मानस पाठ, श्रद्धांजलि सभा, भजन संगीत, संत समागम और सहभोज का आयोजन है। स्वर्गीय श्री सिंह के छोटे सुपुत्र बीओसीडब्ल्यू बोर्ड सदस्य अभय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि आठवीं पुण्यतिथि को इस बार और बृहद स्वरूप दिया गया है जो सुबह दस बजे से शाम 5 बजे तक अनवरत चलता रहेगा।

हमीरपुर की कुरारा पुलिस ने सात जुआरियों को उन्नीस हजार पांच सौ रुपए के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश की हमीरपुर की कुरारा पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत कुरारा के लहरा में 45 वर्षीय रमेश पुत्र रामचरन अहिरवार जबकि 32 वर्षीय रामकुमार पुत्र मैय्यादीन जबकि 28 वर्षीय अतुल कुमार पुत्र बलवंत जबकि 36 वर्षीय मदन पुत्र रोशन,कमलेश बाबू पुत्र बाल गोविन्द जबकि दीपू उर्फ दीपक पुत्र राजेश गुप्ता,चेतराम पुत्र भगवान दास को खुलेआम जुआं खेलते उन्नीस हजार पांच सौ रुपये के साथ ही 52 पत्तों सहित धर दबोचने में कामयाबी मिली। कुरारा पुलिस ने पकड़े गये सातों जुआरियों के खिलाफ मु०अ०स० 401/2024 धारा 13 जी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

गोरखपुर में महिला ने की सुसाइड की कोशिश : पुल से आमी नदी में कूदी

गोरखपुर । खजनी इलाके में एक महिला ने छताई पुल से आमी नदी में कूदकर आत्महत्या की कोशिश की। महिला के इस कदम को देख पास में ही तैनात होमगार्ड चंद्रकेश ने तुरंत नदी के किनारे दौड़कर उसकी ओर हाथ बढ़ाया। इसी दौरान, दो स्थानीय युवकों ने भी मदद के लिए मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित बचा लिया। महिला को नदी से बाहर निकाला गया और फिर उसे स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी जुटाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, घटना सुबह करीब साढ़े 10 बजे की है। महिला पुल पर टहलने आई थी, लेकिन अचानक उसने आमी नदी में कूदने का निर्णय लिया। नदी में कूदते हुए महिला को देख कर होमगार्ड जवान चंद्रकेश ने तुरंत शोर मचाया। इसके बाद, पास ही से गुजर रहे दो स्थानीय युवक दौड़े और होमगार्ड के साथ मिलकर महिला को पानी से बाहर निकालने में मदद की। महिला को तत्काल खजनी ढलड ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को स्थिर बताया और कहा कि उसकी जान अब खतरे से बाहर है। महिला की पहचान बेलघाट निवासी संतोष की पत्नी रिंकू देवी के रूप में हुई। महिला को बचाने के प्रयासों में होमगार्ड चंद्रकेश की सूझबूझ और युवकों की तत्परता की काफी सराहना की जा रही है। पुलिस ने बताया कि रिंकू देवी ने पारिवारिक कलह के कारण यह कदम उठाया हो सकता है।

बाबा विश्वनाथ को ओढ़ाई मखमली रजाई

वाराणसी। धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी में भगवान और भक्त का एक अनोखा रिश्ता है। जिसका जीता जागता उदाहरण इन दिनों देखने को मिल रहा है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि जहां लोग ठंड से खुद का बचाव कर रहे हैं। यहां के प्रमुख मंदिरों में भगवान को भी गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ को मखमली रजाई ओढ़ाइ जा रही है। यह तस्वीर बेहद खूबसूरत है और सोशल मीडिया पर खूब पसंद भी किया जा रहा है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व-भूषण मिश्र ने बताया कि भक्त अपने भाव के हिसाब से बाबा को हर चीज अर्पण करते है।इसी के तहत ठंड में उन्हें भक्ति और श्रद्धा भाव से रात्रि में विश्राम के दौरान मखमली रजाई ओढ़ाते हैं। बैकुंठ चतुर्दशी तिथि से महा-शिवरात्रि तक हर रोज शयन आरती के पहले श्रृंगार में उन्हें अलग-अलग रंग की रजाई ओढ़ाई जाती है। इस रजाई को स्पेशल ऑर्डर पर तैयार कराया जाता है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप 86,847.88 करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक मुनाफे में एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 86,847.88 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इस दौरान सबसे अधिक मुनाफे में एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,235.95 करोड़ रुपये बढ़कर 13,74,945.30 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 20,230.9 करोड़ रुपये बढ़कर 16,52,235.07 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 17,933.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,99,185.81 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,254.01 करोड़ रुपये बढ़कर 9,22,703.05 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 11,948.24 करोड़ रुपये बढ़कर 9,10,735.22 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 1,245.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,49,863.10 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के विपरीत एसबीआई का मूल्यांकन 11,557.39 करोड़ रुपये घटकर 7,13,567.99 करोड़ रुपये, एलआईसी की बाजार हैसियत में 8,412.24 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,61,406.80 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 2,283.75 करोड़ रुपये घटकर 7,95,803.15 करोड़ रुपये और टीसीएस की बाजार हैसियत 36.18 करोड़ रुपये घटकर 15,08,000.79 करोड़ रुपये रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही।

इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले तीन प्रतिशत हुआ कमजोर

- आने वाले वर्ष में रुपये की स्थिति में सुधार की उम्मीद

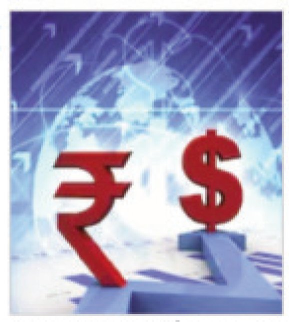

मुंबई ।

इस साल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया तीन प्रतिशत कमजोर हुआ है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती और वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से रुपया प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद भारतीय रुपये में उतार-चढ़ाव कहीं कम रहा है। आने वाले वर्ष में रुपये की स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा रही है। 2024 में रुपये की विनिमय दर ने प्रमुख मुद्राओं के साथ उतार-चढ़ाव देखा। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संकट के साथ लाल सागर के जरिये व्यापार में अड़चनों के अलावा दुनिया के कई देशों में चुनावों ने रुपये की धारणा को प्रभावित किया। उभरते बाजारों में डॉलर में सुधार का असर पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्कालीन गवर्नर ने दर्शाया कि भारतीय रुपये में कम अस्थिरता है, लेकिन सरकार रुपये-डॉलर की दर को स्थिर करने के लिए प्रयासरत है। विदेशी मुद्रा भंडार में गैर-अमेरिकी मुद्राओं की बढ़त या गिरावट का प्रभाव रुपये पर भी होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में घटाव देखा गया है, जिसके कारण रुपया कमजोर हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में बेहतर आर्थिक कारकों के कारण डॉलर में तेजी आई है। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती का संकेत दिया है, जिसके कारण डॉलर की मांग बढ़ी है। इस साल रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूती दिखाने में पिछड़ा है, लेकिन उम्मीद है कि आगामी वर्ष में स्थिति में सुधार आएगा।

शेयर बाजारों के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा साल- 2024

- शेयर बाजार ने लगातार नौवें साल बेहतर रिटर्न भी दिया

नई दिल्ली ।

दलाल स्ट्रीट के लिए 2024 का साल काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। भारतीय शेयर बाजारों ने साल के दौरान कई बार रिकॉर्ड बनाए, पर दूसरी ओर उन्हें बड़े नुकसान का भी सामना करना पड़ा। फिर भी घरेलू कोषों के प्रवाह और मजबूत वृहद परिदृश्य की वजह से स्थानीय शेयरों ने निवेशकों को सकारात्मक प्रतिफल दिया। 2024 में पहली हाफ में कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों, घरेलू कोषों के प्रवाह में उछाल और मजबूत वृहद परिदृश्य की वजह से निफ्टी सितंबर, 2024 में 26,277.35 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। बाजार के जानकारों के मुतो बिक पिछले दो माह में बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर से नीचे आ गया है। यह तीसरी बड़ी गिरावट थी, जो 2020 में कोविड-19 के बाद आई थी। चुनावों के अलावा अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ इजरायल-ईरान संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी शेयर बाजारों पर असर डाला।

वर्ष 2024 में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच काफी संघर्ष देखा गया। वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों और भू-राजनीतिक तनाव ने बाजार को काफी प्रभावित किया, लेकिन भारतीय बाजारों ने अच्छा प्रदर्शन किया और निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि यह मूल्यांकन में उछाल का साल भी था, जिसने भारतीय बाजारों को दुनिया में सबसे महंगा बनाया। अंततः 'करेक्शन' देखने को मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स इस साल 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। निफ्टी भी अपने 26,277.35 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ था। साल के दौरान छोटी और मझोली कंपनियों ने बड़ी कंपनियों से बेहतर रिटर्न दिया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने निवेशकों को 'लार्जकैप' की तुलना में अधिक रिटर्न दिया। निफ्टी और सेंसेक्स का प्रदर्शन विदेशियों की जबरदस्त बिकवाली के कारण कमजोर रहा। सितंबर में, सेंसेक्स एक अच्छे रिकॉर्ड स्तर से 8.46 प्रतिशत नीचे आ गया है, जबकि निफ्टी 9.37 प्रतिशत टूट गया है।

बीएसएनएल की 19,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना

- बीएसएनएल में वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम की योजना, वित्त मंत्रालय से मंजूरी की प्रतीक्षा

नई दिल्ली ।

टेलीकॉम डिपार्टमेंट और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने एक बड़ा कदम उठाने की योजना बनाई है, जिसमें वॉलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) को लागू करने की योजना है। इसके तहत, वित्त मंत्रालय से 15,000 करोड़ रुपए की मांग की जा रही है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट वीआरएस के माध्यम से कंपनी की फाइनेंशियल स्थिति को सुधारने के साथ-साथ एम्प्लॉइज की संख्या में 35 फीसदी की कमी लाना चाहता है। इसके बावजूद, किसी भी ऑफिशियल घोषणा में इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। एक अधिकारी के अनुसार, इस प्रस्ताव में कंपनी की फाइनेंशियल स्थिति को मजबूत करने के लिए एम्प्लॉइज की संख्या में 18,000 से 19,000 तक की कमी का प्रस्ताव है। इसके लिए वित्त मंत्रालय की मंजूरी के बाद इसका आगे का कदम बढ़ाया जाएगा। रिपोर्टों के मुताबिक बीएसएनएल वर्तमान में 7,500 करोड़ रुपए का खर्च करती है अपने एम्प्लॉइज की सैलरी के लिए, जो कंपनी के रेवेन्यू का करीब 38 फीसदी है। कंपनी इस खर्च को कम करने की योजना बना रही है और सालाना 5,000 करोड़ रुपए की बचत करने का मकसद रखा है। बीएसएनएल पिछले कुछ समय से कर्ज संकट से जूझ रही है। सरकार ने तीन रिवाइवल पैकेज की मदद से कंपनी को सपोर्ट किया है। अंतिम रिवाइवल पैकेज में सरकार ने बीएसएनएल के लिए 89,047 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी थी, जिसमें 4जी और 5जी सर्विस शुरू करने की योजना शामिल थी।

रतन टाटाः देश के प्रेरणास्त्रोत और व्यवसाय के महानायक

- रतन टाटा की काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया

नई दिल्ली ।

रतन टाटा भारत के एक प्रमुख उद्यमी और विचारक, एक शख्सियत है जिसने देश और विश्व को अपनी साफ़, सजीव और प्रेरणास्त्रोत शक्ति से प्रेरित किया है। उनका कारोबारिक जीवन और नेतृत्व और काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया है और उन्हें एक सफल उद्यमपीठ के रूप में माना गया है। रतन टाटा ने हमेशा अपने कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्य की भावना से देखा है और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं।

उनकी सादगी, सम्मानवादिता और व्यवहार का ताज और सच्चाई के साथ ही उन्हें सबके दिलों में एक अजेय स्थान दिलाया है।

एक खास कहानी जिसने रतन टाटा की महानता को और भी उजागर किया, वह है फोर्ड मोटर्स के साथ की एक घटना। जब टाटा इंडिका कार बाजार में मना नहीं पा रही थी, तो रतन टाटा ने अपने पैसेंजर कार व्यावसाय को बेचने का फैसला किया। इसमें फोर्ड मोटर्स के चेयरमैन बिल फोर्ड के मजाक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने अपमान को भूला नहीं। रतन टाटा ने फोर्ड के जैगुआर और लैंड रोवर ब्रांड को खरीदा और उसके उतार चढ़ाव में सहायक बने, जिससे टाटा मोटर्स ने अपने आदर्श और समर्पण की यात्रा को विस्तारित किया। इस्तीफा देने के बजाय, रतन टाटा ने अपनी निर्णयकता और सहनशीलता से विश्वास दिखाया और एक महान उपलब्धिस्तर को हासिल किया। रतन टाटा के लिए काम करने का मतबल पूजा था। उनका कहना था कि काम तभी बेहतर होगा, जब आप उसकी इज्जत करेंगे। उनमें एक और खासियत ये थी कि वे हमेशा शांत और सौम्य रहते थे, अपनी कंपनी के छोटे से छोटे कर्मचारी तक से वे बड़े प्यार से मिलते थे, उनकी जरूरतों को समझते थे और उनकी हर संभव मदद करते थे।

रतन टाटा के जीवन और कार्य का अद्वितीय उदाहरण है कि कभी भी असफलता के साथ जुड़ापन बेहतर कर्मचारी कर सकता है और सफलता के रास्ते पर निर्णयकता और संकल्प से निरंतर चलना अहम है। उनकी उदारता, विनम्रता और प्रेरणाप्रद प्रेरणा को हम सभी को अनुसरण करना चाहिए।

नया साला लगने से पहले निपटा लें तीन जरूरी काम

- इन कामों की समय सीमा 31 दिसंबर है

नई दिल्ली । नये साल 2025 का स्वागत करने के लिए तीन दिन बचे हैं। ये तीन दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसमें कई जरूरी काम हैं जो आपको समय रहते पूरा करने होंगे। क्योंकि तीन जरूरी कामों को निपटाने के लिए बस इतने ही दिनों का समय शेष बचा है। इन कामों की समय सीमा 31 दिसंबर को खत्म होने जा रही है। इनमें इनकम टैक्स से लेकर सेविंग स्कीम तक से जुड़े काम शामिल हैं। साल 2025 की शुरुआत यानी पहली जनवरी के साथ ही देश में कई फाइनेंशियल नियम बदलने जा रहे हैं। इनमें विवादित टैक्स के निपटारे के लिए इनकम टैक्स विभाग द्वारा शुरू की गई विवाद से विश्वास योजना शामिल है, तो वहीं लेट फीस के साथ बिलेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की अंतिम तिथि भी 31 दिसंबर 2024 है। इसके अलावा कई बैंक अपनी स्पेशल एफडी स्कीम में ज्यादा फायदा दे रहे हैं, इनमें से कुछ में निवेश का मौका साल के आखिरी दिन तक ही है। आयकर विभाग ने विवादित टैक्स मुद्दों के निपटाने के लिए विवाद से विश्वास योजना की शुरुआत की थी, जिसमें आयकर विवादों से परेशान टैक्सपेयर्स को कम अमाउंट देकर करा सकते हैं।

सरकार ने 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द की

- पिछले चार दौर की नीलामी में बेच दिए गए थे 24 खनिज ब्लॉक

नई दिल्ली । सरकार ने कंपनियों की ओर से ठंडी प्रतिक्रिया के कारण चौथे दौर में 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द कर दी है। इस निर्णय के बाद जिसमें 11 में से चार ब्लॉक के लिए कोई बोली नहीं मिली, कंपनियों को भारी नुकसान होने का सामना करना पड़ा है। बताया गया है कि टंगस्टन और ग्लोकोनाइट सहित चार ब्लॉक छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं और इन खनिजों का उत्पादन महत्वपूर्ण है स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए। इसी तरह बाकी के सात खनिज ब्लॉकों के लिए भी तीन से कम तकनीकी रूप से पात्र बोलियां मिली हैं और इन भी ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया रद्द कर दी गई है। नीति के अनुसार सरकार ने पहले भी ऐसे खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द की थी, जिनके लिए उपयुक्त बोलियां नहीं मिली थी। खान मंत्रालय ने इस बारे में यह जानकारी दी कि पिछले चार दौर की नीलामी में 24 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक बेच दिए गए थे। इस अप्रत्याशित निर्णय की उपेक्षा करने के परिणाम स्वरूप कंपनियों और खनिज सेक्टर के लिए चुनौतीपूर्ण समय हो सकता है। इससे इस सेक्टर में निवेश की सामर्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इसी बाजार संकट के बीच, सरकार को बेहतर उपाय ढूंढने की आवश्यकता हो सकती है।

क्रेडिला फाइनेंशियल ने आईपीओ के लिए दस्तावेज किए दाखिल

नई दिल्ली । वित्तीय कंपनी क्रेडिला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने गोपनीय प्री-फाइलिंग मार्ग के माध्यम से अपनी प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। यह घटनाक्रम पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के दौरान कंपनी के स्वामित्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव के बाद हुआ है। क्रेडिला ने एक सार्वजनिक घोषणा में सेबी और स्टॉक एक्सचेंज के साथ प्री-ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा कर दिए हैं। ईक्यूटी और क्रिसकैपिटल के एक निजी इक्विटी कंसोर्टियम ने क्रेडिला में 90.01 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,060 करोड़ रुपये में खरीदी, जिसमें 2,003.61 करोड़ रुपये की नई इक्विटी शामिल है। कंसोर्टियम ने क्रेडिला का प्री-मनी मूल्यांकन 10,350 करोड़ रुपये किया है। पिछले वित्त वर्ष के अंत तक ईक्यूटी के पास 72.01 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, क्रिसकैपिटल के पास 18 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और एचडीएफसी बैंक के पास 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

भारत का ऑस्ट्रेलिया को निर्यात नवंबर में 64.4 प्रतिशत बढ़ाः वाणिज्य मंत्रालय

- नवंबर माह में सालाना आधार पर 64.37 करोड़ डॉलर किया गया निर्यात

नई दिल्ली। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को नवंबर माह में सालाना आधार पर 64.37 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मान के साथ निर्यात किया है, जिसमें 64.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार के संबंध बढ़ रहे हैं। नवंबर तक कपड़ा, रसायन और कृषि उत्पादों के क्षेत्र में मजबूत वृद्धि के कारण ऑस्ट्रेलिया का भारत से निर्यात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से नवंबर तक, 2024-25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया को वस्तुओं का सालाना निर्यात 5.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5.56 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार संबंधों को दृढ़ किया गया है और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 दिसंबर 2022 को ईसीटीए को लागू करने के बाद, अब व्यापार समझौते को व्यापक करने के लिए दोनों देश बातचीत कर रहे हैं। ईसीटीए के सूचकांक पूर्ण होने पर, व्यापार और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार खुले हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। यह सुधार न केवल निर्यात में 14 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना दिखाता है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार और यात्रा सेवाओं में भी बढ़ोतरी की अच्छा संकेत देता है। गोयल ने इस समझौते से हमें 2030 तक 100 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य हासिल करने की संभावना दी है। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध मजबूत होंगे, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

इस सप्ताह आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

- प्रमुख नीतिगत घटनाओं पर बाजार की बारीकी से नजर रहेगी

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की वजह से करीब एक प्रतिशत की बढ़त पर रहे घरेलू शेयर बाजार की नजर इस सप्ताह भारत, अमेरिका और चीन की पीएमआई एवं वाहन बिक्री के आंकड़ों पर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार महत्वपूर्ण उत्प्रेरकों की अनुपस्थिति के कारण, इस सप्ताह बाजार हल्के सकारात्मक झुकाव के साथ सपाट बंद हुआ। बैंकिंग और फार्मा क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन ने आईटी क्षेत्र में गिरावट को संतुलित किया, जिससे प्रमुख सूचकांकों को स्थिरता मिली। मिडकैप और स्मॉलकैप के शेयर भी मामूली उतार-चढ़ाव के साथ सपाट बंद हुए। बाजार की सुस्त प्रवृत्ति में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट प्रमुख रही। इन कारकों ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ाया। अमेरिका के टैरिफ में संभावित वृद्धि और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की वर्ष 2025 तक ब्याज दरों में कटौती की कम संभावना निवेश धारणा को कमजोर कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आर्थिक नीतियों और ऊंचे मूल्यांकन पर अनिश्चितता विशेष रूप से उभरते बाजारों में अल्पकालिक दबाव बना सकती है। साथ ही अमेरिकी डॉलर की मजबूती और बॉन्ड यील्ड में वृद्धि एफआईआई की पूंजी निकासी को तेज कर रही है। हालांकि, निकासी की सीमित मात्रा ने बाजार को कुछ राहत प्रदान की है। आगे चलकर, घरेलू और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के साथ-साथ प्रमुख नीतिगत घटनाओं पर बाजार की बारीकी से नजर रहेगी, जो निकट भविष्य में इसकी दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस सप्ताह बाजार की नजर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के कंपनियों के नतीजे पर रहेगी, जो बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। निवेशक बजट-पूर्व अपेक्षाओं के आधार पर अपने पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं, जिससे रणनीतिक पुनर्संतुलन देखने को मिलेगा। साथ ही भारत, अमेरिका, और चीन के पीएमआई आंकड़े और अमेरिकी बेरोजगारी दावों जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतक निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। इनके अलावा दिसंबर में वॉल्यूम में बढ़ोतरी और मूल्यांकन में सुधार की संभावनाओं के चलते ऑटोमोबाइल क्षेत्र के बाजार की सुर्खियों में रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, निकट भविष्य में बाजार की दिशा मुख्य रूप से कंपनियों के तिमाही नतीजे, आर्थिक आंकड़ों और निवेशकों की बजट से जुड़ी उम्मीदों पर निर्भर करेगी।

हिमाचल के ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित होगाः मुख्यमंत्री सुक्खू

- राज्य सरकार संयंत्र स्था पित करने लगभग 20 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

शिमला । मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ऊना जिले में लगभग 20 करोड़ रुपये के निवेश से आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र की न्यूनतम प्रसंस्करण क्षमता होगी 500 किलोग्राम प्रति घंटा और यह आलू के गुच्छे के उत्पादन पर केंद्रित होगा। सुक्खू ने बताया कि राज्य में कुल सब्जी खेती में आलू का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत है। यह 16,960 हेक्टेयर से लगभग 2,38,317 टन उपज देता है। आलू प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना से किसानों को अधिक लाभकारी मूल्य मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आलू को फ्लेक्स जैसे मूल्य-संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत करने से यह संयंत्र आलू बाजार को स्थिर करेगा और किसानों की संवेदनशीलता में कमी आएगी। ऊना जिला में दोनों मौसमों में अच्छे उत्पादन के लिए संयंत्र की स्थापना करने के लिए अच्छी स्थिति है। सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कृषि विभाग को इस संबंध में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है और उम्मीद है कि यह योजना किसानों के लिए एक क्रांति लाएगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था में 6.5 से 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की उम्मीदः डेलॉयट इंडिया

- अगले वित्त वर्ष जीडीपी की वृद्धि दर 6.7 से 7.3 प्रतिशत के बीच रहेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जैसा कि डेलॉयट इंडिया ने अनुमान लगाया है। इसके साथ ही अगले वित्त वर्ष (2025-26) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कुछ अधिक यानी 6.7 से 7.3 प्रतिशत के बीच रहेगी। डेलॉयट इंडिया के एक अर्थशास्त्री ने बताया कि वृद्धि दर का अनुमान पहली छमाही में कम रहा है, जिसके पीछे चुनाव को लेकर अनिश्चितताएं, भारी बारिश और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों का प्रभाव है। लेकिन वह भी बताई कि कुछ क्षेत्रों में भारत ने जुझारू क्षमता दिखाई है, जैसे उपभोग का रुख, उच्च मूल्य वाले निर्माण की हिस्सेदारी निर्यात में और पूंजी बाजार में। डेलॉयट ने सरकार के द्वारा ढांचा विकास, डिजिटलीकरण, और विदेशी निवेश के उपायों पर ध्यान देने के साथ कुल दक्षता में सुधार की उम्मीद व्यक्त की है। इस संबंध में अर्थशास्त्री ने कहा कि हम सतर्क के साथ आशावादी हैं और उम्मीद करते हैं कि वृद्धि दर 6.5 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहेगी। अगले वित्त वर्ष में यह 6.7 से 7.3 प्रतिशत के बीच रहेगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर में अपने वृद्धि दर के अनुमान को 6.6 प्रतिशत पर कम किया था। यह उसके पहले अनुमान 7.2 प्रतिशत के साथ मिलता जुलता है। डेलॉयट ने बताया कि उच्च मूल्य वाले खंडों में भारत की मजबूत पोजीशन को दर्शाने में मदद मिल रही है, जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और रसायन सेक्टर। इसके बावजूद स्थानीय पूंजी बाजार में स्थिरता देखी जा रही है क्योंकि खुदरा और घरेलू निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है। हालांकि, पिछले तीन महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली

इंडो फार्म इक्विपमेंट का आईपीओ 31 दिसंबर को खुलेगा

- 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक बिडिंग कर सकेंगे

मुंबई ।

इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड का आईपीओ 31 दिसंबर को ओपन होने वाला है। निवेशक इस इश्यू में 2 जनवरी तक बिडडिंग कर सकेंगे और 7 जनवरी को यह शेयर्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी एक जमा 260.15 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इसमें कंपनी 184.90 करोड़ रूपए के 86,00,000 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है, जबकि मौजूदा निवेशक 75.25 करोड़ रुपए के 35,00,000 शेयर बेच रहे हैं। इस आईपीओ में निवेश करने के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम 14,835 और मैक्सिमम 1,92,855 रुपए इनवेस्ट कर सकते हैं। रिटेल निवेशकों के लिए 35 फीसदी हिस्सा रिजर्व है। इसके अतिरिक्त, 50 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है और बाकी का 15 फीसदरी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए है। इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने 1994 में स्थापना की थी और वह ट्रैक्टर, पिक एंड कैरी क्रेन और हार्वेस्टिंग इक्विपमेंट बनाती है। इंडो फार्म इक्विपमेंट के प्रोडक्ट विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट होते हैं, जैसे नेपाल, सीरिया, सूडान, बांग्लादेश, और म्यांमार।

आचार्य किशोर कुणाल का हार्ट अटैक से निधन

राम मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य थे: पूर्व आईपीएस महावीर मंदिर न्यास के सचिव भी रहे

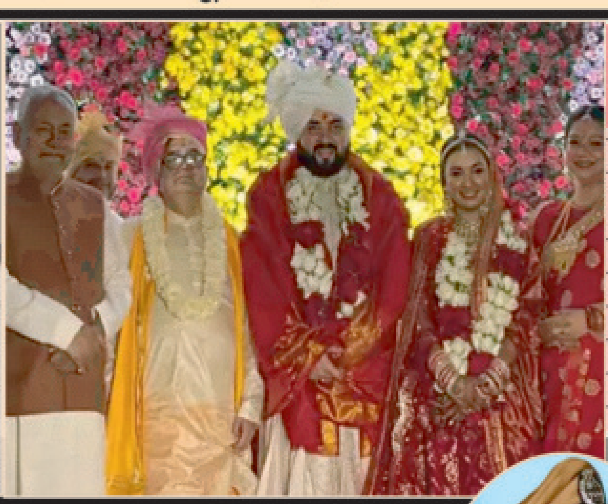

अपनी किताब में कई खुलासे किए

किशोर कुणाल ने अपनी किताब दमन तक्षकों में कई खुलासे किए थे। बिहार में चर्चित बॉबी हत्याकांड का जिक्र करते हुए किशोर कुणाल ने अपनी किताब में लिखा था कि गड़े हुए मुर्दे को भी निकाल कर जांच की गई थी। 15 दिनों तक उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा और तो वह पटना के महावीर मंदिर में आकर बैठ गए, लेकिन, अगले 3 दिनों में ही वह इस घटना में सफलता मिली लेकिन जांच को सीबीआई को सौंप दिया गया था। किशोर कुणाल लिखते हैं कि इस मामले में कई सफेदपोशों को यह डर था उनका चरित्र जनता के बीच उजागर हो जाएगा इसलिए 40 विधायक 2 मंत्रियों ने मिल कर इस केस की जांच सीबीआई को दिलवा दी।

पटना। महावीर मंदिर न्यास के सचिव और अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों में से एक आचार्य किशोर कुणाल का रविवार सुबह निधन हो गया है। वो 74 साल के थे। रविवार सुबह उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ। उसके बाद तुरंत महावीर वात्सल्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें बचाया नहीं जा सका। आचार्य किशोर कुणाल की अंतिम यात्रा सोमवार सुबह 9 बजे आवास से शुरू होगी। घर से महावीर वात्सल्य अस्पताल होते हुए महावीर मंदिर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। हाजीपुर के कोनहारा घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। जब देश में वीपी सिंह की सरकार थी तो उस वक्त आचार्य किशोर कुणाल को केंद्र सरकार ने विश्व हिंदू परिषद और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता के लिए विशेष अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया था। पूर्व वद्दर किशोर कुणाल बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के समधी भी थे। अशोक चौधरी की बेटी शांभवी की शादी किशोर कुणाल के बेटे सायण कुणाल से हुई है। किशोर कुणाल के निधन पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने शोक जताया है। आचार्य किशोर कुणाल बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और पटना के चर्चित महावीर मन्दिर न्यास के सचिव भी थे। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड पटना में कई स्कूलों और कैंसर अस्पताल का संचालन करती है। आचार्य किशोर कुणाल राजधानी पटना में ज्ञान निकेतन जैसे चर्चित स्कूल की स्थापना भी की। सीएम नीतीश, डिप्टी सीएम समेत कई नेताओं ने

जताया शोक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किशोर कुणाल के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि आचार्य किशोर कुणाल एक कुशल प्रशासक और संवेदनशील पदाधिकारी थे। उन्होंने महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव के पद पर रहते हुए सामाजिक और धार्मिक कार्यों को अच्छे से किया। उन्होंने बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पद पर रहते हुए अपने दायित्वों को निभाया। उनके निधन से प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। महावीर मंदिर न्यास के सचिव और बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आचार्य किशोर कुणाल जी के निधन की खबर से स्तब्ध हूं। आईपीएस की सेवा से रिटायर होने के बाद उन्होंने समाज सेवा में जो अभूतपूर्व योगदान दिया, वह हमेशा याद रखा जाएगा।

रिसेप्शन पार्टी में चाकूबाजी 4 घायल

जहानाबाद। के एरकी गांव में एक रिसेप्शन पार्टी के दौरान चाकूबाजी की घटना में चार लोग घायल हो गए। घटना नगर थाना क्षेत्र की है। घटना के बाद पार्टी में अफरा-तफरी मच गई, और लोग इधर-उधर भागने लगे। इस कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए थे। घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायलों की पहचान फैजान मलिक, इमरान, समीर मलिक और सोनू मलिक के रूप में हुई है। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। युवक ने अचानक चाकू से किया हमला घायल इरफान मलिक ने बताया कि उसके चचेरे भाई की रिसेप्शन पार्टी चल रही थी। इस दौरान दविश नामक व्यक्ति खाना खाने आया और वहां किसी से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर वह चाकू लेकर आया और हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक सुदय यादव अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना पुराने विवाद के कारण हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ननिहाल आया था युवक कटा हुआ मिला सिर

बॉडी खोज रही पुलिस, रेलवे ट्रैक के पास मिला टूटा फोन: FSL कर रही जांच

बेगूसराय। एक युवक की सिर कटी लाश मिली है। घटना बखरी थाना क्षेत्र के चकचनरपत बहियार स्थित एक पोखर के किनारे की है। मृतक की पहचान खगड़िया के रहने वाले 22 साल के छोटू कुमार के रूप में हुई है। छोटू अपने मामा के घर आया था। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। युवक के शरीर की तलाश की जा रही है। FSL की टीम को भी बुलाया गया है। घटनास्थल से थोड़ी दूर रेलवे लाइन किनारे मोबाइल का टूटा पार्ट और ढ़ेर सारा खून मिला है। घटना के कारणों का खुलासा अभी नहीं हो सका है। DSP कुंदन कुमार ने बताया कि आज बखरी थाना को

सूचना मिली कि चकचनरपत बहियार स्थित मुकेश यादव के पोखर के मुहार पर एक व्यक्ति का कटा हुआ सिर पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही बखरी डीएसपी कुंदन कुमार और थानाध्यक्ष फैसल अंसारी घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पाया गया कि मृतक छोटू कुमार खगड़िया के गंगौर थाना क्षेत्र स्थित उत्तरी भदास गांव निवासी राजेन्द्र महतो का बेटा है। वह अपने मामा चकचनरपत वार्ड नंबर-6 निवासी हरिनंदन महतो के यहां आया था। खोजबीन के दौरान पुलिस टीम को घटनास्थल स्थल से करीब 600-700 मीटर की दूर उत्तर दिशा में समस्तीपुर-खगड़िया रेलखंड के सलौना और इमली स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर खून, मोबाइल का टूटा हुआ पार्टस मिला है। सिर का हो रहा पोस्टमार्टम मौके पर मौजूद मृतक शख्स के मामा या किसी भी परिजन द्वारा स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया जा रहा है। घटनास्थल की जांच के लिए ऋछ टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। सिर को पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। एसपी के निर्देश पर घटना को गंभीरता से लेते हुए बखरी डीएसपी कुंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मृतक के शरीर के अन्य हिस्से की खोजबीन कर रही है।

जोमैटो डिलीवरी बॉय से मारपीट सिर पर तोड़ा हेलमेट

ऑर्डर प्लेस होने में देरी का किया था विरोध संचालक और उसके स्टाफ ने घूसे मारे

पूर्णिया। में डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। शनिवार को डिलीवरी बॉय ने होटल संचालक और उसके स्टाफ पर गाली-गलौज करने और उसे बुरी तरह से पीटने का आरोप लगाया है। डिलीवरी बॉय का कहना है कि ऑर्डर डिलीवरी में हो रही देरी का विरोध करने पर होटल संचालक ने स्टाफ के साथ मिलकर उसे थप्पड़ और घूसों से मारा। उसके ऊपर हेलमेट तोड़ दिया। जूता निकालकर उसे पीटा गया, मोबाइल फोन तक छीनकर फोड़ दिया गया। घटना शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के एक होटल की है। घटना से आक्रोशित जोमेटो कर्मी होटल के बाहर जमा हो गए। घटना की जानकारी सहायक खजांची थाना की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस होटल पहुंची और फिर होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। समूचे

घटनाक्रम को लेकर पीड़ित ने स्थानीय सहायक खजांची थाना में आवेदन भी दे रखा है। पुलिस मामले की सच्चाई का पता लगा रही है। पीड़ित जोमैटो कर्मी आकाश कुमार ने बताया कि वो कल कई होटल से खाने की डिलीवरी लेने आया था। इस होटल में आने पर काफी देरी की जा रही थी। इससे पहले कि टाइमिंग पहले ही कैंसिल हो चुकी थी। इसके बाद भी ऑर्डर बनाने में काफी देरी हो रही थी। इसी पर उसने आपत्ति जताई। तमतमाए होटल संचालक और उसके स्टाफ ने उसे पीटना शुरू कर दिया। मोबाइल फोन पटककर तोड़ने का आरोप जोमैटो कर्मी का आरोप है कि उसे थप्पड़, घूसे से ही नहीं, बल्कि पीटते हुए उसके ऊपर हेलमेट तोड़ दिया गया। जूता निकालकर उसकी पिटाई की गई और फिर इतने से भी मन नहीं भरा तो उसका मोबाइल फोन भी पटककर तोड़ दिया गया। इस मारपीट में वे बुरी तरह घायल हो गए। कुछ साथी को बुलाने पर उनके साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद सभी जोमाटो कर्मी जमा हो गए। घटना का विरोध किया और पुलिस को मामले की जानकारी दी।

हालांकि पीड़ित ने बताया कि होटल संचालक और स्टाफ ने माफी मांगी है। हजार्ना देना और सुलह के लिए वो आगे आए हैं।

डिप्टी सीएम की तकनीकी समस्या का कारण खराब

मोतिहारी। घोड़ासहन के भेलवा हाई स्कूल के मैदान में आयोजित एक विवाह ऐसा भी कार्यक्रम के तहत दोगा कार्यक्रम में शामिल होने आए बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण मोतिहारी में अटक गया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, जैसे ही वो हेलिकॉप्टर में सवार हुए तभी तकनीकी समस्या के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान भरने में असमर्थ हो गया। जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल इंजीनियरों को बुलाकर हेलिकॉप्टर को ठीक करने की कोशिश की, लेकिन सभी असफल रहे। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने तेजी से वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए सड़क मार्ग से यात्रा की तैयारी की। इसके बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री संतोष सिंह गाड़ियों के काफिले के साथ पटना के लिए रवाना हुए। जांच के दिए आदेश घटना के बाद स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का माहौल गर्म है। प्रशासन ने हेलिकॉप्टर की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, डिप्टी सीएम ने स्थिति को सहजता से संभालते हुए यात्रा जारी रखी। इस घटना ने सरकार की तकनीकी व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस दौरान डिप्टी सीएम का संयम और तेजी के लिए गए फैसले ने स्थिति को नियंत्रण में रखा।

संक्षिप्त डायरी

एंटी लीकर फोर्स 700 किलोग्राम जावा जापानी को नष्ट कर दिया गया

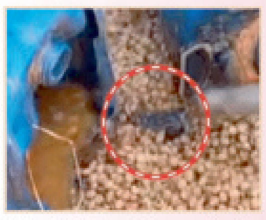

जमुई। में अवैध शराब के खिलाफ जंगली इलाकों में पुलिस की एंटी लीकर फोर्स लगातार अभियान चला रही है। खैरा इलाके के ललमटिया के जंगली क्षेत्रों में भी एंटी लीकर फोर्स को अवैध शराब के कई ठिकाने मिले है। कई जगहों पर शराब माफिया शातिर तरीके से जमीन के नीचे तीन बड़े ड्रम और तीन छोटे गैलन में 700 किलो भरी हुई जावा महुआ बरामद किया। इस दौरान शराब बनाने में उपयोग किया जाने वाला कई पैकेट टेबलेट (दवाई) भी जब्त किया। शराब माफिया के द्वारा पुलिस के नजर से बचाने के लिए सभी ड्रम को जंगली इलाके में जमीन के नीचे 6 से 7 फीट गड्ढे में डालकर उसके ऊपर प्लास्टिक के बोरे से ढक दिया गया था। पुलिस ने इस पूरे कार्रवाई का वीडियो भी बनाया। जमीन के अंदर गाड़ कर शराब बनाने की थी तैयारी पुलिस के बनाए गए वीडियो में साफ सुना जा सकता है कि पुलिस भी हैरान है कि शराब माफिया के इस तरह के जमीन के अंदर गाड़ कर शराब तैयारी की तरकीब से, पुलिस ने शराब बनाने में उपयोग किए जाने वाला दवाई को भी दिखा रहे है। पुलिस जब्त किए गए जावा महुआ जब नष्ट कर रहा था, वह उस समय हैरान रह गया जब ड्रम से एक मारा हुआ चूहा भी पाया गया। पुलिस यह भी कह रही है कि इसी तरह के जहरीली शराब पीने के लोगों की मौत हो जाती है। दल बल के साथ की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के खैरा थाना के ALTF -5 के प्रभारी विद्या रंजन कुमार ने अपने दल बल के साथ यह कार्रवाई की है। बता दें कि खैरा थाना क्षेत्र का ललमटिया इलाका जो हॉटपॉट माना जाता है। इन क्षेत्रों से अवैध देसी शराब तैयार किए जाने के बाद कई जगहों पर सप्लाई भी किया जाता है।

प्लास्टिक के खिलाफ पुलिस और नगर निगम की छापेमारी

छपरा। शहर में दर्जनों की संख्या में पुलिसकर्मी और नगर निगम के पदाधिकारी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी करने पहुंचे। इस दौरान शहर की योगनिया कोठी, नगरपालिका चौक, थाना चौक, साहिबगंज और सब्जी मंडी में छापेमारी करते हुए 50 किलोग्राम प्लास्टिक और प्लास्टिक से बने सामानों को जब्त किया गया। जबकि बेचने वाले दुकानदारों पर 8000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी की खबर मिलते ही शहर के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। सभी दुकानदार अपने-अपने दुकान में रखें प्लास्टिक के थैली और सामग्री हटाने लगे। छपरा नगर निगम क्षेत्र सहित पर्यावरण को लेकर राज्य सरकार के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत छापेमारी की गई। 50 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त औचक छापेमारी टीम का नेतृत्व कर रहे स्वच्छता पदाधिकारी संजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि बिहार सरकार के आदेश पर समस्त बिहार सहित छपरा नगर निगम को प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत छापेमारी करते हुए प्लास्टिक का उपयोग और बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही की गई। जिसमें शहर के अलग अलग जगहों पर छापेमारी करते हुए 50 किलोग्राम प्लास्टिक और उसके बने समान को जब्त किया गया। शहरी क्षेत्र में प्लास्टिक का इस्तेमाल करनेवाला और बिक्री करनेवाले के खिलाफ 8 हजार का जुमार्ना लगाया गया। स्वच्छता पर अधिकारी ने बताया कि आगामी दिनों में भी शहर के अलग-अलग क्षेत्र में औचक छापेमारी किया जाएगा जिसमें पकड़े गए दुकानदारों पर जुमार्ना करते हुए प्लास्टिक जप्त किया जाएगा। पर्यावरण को स्वच्छ रखने को लेकर छपरा नगर निगम का महिम लगातार चलता रहेगा।

तीसरी पार्टी में हुए फोटोशूट मामले का सीसीटीवी से खुलासा

रोहतास। के नगर थाना क्षेत्र के पुरानी जीटी रोड के पास एक हाता में शुक्रवार की रात चल रहे बर्थडे पार्टी में युवक बादल कुमार (35) की हत्या गोली मार कर कर दी गई थी। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने ट्रैफिक डीएसपी आदिल बिलाल पर हत्या का आरोप लगाया गया था। इस मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसके संबंध में शनिवार की देर रात सासाराम नगर थाना में एसपी रौशन कुमार ने प्रेस कान्फ्रेंस की। जिसमें उन्होंने बताया कि घटना को लेकर पुरानी जीटी रोड पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि सड़क पर युवक एक खड़े ट्रक चालक से विवाद कर रहे थे। तभी ट्रैफिक डीएसपी वहां पहुंचते हैं।

मिथिला पेंटिंग सीखने मधुबनी पहुंची इटली की अल्फांसो इनरिका

मधुबनी। की विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग के आकर्षण ने इटली की 33 वर्षीय रिसर्च स्कॉलर अल्फांसो इनरिका को भारत खींच लाया है। बचपन से पेंटिंग में रुचि रखने वाली अल्फांसो, मधुबनी की पारंपरिक कला और उसकी सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझने के लिए यहां दो सप्ताह का प्रवास कर रही हैं। वे मिथिला पेंटिंग इंस्टीट्यूट की प्रशिक्षिका डॉक्टर रानी झा के मार्गदर्शन में पेंटिंग की बारीकियां सीख रही हैं। कला से प्रभावित होकर पहुंची मधुबनी अल्फांसो ने मधुबनी पेंटिंग के प्रति अपने आकर्षण को व्यक्त करते हुए कहा कि इस कला ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि यहां के कलाकार न केवल पारंपरिक कला को जीवंत बनाए हुए हैं, बल्कि इससे आत्मनिर्भर भी हो रहे हैं। उन्होंने भारत के अन्य राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा की कलाओं का भी अध्ययन किया है लेकिन मधुबनी पेंटिंग उन्हें सबसे अनोखी और जीवंत लगी। मधुबनी के ग्रामीण इलाकों में जाकर अल्फांसो ने कलाकारों से बातचीत की और उनकी जीवनशैली, परंपराओं और संघर्षों को समझा।

उन्होंने पद्मश्री दुलारी देवी से भी मुलाकात की और उनके घर की दीवारों पर बनी मिथिला पेंटिंग देखकर बेहद खुश हुईं।

हनुमान पूजा में हर हाल अपने गांव आते थे

किशोर कुणाल की मौत पर भावुक हुए दोस्त, कहा- पढ़ाई के अलावा किसी चीज में नहीं रखी रुचि

मुजफ्फरपुर। आचार्य किशोर कुणाल की मौत पर उनके पैतृक गांव बरुराज में शोक की लहर है। गांव के लोगों ने बताया कि किशोर कुणाल की अचानक मौत की खबर मिलते ही हम लोग स्तब्ध रह गए। हमारे गांव के लाल, बिहार के धरोहर अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके छोटे भाई नंद किशोर शाही खबर मिलते ही पटना के निकल गए। पैतृक घर के दरवाजे पर ताला है और चारों तरफ सन्नाटा फैला हुआ है। सहपाठी बोले- बचपन से हमलोग साथ रहे, गंभीर नेचर के इंसान थे आचार्य के सहपाठी और बचपन के दोस्त वीर बहादुर शाही ने बताया कि उनका जाना एक अपूरणीय क्षति है। बचपन से इंटर कॉलेज तक हम लोग साथ पढ़े। उनके व्यवहार में बहुत अपनापन था। बचपन की पढ़ाई गांव के ही बरुराज मिडिल स्कूल फिर हाई स्कूल से हुई थी। उसके बाद एलएस कॉलेज चले गए, जहां हम आर्ट्स ब्लॉक में थे और वे साइंस ब्लॉक में थे। हनुमान जी की पूजा में हमेशा उपस्थित रहते थे इंटर के बाद वे पटना चले गए और साइंस छोड़कर आर्ट्स की पढ़ाई करने लगे। साल 1972 में वह आईपीएस बने। गांव में पर्व, त्योहार या किसी भी फंक्शन में आते जाते थे। हमारे परिवार में हनुमान जी की पूजा होती थी। उसमें वह हर हाल में आते थे। साथ ही शादी ब्याह और अन्य कार्यों में गांव आना जाना बना रहा।

बचपन से ही किशोर कुणाल गंभीर प्रवृति के थे। पढ़ाई के प्रति गहरा लगाव था। इसके अलावा वो और अन्य चीजों में ज्यादा रुची नहीं रखते थे। उनके बेटे सायन कुणाल गांव नहीं आते हैं, लेकिन किशोर कुणाल किसी की भी शादी के समय गांव आते थे। किशोर कुणाल के पड़ोसी वीरेंद्र कुमार शाही बताते हैं कि मैं चौथी क्लास में पढ़ाई करता था। तब वे हाई स्कूल में थे। वह खासकर सावन में घर में पूजा करने आते थे। गांव में किसी की शादी हो, सुख हो या किसी का श्राद्ध हो, उसमें आचार्य कुणाल अपने गांव जरूर आते थे। महावीर मंदिर न्यास के सचिव और अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों

में से एक आचार्य किशोर कुणाल (74) का रविवार सुबह निधन हो गया। आज सुबह उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ, जिसके बाद तुरंत महावीर वात्सल्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें बचाया नहीं जा सका। आचार्य कुणाल की अंतिम यात्रा सोमवार सुबह 9 बजे आवास से शुरू होगी। घर से महावीर वात्सल्य अस्पताल होते हुए महावीर मंदिर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। हाजीपुर के कोनहारा घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा।

सोमवती अमावस्या कब है, जानें पूजा का मुहूर्त और दान-पुण्य का महत्व

हिंदू धर्म में सभी तिथियों को महत्वपूर्ण माना गया है। वहीं अमावस्या तिथि का भी विशेष महत्व बताया गया है। सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने और पूजा-पाठ करने से व्यक्ति के सुख-समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। सोमवती अमावस्या के दिन स्नान-दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि कब पड़ रही है। पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

सोमवती अमावस्या कब है?

वैदिक पंचांग के हिसाब से इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ने वाली है। इस साल यह तिथि 30 दिसंबर को पड़ने वाली है। आपको बता दें, 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट से लेकर इस तिथि का समापन सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर इस साल सोमवती अमावस्या का व्रत 30 दिसंबर को मनाया जाएगा।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कब है?

सोमवती अमावस्या के दिन स्नान ब्रह्म मुहूर्त में करना शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त प्रात: 5.24 से 6.19 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्नान करना उत्तम फलदायी माना गया है।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त – दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति को अक्षत फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का महत्व

सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा–अर्चना करने से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि हो सकती है और जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो जाती है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को मनचाहे वर की कामना है, तो वह भी इच्छा पूरी हो सकती है।

सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाएं?

हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

पंचांग के हिसाब से कुल 12 अमावस्या तिथि पड़ती है। इस दौरान विशेष रूप से पितरों की पूजा–अर्चना की जाती है। इस दिन स्नान–दान करने भी शुभ माना जाता है और व्यक्ति को पितृदोष से भी मुक्ति मिल जाती है। आपको बता दें, अमावस्या तिथि के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा–अर्चना करने से व्यक्ति को सुख–समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में सोमवती अमावस्या सोमवार के दिन पड़ रहा है, जिसके कारण इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने की मान्यता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं दूध

शास्त्रों में पीपल के पेड़ को मोक्षदायिनी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि पीपल के पेड़ में दूध चढ़ाने से व्यक्ति को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अमावस्या के दिन दूध चढ़ाने से व्यक्ति को मनचाहे फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, पीपल के पेड़ में सभी देवी–देवताओं का वास होता है और इस दिन पीपल के पेड़ में दूध अर्पित करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और जीवन में आने वाली सभी समस्याएं भी दूर हो जाती है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं तिल

पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से व्यक्ति को शनिदोष से छुटकारा मिल जाता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति को बैकुंठ की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, तिल का संबंध पितरों से माना जाता है। इसलिए, पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पीपल के पेड़ में चढ़ाएं गुड़

पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाना का भी विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको बार–बार किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो इससे अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। शनि दोष के कारण व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुड़ चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अपने आशीर्वाद देते हैं। साथ ही मनचाहे परिणाम भी मिलते हैं।

पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं, लाल चंदन ही क्यों लगाते हैं?

पौष माह भगवान विष्णु को समर्पित है। पौष माह में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसा माना जाता है कि पौष माह में श्री हरि नारायण की आराधना करने से व्यक्ति के दुख दूर हो जाते हैं और भगवान विष्णु का सानिध्य प्राप्त होता है। वहीं, शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि पौष माह के दौरान भगवान विष्णु का श्रृंगार करना भी शुभ होता है। हालांकि, यह भी उल्लेखित है कि पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं बल्कि लाल चंदन लगाना चाहिए। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि क्यों पौष माह में लगाया जाता है श्री हरि विष्णु को लाल चंदन।

पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने के लाभ

- पौष माह के दौरान भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से सूर्य की कुंडली में स्थिति मजबूत होती है। सूर्य ग्रह के मजबूत होने से भाग्य का साथ मिलने लगता है। सौभाग्य में वृद्धि होती है और सफलता प्राप्ति में आ रही बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। तरक्की के मार्ग खुलने लगते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से मंगल ग्रह की शुभता भी मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि लाल रंग मंगल का प्रतीक माना जाता है। मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव से मांगलिक कार्य, विशेष रूप से विवाह में आ रही बाधाएं या फिर वैवाहिक जीवन के दुख दूर होते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाना इसलिए भी शुभ माना जाता है क्योंकि इससे उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता होती है। असल में लाल रंग मां लक्ष्मी का प्रिय है। मां लक्ष्मी का वास जहां होता है वहीं श्री हरि विराजते हैं। लाल चंदन विष्णु जी को लगाने से मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।
- पौष माह में लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ भी प्रसन्न होते हैं और उनका क्रोध शांत हो जाता है। भगवान विष्णु को पितरों का देवता माना गया है। ऐसे में पौष माह के दौरान लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ दोष से भी राहत मिलती है और शुभ कार्य सफल होते हैं।

सोमवती अमावस्या के दिन क्या दान करना चाहिए?

पौष माह की अमावस्या यानी कि साल की आखिरी अमावस्या 30 दिसंबर, दिन सोमवार को पड़ने जा रही है। जहां एक ओर सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान का विशेष स्थान मौजूद है तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन दान करना भी बहुत हितकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

सोमवती अमावस्या के दिन करें तिल का दान

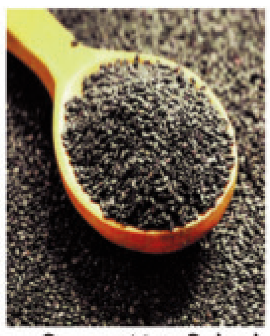

तिल का संबंध शनि देव से माना जाता है। इसके अलावा, तिल का नाता पितरों से भी है। ऐसे में सोमवती अमावस्या के दिन तिल का दान करने से न सिर्फ शनि देव प्रसन्न होते हैं बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है और घर में सुख–समृद्धि आती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें वस्त्र का दान

सोमवती अमावस्या के दिन काले वस्त्रों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। काले वस्त्रों का दान करने से घर या घर के सदस्यों को लगी बुरी नजर उतर जाती है। इसके अलावा, काले वस्त्रों का सोमवती अमावस्या के दिन दान करने से राहु मजबूत होता है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें गुड़ का दान

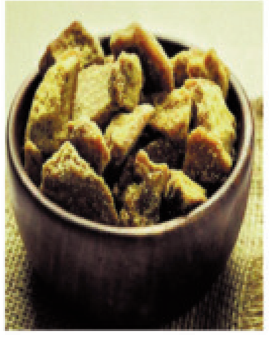

सोमवती अमावस्य के दिन गुड़ का दान करने से पारिवारिक क्लेश दूर होता है। अगर परिवार के सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार का मतभेद है तो वह नष्ट हो जाता है और आपसी तालमेल, प्यार और विश्वास बढ़ता है। पारिवारिक शांति स्थापित होती है।

सोमवती अमावस्या के दिन करें जूते का दान

सोमवती अमावस्या के दिन जूतों का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जूतों का दान करने से घर में पसरी हुई धन की कमी दूर हो जाती है। इसके अलावा, घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट होने लगती है और सकारात्मकता बढ़ती है।

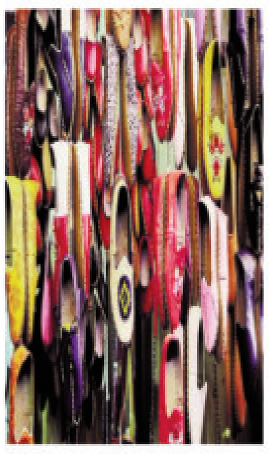

माघ मास में किए जाते हैं कौन से 10 पुण्य के काम

माघ मास को बहुत ही पवित्र माह माना जाता है। इस माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अत: माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है। आओ जानते हैं कि माघमास में कौनसे 10 पुण्य के काम किए जाते हैं।

- **माघ स्नान**
  इस मास में शीतल जल के भीतर डुबकी लगाने वाले मनुष्य पापमुक्त हो जाते हैं। संगम नहीं तो गंगा, गोदावरी, कावेरी, नर्मदा, कृष्णा, क्षिप्रा, सिंधु, सरस्वती, ब्रह्मपुत्र आदि पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए।
- **दान**
  माघ माह में कंबल, वस्त्र, तिल, अन्न, घी, नमक, गुड़, पांच तरह के अनाज, गाय आदि का दान करने से हजार गुना पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तिल का महत्व**
  माघ कृष्ण द्वादशी को यम ने तिलों का निर्माण किया और दशरथ ने उन्हें पृथ्वी पर लाकर खेतों में बोया था। अतएव मनुष्यों को उस दिन उपवास रखकर तिलों का दान कर तिलों को ही खाना चाहिए।
- **व्रत**
  माघ महीने की शुक्ल पंचमी से वसंत ऋतु का आरंभ होता है और तिल चतुर्थी, रथसप्तमी, भीष्माष्टमी आदि व्रत प्रारंभ होते हैं। माघ शुक्ल चतुर्थी को उमा चतुर्थी कहा जाता है। शुक्ल सप्तमी को व्रत का अनुष्ठान होता है। उक्त दिनों में व्रत रखने से सभी तरह के संकट दूर होकर पुण्य की प्राप्ति होती रहे।
- **विष्णु पूजा**
  माघ माह में श्रीहरि भगवान विष्णु की माता लक्ष्मी के साथ पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख, शांति, धन और समृद्धि बनी रहती है। उपरोक्त बताए गए व्रतों में भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **कल्पवास**
  माघ माह में कल्पवास का बहुत महत्व है। नदी के तट पर साधुओं के साथ कुटिया बनाकर कुछ विशेष दिनों तक रहने को कल्पवास कहते हैं। इससे सांसारिक और आध्यात्मिक उन्नति होती है।
- **सत्संग**
  इस माह में संतों के साथ सत्संग करने और धर्म, कर्म की बातों को ग्रहण करने के बहुत महत्व होता है। इससे मन निर्मल होकर पुण्य की प्राप्ति होती है। सत्संग से धर्म का ज्ञान प्राप्त होता है। धर्म के ज्ञान से जीवन की बाधाओं से मुकाबला करने का समाधान मिलता है।
- **स्वाध्याय**
  स्वाध्यय के दो अर्थ है। पहला स्वयं का अध्ययन करना और दूसरा धर्मग्रंथों का अध्ययन करना। आप स्वयं के ज्ञान, कर्म और व्यवहार की समीक्षा करते हुए पढ़ें, वह सब कुछ जिससे आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता हो साथ ही आपको इससे खुशी भी मिलती हो।
- **दीपदान**
  माघ पूर्णिमा या किसी विशेष दिन पर नदी तट पर या नदी में दीपदान करने को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे देवी और देवता प्रसन्न होते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।
- **तर्पण**
  माघ माह में अमास्या और पूर्णिमा के दिन पितरों के निमित्त तर्पण करना चाहिए क्योंकि इस पवित्र माह में पितरों को मुक्ति मिलती है। यह पुण्य का सबसे बड़ा कार्य है।

माघ माह के प्रारंभ होते ही मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं और इस माह में सूर्य उत्तरायण रहता है। अतः माघ माह में दान, पुण्य आदि के कार्य किए जाने से सभी तरह के संकट मिटकर व्यक्ति सुख और समृद्धि पाता है।

बुमराह और सिराज की घातक गेंदबाजी से दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 228/9 , कुल बढ़त 333 पहुंची

–नितीश के 114 रनों से भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये 369 रन

–ऑस्ट्रेलिया पहली पारी 474 रन

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय टीम नीतीश रेड्डी के 114 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 369 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 105 रनों की बढ़त मिली हुई है। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत की पर वह बेहद खराब रही। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और उसने दूसरी पारी में अपने 9 विकेट 228 रनों पर ही खो दिये। इस प्रकार उसकी कुल बढ़त 333 रनों की हो गयी है।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय पर नाथन लायन 41 और स्कॉट बोलैंड 10 रनों पर खेल रहे थे। मेजबान टीम ने 20 रनों के स्कोर पर ही युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास का विकेट खो दिया। कोंस्टास 8 रन बनाकर जप्रीत बुमराह का शिकार बने। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को भी 21 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मि?थ भी 13 रन बनाकर पेवेलियनप लौट गये। बुमराह ने 34वें ओवर में पहले ट्रेविस हेड को 1 रन और फिर उसी ओवर की अंतिम गेंद पर मिचेल मार्श को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। बुमराह ने हेड को आउट करने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट लिए। इसके बाद बुमराह ने अपने अगले ओवर में ही एलेक्स कैरी को केवल 2 रनों पर ही बोल्ड कर दिया। कैरी के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन और कप्तान पैट कमिंस ने पारी को संभाला। दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। मो सिराज सिराज ने मार्नस लाबुशेन को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा। लाबुशेन ने तीन चौके की मदद से 139 गेंदों पर 70 रन बनाए और पारी को काफी हद तक संभाला। मेजबान टीम की शुरुआत खराब रही और सलामी सैम कोंस्टास सिर्फ 8 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए। उस्मान ख्वाजा भी 21 रन बनाकर सिराज का शिकार बने। स्मिथ और लाबुशेन के बीच 37 रनों की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 80 रन पर दो विकेट था। इसके बाद 11 रन बनाने में टीम ने चार विकेट खो दिये। अंतिम जोड़ी लायन 41 और स्कॉट बोलैंड 10 ने भारतीय टीम को अंतिम विकेट लेने नहीं दिया दोनो ने ही 110 गेंदों पर 55 रनों की अच्छी साझेदारी की।

नाओमी ओसाका ने कहा, अगर नतीजे नहीं आए तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी

वेलिंगटन (एजेंसी)। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर उनके नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। जापान की 27 वर्षीय खिलाड़ी अक्टूबर में चाइना ओपन में लगी पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए अपना पहला मैच सोमवार को ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में खेलेंगी जिसमें पहले दौर में उनका सामना इस्राइल की लिना ग्लूस्को से होगा। ओसाका ने रविवार को ऑकलैंड में टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2024 में उन्होंने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया और वह सत्र का अंत 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहे। '' उन्होंने कहा, ''मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं लेकिन मैं अभी अपने जीवन के जिस मुकाम पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक निश्चित रैंकिंग से ऊपर नहीं हूं तो मैं खुद को खेलते हुए नहीं देखूंगी।'' ओसाका ने कहा, '' अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं अपनी बेटी के साथ समय बिताना पसंद करूंगी। '' ओसाका का 2024 में जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा जिसमें वह दोहा और नीदरलैंड में हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक पहुंची।

यशस्वी के चार कैच छोड़ने पर भड़के रोहित

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आज मैदान में उस समय भड़क गये जब युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने चार कैच छोड़ दिये। इसको लेकर रोहित ने यशस्वी को फटकार भी लगायी। यशस्वी ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में ये कैच तब छोड़ा जब लाबुशेन ने आकाश दीप की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने 99 रन पर 6 विकेट खो दिये थे पर यशस्वी कैच पकड़ने में विफल रहे। वहीं इससे पहले तीसरे ओवर में, उन्होंने उस्मान ख्वाजा का भी एक कैच छोड़ा था। ख्वाजा ने उस समय केवल 2 रन बनाये थे। ख्वाजा ने इसका लाभ उठाया और 21 रन बनाये। वहीं लाबुशेन ने जीवनदान का लाभ उठात हुए अर्धशतक पूरा किया। वह 70 रन पर आउट हुए। यशस्वी ने चायकाल से पहले अंतिम ओवर में पैट कमिंस का भी एक कैच छोड़ दिया। उसके बाद कमिंस ने

लाबुशेन के साथ सातवें विकेट के लिए नाबाद 44 रन की साझेदारी बनायी।

इसप्रकार कैच गिरने का लाभ उठाते हुए ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 9 विकेट के नुकसान पर 228 रन बनाते हुए 333 रन की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे पारी में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने टिक नहीं पाये। बुमराह ने 4 जबकि सिराज ने 3 विकेट लिए। एक विकेट रविन्द्र जडेजा को मिला।

बुमराह सबसे तेजी से 200 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रूप से दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपने 200 विकेट पूरे करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने अपने 44वें टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए। ट्रेविस हेड का विकेट उनका टेस्ट में 200वां विकेट था। बुमराह ने 8484 गेंदों पर अपने 200 विकेट पूरे किए। इस प्रकार बुमराह बुमराह सबसे तेजी से 200 विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले स्पिनर रवींद्र जडेजा ने भी 44वें टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। भारतीयों में केवल आर अश्विन ही बुमराह से तेज 200 विकेट लेने में सफल रहे हैं। अश्विन ने 38वें टेस्ट में ये उपलब्धि हासिल की थी। बुमराह ने इस दौरान अपने साथी खिलाड़ी मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 200 टेस्ट विकेट लेने के लिए

9896 गेंदें फेंकी थीं। कुल मिलाकर देखा जाये तो ओवरऑल जसप्रीत बुमराह इस मामले में चौथे नंबर पर हैं। बुमराह ने 200 टेस्ट विकेट लेने के लिए 8484 गेंदें ली हैं। वहीं पाकिस्तान के वकार यूनुस, दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन और कगिसो रबाडा इस मामले में उनसे आगे है।बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में ट्रेविस हेड को नीतीश रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर अपने 200 विकेट लिए।

200 या उससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने के मामले में बुमराह औसत के मामले में सबसे आगे हैं। इस मामले में बुमराह ने वेस्टइंडीज के मैल्कम मार्शल, जोएल गार्नर और कर्टली एम्ब्रोस जैसे दिग्गजो को भी पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने अब तक 44 टेस्ट मैचों में 19.38की औसत से 202 विकेट लिए हैं। वहीं मैच की बात करें भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 474 रनों के जवाब में अपनी पहली पारी में 369 रनों पर ही आउट हो गयी। सबसे अधिक 114 रन नितीश रेड्डी ने बनाये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजबान टीम को 105 रनों की बढ़त मिली हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की दूसरी पारी की शुरुआत निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक के बाद एक विकेट गिरा दिये। 100 रनों के अंदर ही आधी मेजबान टीम पेवेलियन लौट गयी। छह विकेट गंवा दिए। बुमराह ने इन छह में से चार विकेट लिए।

2025 में कौन होगा आरसीबी का कप्तान ?

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट कोहली के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके। अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार करते हुए जरुरत के अनुसार खिलाड़ी खरीदे।

आईपीएल से मिली थी नितीश को पहचान

मुम्बई । भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर नितीश कुमार रेड्डी आज जहां ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाकर चर्चाओं में हैं और टीम का भविष्य माने जा रहे हैं। नितीश ऐसे ही यहां तक नहीं पहुंचे। इससे पहले उन्होंने इस साल आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सबका ध्यान खींचा था। उसके बाद ही उन्हें भारतीय टी20 टीम में भी जगह मिली थी। उन्होंने आईपीएल 2024 सत्र में 303 रन बनाए थे नितीश की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। उन्होंने साल 2017-18 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में आंध्र प्रदेश की ओर से तिहरा शतक लगाया था। उन्होंने 14 साल की उम्र में 345 गेंद खेलते हुए 441 रन बनाये थे। उन्होंने उस टूर्नामेंट में कुल 1237 रन 176.41 के जबरदस्त औसत से रन बनाए थे जो अभी तक एक रिकार्ड है। उन्हें बीसीसीआई की ओर से अंडर-16 क्रिकेटर ऑफ द सीजन अवार्ड भी मिला था। नितीशक को बड़ी पहचान आईपीएल से ही मिली जहां उन्होंने 143 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

भारत की कोनेरु हम्पी बनी विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन

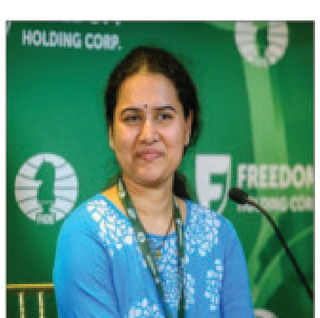

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क (निकलेश जैन) भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला शतरंज खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी ने एक बार फिर देश को गर्व करने का मौका दिया है , हम्पी ने न्यूयॉर्क के वाल स्ट्रीट में सम्पन्न हुई विश्व रैपिड महिला शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतते हुए विश्व रैपिड विश्व विजेता बनने का कारनामा एक बार फिर से कर दिखाया है , पाँच साल पहले 2019 में भी कोनेरु हम्पी ने यह खिताब हासिल किया था । आखिरी राउंड के ठीक पहले हम्पी समेत कुल 7 खिलाड़ी 7.5 अंको पर खेल रहे थे जिसमें भारत को हरिका द्रोणावल्ली भी शामिल थी पर आखिरी राउंड में सिर्फ हम्पी ही जीत दर्ज करने में सफल रही जबकि बाकी सभी मुकाबले बेनतीजा रहे ।

हम्पी के सामने काले मोहरो से इन्डोनेशिया की करिश्मा इरेने सुकंदर थी , इटेलिअन ओपनिंग में उनका खेल लगभग ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था पर हम्पी एक अतिरिक्त प्यादा होने के चलते दबाव बनाने की कोशिश कर रही थी और खेल की 48वीं चाल में करिश्मा अपने राजा की गलत चाल चल गयी और हम्पी नें इसका फायदा उठाते हुए 67 चालों में खेल अपने नाम कर लिया । अन्य मुकाबलों में भारत की हरिका द्रोणावल्ली नें चीन की तान झोंगाई से , रूस की लागनों काटेरयना नें उज़्बेकिस्तान की अफरुजा खंदमोवा से और जून वेंजून नें कजकिस्तान की बिबिसारा असुबाएवा से बाजी ड्रॉ खेली । बेहतर टाईब्रेक के कारण वर्तमान विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन और टॉप सीड चीन की जू वेंजून नें रजत पदक और रूस की लागनों काटेरयना नें कांस्य पदक अपने नाम किया ।

करण जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए प्रायोजक तलाशे महासंघ : बोपन्ना

मुंबई । अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने करण सिंह को प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया है। बोपन्ना ने कहा है कि करण जैसी खेल की प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय महासंघ प्रयास करे। बोपन्ना ने कहा कि इसके लिए महासंघ प्रयोजकों की भी तलाश करे। बोपन्ना के अनसार महासंघ को करण सिंह और उसकी तरह के और भी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का सभी प्रकार से सहयोग करना चाहिये। बोपन्ना ने कहा कि मैं करण को खेलते हुए देख रहा हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए न सिर्फ निजी प्रायोजकों बल्कि राष्ट्रीय महासंघ से भी सहयोग की जरूरत है। यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर खेलने का अवसर मिल रहा है।'' बोपन्ना अभी पहली बार टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) में राजस्थान रेंजर्स की तरफ से खेल रहे हैं जो 154 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

स्पोर्ट्स डेस्क। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल किया और चौथे दिन 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह 11 मैचों में से सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की संभावनाएं

भारत ने पहले दो फाइनल खेले हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हारने और फिर एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट हारने के बाद लगातार तीसरा खिताबी मैच खेलने की उनकी उम्मीदें कमजोर दिख रही हैं।

एमसीजी में सीरीज का चौथा टेस्ट मैच अभी एक दिन बाकी है और ऑस्ट्रेलिया 330+ रन से आगे है। सीरीज 1-1 से बराबर होने से पहले भारत को इतिहास रचने के लिए प्रदर्शन करना होगा। अगर भारत किसी तरह मेलबर्न और सिडनी दोनों में जीत हासिल कर लेता है, तो उसका सामना डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 में दक्षिण अफ्रीका से होगा।

अगर भारत मेलबर्न में चल रहे मैच को ड्रा कराता है और सिडनी में पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम करता है, तो ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से जीतनी होगी। अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका में अपनी सीरीज जीतने में विफल रहता है, तो भारत फाइनल में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

अगर ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न टेस्ट जीत जाता है और फिर सिडनी में हार जाता है या इसके विपरीत, तो ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ अपनी सीरीज कम से कम 0-1 से हारनी होगी। किसी भी अन्य परिणाम से ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

अगर भारत और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा टेस्ट और सिडनी में होने वाला अगला टेस्ट ड्रा खेलते हैं तो भारत को क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 0-1 से सीरीज हारनी होगी या ड्रा करना होगा। अगर बीजीटी 1-1 से ड्रा होने के बाद श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतता है तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों बाहर हो जाएंगे और श्रीलंका डब्ल्यूटीसी 2025 फाइनल खेलेगा।

मांजरेकर ने रोहित पर निशाना साधा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पारी की शुरुआत का रोहित शर्मा का फैसला गलत था। मांजरेकर ने कहा कि रोहित इस सीरीज में अब तक विफल रहे हैं। इसके बाद भी उनका सलामी बल्लेबाज के तौर पर आना गलत था। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में रोहित के अलावा विराट कोहली और अन्य बड़े खिलाड़ी भी रन नही बना पा रहे जो टीम के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने के पूरे प्रयास करने चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन पारियों में केवल 19 रन ही बना पाए हैं। मांजरेकर ने कहा कि हमारे यहां परंपरा है कि हम अनुभवी बल्लेबाजों को लय हासिल करने के लिए ऊपर भेज देते हैं। हम प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सभी प्रकार के अवसर प्रदान करते हैं। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को पारी की शुरुआत से हटाकर तीसरे नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेज देते हैं जिससे रोहित को फॉर्म हासिल करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राहुल ने पहले तीन मैच में पारी की अच्छी शुरुआत की जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओपनिंग करना आसान नही है। यशस्वी जयसवाल के साथ राहुल ने भारत के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की थी पर रोहित को खिलाड़ी को सफल बनाने के लिए उस साझेदारी को तोड़ दिया दिया गया। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि यशस्वी और रोहित शीर्ष पर अच्छी साझेदारियां करते हैं । उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जब आपको एक ऐसा सलामी बल्लेबाज मिला जो अपनी भूमिका ठीक से निभा रहा था, तो खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान को पारी की शुरुआत के लिए भेजने के कारण उसे नंबर 3 पर भेजना सही नहीं है।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों पर खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया: जोकोविच

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिसबेन -दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे।

अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी।

उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है।' उन्होंने कहा, 'कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।'

इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था। सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की। जोकोविच ने कहा, 'एटीपी ने वास्तव में इसके बारे में खुलकर बात नहीं की है। उन्होंने उस मामले को लोगों से दूर क्यों रखा है? हमने डब्ल्यूटीए टूर पर सिमोना हालेप का मामला देखा है, अब इगा स्वियातेक का मामला है।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे खेल के लिए अच्छी छवि नहीं है। मैं ऐसे मामलों को लेकर प्रणाली के काम करने के तरीके पर सिर्फ सवाल उठा रहा हूं। क्यों कुछ खिलाड़ियों के साथ दूसरे तरह का व्यवहार किया जाता है? हो सकता है कि इसके पीछे रैंकिंग एक कारण हो। इस तरह के मामलों से निपटने के लिए कुछ खिलाड़ियों के पास अधिक वित्तीय सहायता और मजबूत कानूनी टीमें हैं।'

एक नजर

हिमाचल में थमी बर्फबारी, 400 से ज्यादा सड़कें अवरुद्ध

शिमला : हिमाचल प्रदेश में दो दिनों की भारी बारिश और बर्फबारी के बाद मौसम खुल गया है। शिमला सहित राज्य के अधिकांश इलाकों में रविवार को धूप खिली और आमजन व पर्यटकों को राहत मिली है। हालांकि मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के छह प्रमुख शहरों का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। ठंड के प्रकोप ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। खासकर किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और अप्पर शिमला के इलाकों में ठंड का असर अधिक है। लाहौल स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -12.3 डिग्री, कुकुमसेरी में -7 डिग्री,कल्पा में -3.4 डिग्री, भरमौर में -1.7, नारकण्डा में -1.4 डिग्री, मनाली में -0.2 डिग्री, डल्हौजी में 0.4, सराहन में 0.5, कुफरी में 0.9 और शिमला में 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारी बर्फबारी के कारण प्रदेश में 3 राष्ट्रीय राजमार्ग और 400 से अधिक सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रशासन ने मौसम खुलने के साथ ही इन सड़कों को बहाल करने का काम तेज कर दिया है। कुल्लू, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और नारकंडा जैसे इलाकों में बर्फ हटाने के लिए मशीनें लगाई गई हैं। अप्पर शिमला में एनएच-5 नारकण्डा में बर्फबारी से अवरुद्ध है और शिमला से रामपुर के लिए वाहनों की आवाजाही सैंज-लुहरी-सुन्नी सड़क से की जा रही है। इसी तरह देहा-चौपाल स्टेट हाइवे खिड़की के पास अवरुद्ध है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की लाहौल घाटी भारी बर्फबारी के कारण बाकी हिस्सों से कट गई है। भारी बर्फबारी के चलते नेशनल हाइवे-तीन और संसारी तिन्दी-तांदी सड़क मार्ग सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है।

पंजाब पुलिस ने जग्गू भगवानपुरिया और अमृतपाल बाठ गैंग के पांच सदस्यों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ : पंजाब में संगठित अपराध के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान तरनतारन पुलिस ने नामी जग्गू भगवानपुरिया और अमृतपाल बाठ गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार हथियार बरामद किए हैं, जिनमें यूएस निर्मित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौलें, 15 जिन्दा कारतूस, तीन मैगजीन और देसी पिस्तौल हैं। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को बताया कि बटाला के गांव भगवानपुर निवासी गुरमीत सिंह उर्फ रावल, गुरदासपुर के गांव नूरपुर निवासी हरपाल सिंह, अमृतसर के गांव नवांपिंड निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ एन.पी. और कोट खालसा निवासी शमशेर सिंह उर्फ शेरा पासियां और संदीप सिंह उर्फ गोली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से यूएस निर्मित 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौलें, 15 जिन्दा कारतूस, तीन मैगजीन और देसी पिस्तौल बरामद की हैं। पुलिस ने उनकी अपराधों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की गई बिना नंबर वाली हुंडई क्रेटा कार भी जब्त की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने स्वीकार किया कि जब्त किए गए हथियार जग्गू भगवानपुरिया ने अपने साथियों को दिए थे और वे गैंगस्टर अमृतपाल बाठ के इशारे पर हत्याओं को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अपराधी हत्या की कोशिश, अवैध हथियार रखने और गैंग से संबंधित हिंसा समेत कई आपराधिक मामलों में शामिल हैं।

2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाना हमारा लक्ष्य : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया जाए। इस लक्ष्य की प्राप्ति में सेना की भूमिका बेहद अहम है। आप केवल सीमाओं के रक्षक ही नहीं हैं बल्कि आप इस राष्ट्र के निर्माण के अग्रदूत भी हैं। आपके कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। आपको एक तरफ तो हमारी सीमाओं का भार संभालना है और दूसरी तरफ विकसित भारत के निर्माण की नींव भी रखनी है। हमें खुद को हमेशा अलर्ट रहने की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री सिंह रविवार को इंदौर जिले के प्रवास के दौरान महू में आर्मी संस्थानों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महू में एक लंबे समय से आर्मी वॉर कॉलेज, इन्फेंटरी स्कूल और मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग भी सेवाएं दे रहे हैं। स्थापना के समय से ही ये संस्थान भारतीय सेनाओं के ऑफिसर्स और जवानों को मिलिट्री स्ट्रेटजीस और युद्ध कौशल में पारंगत बना रहे हैं। मैं राष्ट्र के प्रति आप सभी की सेवा के लिए भी आभार प्रकट करता हूं। आपका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा प्रेरणा का काम करती है। आपका अनुशासन साधना से कम नहीं। देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमारे दुश्मन बाहरी हों या आंतरिक, हमें उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी होगी। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर इंदौर पहुंचे हैं। उनके साथ आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी इंदौर आए हैं। वे दोपहर करीब 12 बजे विशेष विमान से इंदौर एयरपोर्ट आए और यहां से सेना की हेलिकॉप्टर द्वारा महू कैंट एरिया पहुंचे। यहां रक्षा मंत्री सिंह ने आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में जवानों और अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा जो बात अपील करती है, वह है कर्म के प्रति आपकी निष्ठा। जिस प्रकार से आप, हर चीज से ऊपर उठकर, केवल राष्ट्र सेवा को ही अपना कर्म मानकर, निरंतर लगे हुए हैं, शायद इसी को निष्काम कर्म कहा गया है। आपका यह निष्काम कर्म ही है, जिसने हमारी सेना को एक अलग ही मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि यहाँ मैं युवा जोश, और परिपक्व अनुभव के मिश्रण को भी देख पा रहा हूँ। जोश और अनुभव का यह मिश्रण निश्चित रूप से हमारी सेना के लिए और इस देश के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण है। वैसे तो आप सभी पूरी दुनिया में चल रही गतिविधियों पर खुद नजर रखते होंगे फिर भी, देश के रक्षा मंत्री होने के नाते, मैं आप सभी से विशेष रूप से यह बात कहना चाहूंगा कि, हमें खुद को हमेशा अलर्ट रखने की जरूरत है।

कांग्रेस का जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान तीन जनवरी से

एजेंसी

नई दिल्ली : कर्नाटक के बेलगावी में घोषित अभियान डॉ. मनमोहन सिंह के लिए 7 दिवसीय शोक मनाने के लिए 3 जनवरी तक रोक दिया गया है। तीन जनवरी के बाद कांग्रेस के जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान का शुभारंभ होगा कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने यह जानकारी दी। बताया कि 26 जनवरी को डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर की जन्मस्थली पर एक बड़ी रैली का आयोजन होगा। 25 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2026 तक देश भर में संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा निकाली जायेगी। रमेश ने कहा कि हमारी एकमात्र मांग है कि गृह मंत्री अमित शाह माफी मांगें और इस्तीफा दें। रमेश ने कहा कि इस लंबे अभियान के दौरान पदयात्रा, सेमिनार, रैलियों से लेकर परिचचाओं के जरिए गांव-गांव तक कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ जनता को जागरूक करेंगे। खबरों के अनुसार गुजरात में अप्रैल माह में कांग्रेस का महाधिवेशन बुलाया जायेगा। जान लें कि कांग्रेस संगठन का नये सिरे से कायाकल्प करने के लिए संगठन पुनरोद्धार कार्यक्रम 2025 लांच कर बूथ से लेकर शीर्ष संगठन तक तेजी से संगठनात्मक ढांचे में बदलाव करने की घोषणा की गयी है।

मप्र : बोरवेल में गिरे 10 वर्षीय बच्चे की नहीं बच पाई जान, 16 घंटे चला रेस्क्यू

एजेंसी

गुना : मध्य प्रदेश में बोरवेल के खुले गड्ढे ने एक और बच्चे की जान ले ली। यहां गुना जिले की राघौगढ़ तहसील के पिपलिया गांव में शनिवार शाम को बोरवेल के खुले गड्ढे में गिरे 10 वर्षीय बालक की जान नहीं बच पाई। बच्चा करीब 39 फीट की गहराई में फंसा था। जिला प्रशासन, पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने 16 घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर रविवार सुबह करीब 9.30 बजे उसे बाहर निकाला। स्वास्थ्य विभाग की टीम उसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने इसकी पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, गुना जिले के राघौगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपलिया निवासी दशरथ मीना का 10 वर्षीय पुत्र सुमित शनिवार शाम करीब 6.30 बजे पतंग उड़ाते हुए गांव के फूलसिंह मीना के खेत में पहुंच गया, जहां बोरवेल का गड्ढा खुला हुआ था। बच्चा उस बोरवेल में गिर गया। काफी देर तक बालक नहीं दिखा तो परिजनों ने उसकी तलाशी शुरू की। परिजन ग्रामीणों के साथ मिलकर उसे खोज रहे थे, तभी बोरवेल के गड्ढे में बच्चे का सिर नजर आया।। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम गांव पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। राघौगढ़ एसडीएम विकास कुमार आनंद के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने दो जेसीबी और पोकलेन मशीन से खुदाई शुरू की। बच्चे तक पाइप के जरिए ऑक्सीजन पहुंचाई गई। सुबह करीब साढ़े नौ बजे टनल बनाने का काम लगभग पूरा हुआ और इसके बाद टीम ने बच्चे को स्ट्रेचर और ऑक्सीजन सपोर्ट की मदद से बाहर निकाली और मौके पर मौजूद एम्बुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में बच्चे को मृत घोषित किया।

वैष्णो देवी की यात्रा के लिए रोपवे परियोजना के विरोध में पांचवें दिन बंद रहा कटरा

एजेंसी

रियासी : त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित मां वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर कटरा से प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में रविवार को लगातार पांचवें दिन भी बंद रहा। भाजपा विधायक बलदेव राज शर्मा ने धमकी दी है कि अगर हिरासत में लिए गए लोगों को 24 घंटे के भीतर रिहा नहीं किया गया तो वे क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। आन्दोलन के चलते पहले के प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग करते हुए पांच लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं। बंद का आह्वान करने वाली श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने घोषणा की है कि बंद के दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। समिति के आह्वान पर कटरा में दुकानें, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान पांचवें दिन भी बंद रहे और सड़कों से यातायात नदारद रहा। बुधवार को शुरू हुए बंद ने व्यस्त शहर कटरा में सामान्य जीवन को बाधित कर दिया है, जहां हजारों तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए रोजाना आते हैं। प्रदर्शनकारियों में शामिल हुए भाजपा विधायक बलदेव राज शर्मा ने आज प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर हिरासत में लिए गए समिति के सदस्यों को 24 घंटे के भीतर रिहा नहीं किया गया तो वे क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे। शर्मा ने कहा कि कटरा के निवासियों ने साबित कर दिया है कि हम इस लड़ाई में एक साथ खड़े हैं।भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली में अन्य नेताओं के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है। गृह मंत्री ने इस मुद्दे का संज्ञान लेकर नेतृत्व को समाधान खोजने के लिए कहा है, इसलिए मैं यहां आपके साथ हूं। दरअसल, श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने 25 दिसंबर को एक दिन के लिए बंद का आह्वान किया था। शुक्रवार की रात को हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को रिहा करने सहित अपनी मांगों पर जोर देने के लिए बंद को 72 घंटे के लिए बढ़ा दिया गया।

सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उन्होंने मतदाताओं का नाम सूची से हटाने का अभियान चला रखा है। वे सोचते हैं कि चलो संजय सिंह को सबक सिखाया जाए। उन्होंने दिल्ली नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लिए क्या किया है? उन्होंने वोटर्स लिस्ट नाम हटाने की दिशा में काम करते हुए मेरी पत्नी अनिता सिंह के नाम के खिलाफ आवेदन दिया। ऐसा इन्होंने सिर्फ एक बार नहीं बल्कि दो बार 24 और 26 दिसंबर को किया। संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि मैंने संसद में यह सवाल उठाया था कि भाजपा दिल्ली के अंदर हमारे पूर्वांचल के भाईयों का वोट कटवा रही है। उप्र, बिहार के लोगों का वोट कटवा रही है। वर्षों से दिल्ली में रहने वाले लोगों का वोट कटवा रही है। भाजपा एक तरह का चुनावी घोटाला करके चुनाव को जीतना चाहती है। मैंने संसद में उन लोगों के नाम पढ़े थे जिनके नाम वोटिंग लिस्ट से हटाने के लिए आवेदन दिए गए हैं। मैंने राम सिंह, रामजी और छोटे लाल वर्मा का नाम पढ़ा था। मैंने सारे नाम पढ़ते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से पूछा था कि क्या ये लोग रोहिंग्या और बांग्लादेशी हैं? क्योंकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि हम बांग्लादेशी और रोहिंग्या का नाम कटवा रहे हैं। तो क्या दिल्ली में 30-40 साल से रहने वाले हमारे यूपी, बिहार, पूर्वांचल के भाई अपने ही देश में बांग्लादेशी हो गए? यूपी, बिहार और झारखंड के लोग अपने ही देश में रोहिंग्या हो गए। संजय सिंह ने बताया कि सीपीडब्ल्यूडी के सर्विस सेंटर में उनकी पत्नी का वोट पड़ता है। ये लोग दिल्ली में बड़ा चुनावी घोटाला करना चाहते हैं। हमने केंद्रीय चुनाव आयोग से भी इसकी शिकायत की है।

भाजपा बेईमानी से लड़कर किसी तरह दिल्ली का चुनाव जीतना चाहती है : अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली के पूर्व सीएम व आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली में भाजपा चुनाव हार मान चुकी है। कहा कि उनके पास न सीएम फेस है, न विजन है, न कैंडिडेट हैं। आरोप लगाया कि अब भाजपा बेईमानी से लड़कर किसी तरह चुनाव जीतना चाहती है। भाजपा ने लोकतंत्र को ताक पर रख दिया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, दो हथकंडे भाजपा ने हरियाणा और महाराष्ट्र में अपनाये, दिल्ली में हम ऐसा होने नहीं देंगे। भाजपा नयी दिल्ली विधानसभा में रहने वाले हजारों लोगों के वोट कटवाने में लगी हुई है। कहा कि अकेले शाहदरा में 11,008 वोट काटे गये थे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त का इस बात के लिए आभार व्यक्त किया कि इस पर कार्रवाई की गयी।

भाजपा का इरादा दिल्ली की योजनाओं पर रोक लगाने की है

आप सांसद संजय सिंह(राज्यसभा) ने कहा, भाजपा ने उनकी धर्मपत्नी का ही वोट कटवाने के लिए आवेदन दिया है। वे नयी दिल्ली विधानसभा की वोटर हैं। कहा कि भाजपा का इरादा दिल्ली में सभी योजनाओं पर रोक लगाने का है। कहा कि जब केजरीवाल महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री कर रहे थे तब उसका भी इन्होंने विरोध किया था। बिजली-पानी फ्री करने का भी विरोध किया गया था। आरोप लगाया कि हर काम का विरोध करना भाजपा का मंसूबा है। केजरीवाल जी ने लड़ कर यहां स्कूल, अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक बनवाये। हम भाजपा को उनके मनसूबों में सफल नहीं होने देंगे। भाजपा बुरी तरह चुनाव हार रही है।

भाजपा सत्ता में आयी तो वह महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा बंद कर देगी

इस क्रम में आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, अगर भाजपा सत्ता में आयी तो वह दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी बंद कर देगी। कहा कि अरविंद केजरीवाल ने पहले भी सभी सुविधाएं दी हैं और वे फिर से ऐसा करेंगे। वे महिलाओं के खाते में हर महीने 2100 रुपए भी देंगे। पूछा कि भाजपा प्रवेश वर्मा द्वारा खुलेआम पैसे बांटने के खिलाफ क्यों नहीं बोलती।

संक्षिप्त खबरें

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट का लैंडिंग टेस्ट सफल

मुंबई : नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को कमर्शियल विमान की पहली लैंडिंग सफल रही। कमर्शियल विमान को लैंड करते ही वाटर कैनाल से सलामी दी गई। इसे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी विमानन परियोजना के विकास में एक बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है। एक माह पहले सेना के विमान का सफल लैंडिंग परीक्षण किया गया था। मार्च तक एयरपोर्ट का काम पूरा होने पर यहां से नियमित उड़ान सेवा शुरू कर दी जाएगी। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल ने मीडिया को बताया कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि इस सफल लैंडिंग के बाद अब हम यह कह सकते हैं कि हम सुरक्षा के तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस एयरपोर्ट से परिचालन के एक कदम करीब हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक पल के लिए डीजीसीए और सभी एजेंसियों के प्रति आभार जताया। अरुण बंसल ने कहा कि नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट विश्वस्तरीय विमानन सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में भी काम करता है। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग का काम अंतिम चरण में है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम 31 मार्च, 2025 तक पूरा हो जाएगा। यह हवाईअड्डा चालू होने पर यहां से एक साल में 9 करोड़ से ज्यादा यात्री सफर करेंगे। यह हवाई अड्डा लगभग 5945 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है। इस हवाई अड्डे का रनवे 3.7 किमी है, और एक ही समय में 350 विमान पार्क किए जा सकते हैं। नवी मुंबई एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने पर मुंबई एयरपोर्ट पर दबाव कम हो जाएगा। इसके साथ नवी मुंबई का विस्तार और तेजी से होगा।

नए अभियान के साथ फॉक्सी ने लांच किया प्रोजेक्ट 'अधुना'

वाराणसी : गर्भावस्था के दौरान देशभर में मातृ शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से साक्षी द्वारा लगातार किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के तहत एनीमिया मुक्त भारत की भी परिकल्पना साकार की जा रही है इसी के तहत रविवार को पांडेपुर स्थित एक होटल में फॉक्सी के नए प्रोजेक्ट अधुना को लांच किया गया। देश में गायनेकोलोजिस्ट्स की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एण्ड गायनेकोलोजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया ने प्रोजेक्ट अधुना (Advancing Delivery of Healthcare through Upgraded Newborn and Intrapartum Care Approaches) का लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत के चार राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा में निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसव के दौरान देखभाल को सुदृढ़ बनाना है। मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण के साथ चिकित्सा प्रथाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अधुना इन राज्यों के 29 चुनिंदा ज़िलों में स्वास्थ्यसेवाओं को बढ़ावा देगा। इस पहल के तहत FOOSI ने सीपीडी सत्रों Continuing Professional Development (CPD) 2 के तहत आयोजित कार्यशाला में चिकित्सकगण डॉक्टरों, नर्सों एवं पैरामेडिक्स स्टाफ नहीं बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और अधुना प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली। ये सत्र निजी स्वास्थ्य सुविधाओं की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जिन्हें चिकित्सकीय सुविधाओं में तुरंत लागू किया जा सकता है। ये सीपीडी सत्र डॉक्टरों को मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए नवीनतम नवाचारों, साक्ष्य-आधारित उपायों, कौशल और मुख्य क्षमताओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, ऐसे में यह स्वास्थ्यसेवाओं की सुलभता को बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। प्रोजेक्ट के विस्तृत दृष्टिकोण पर बात करते हुए FOGSI के प्रेजीडेन्ट एवं अधुना के प्रोजेक्ट लीड डॉ जयदीप टैंक ने कहा, प्रॉस्टि ADHUNA FOGSI की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो व्यावहारिक नवाचारों और साक्ष्य-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ, उच्च गुणवत्ता वाली मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को हर क्षेत्र में समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है। वाराणसी ऑब्स्टेट्रिक्स और गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी) की अध्यक्ष डॉ. संगीता राय और सचिव डॉ. इशिता अवस्थी के नेतृत्व में, साथ ही उत्तर प्रदेश की परियोजना राज्य समन्वयक डॉ. ऋतु खन्ना के अमूल्य सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यशाला में आयोजित सत्रों के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर किया गया जैसे इंटरावीनस फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (IV FCM) के इस्तेमाल से मातृ एनीमिया का प्रबन्धन, पोस्टपार्टम हेमरेज (PPH) के प्रबन्धन के लिए ई-मोटिव बंडल से साक्ष्य जुटाना तथा प्रसव के तीसरे चरण का सक्रिय प्रबन्धन। इस अवसर पर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, स्तनपान और माताओं की सम्मानजनक देखभाल से जुड़ी अच्छी प्रथाओं पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ चर्चा एवं विचार-विमर्श भी किया गया।

उप्र में साढ़े सोलह लाख से अधिक किसानों की बन चुकी है फार्मर्स आईडी

लखनऊ : प्रदेश भर में अभियान चलाकर फार्मर्स आईडी बनायी जा रही है, जिससे अन्नदाताओं को योजनाओं का लाभ मिलने में पारदर्शिता और तेजी लाई जा सके। वर्तमान में प्रदेश में 2,22,96,269 किसान निवास कर रहे हैं। अब तक यह आईडी 16, 65, 269 किसानों की बन चुकी है। वहीं फार्मर्स आईडी बनाने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने बाजी मारी है जबकि रामपुर, अंबेडकरनगर, महराजगंज और पीलीभीत ने टॉप फाइव जिलों में जगह बनायी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभालते ही किसानों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई बड़े कदम उठाये। उसी का नतीजा है कि आज प्रदेश का अन्नदाता खुशहाल के साथ समृद्ध हो रहा है। उनकी आय में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। सीएम योगी के निर्देश पर अन्नदाताओं की डिजिटल आईडी बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 2,22,96,269 अन्नदाता निवास कर रहे हैं। ऐसे में उन्हे डिजिटल आईडी मुहैया कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में 28 दिसंबर शाम 6 बजे तक 16,65,233 फार्मर्स आईडी बनायी जा चुकी है। इसी क्रम में जौनपुर जिले ने 28 दिसंबर शाम 6 बजे तक 1,09,048 फार्मर्स आईडी बनाकर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में अन्नदाताओं को सरकारी योजनाओं को लाभ देने के लिए फार्मर्स आईडी बनायी जा रही है। इसी का परिणाम है कि जौनपुर फार्मर्स आईडी बनाने में पूरे प्रदेश में पहले पायदान पर है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**